हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, गुरुवार 21 अगस्त, 2025, वर्ष : 34 अंक : 146, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube
Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को किया गिरफ्तार 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों में पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) सुप्रीमो दिनेश गोप को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल दिनेश गोप जेल में बंद है और बुधवार को उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिनेश गोप झारखंड के खूंखार उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का सरगना है। करीब एक दशक पहले तक इस संगठन का प्रभाव रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और चाईबासा जिले के कई हिस्सों में था। संगठन पर लेवी वसूलने, हत्या और हिंसक घटनाओं में शामिल रहने का आरोप रहा है। कहा जाता है कि दिनेश गोप जेल में रहने के बावजूद संगठन की गतिविधियों को नियंत्रित करता रहा है। दिनेश गोप को पुलिस ने मई 2023 में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में रखा गया। सुरक्षा कारणों और जेल से संगठन चलाने की आशंकाओं को देखते हुए उसे कई बार अन्य जेलों में भी शिफ्ट किया गया। ईडी ने दिनेश गोप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। एजेंसी का आरोप है कि उसने लेवी के जरिए वसूली गई रकम को मनी लॉन्ड्रिंग कर अवैध संपत्ति बनाई। इसी मामले में बुधवार को ईडी ने उसे जेल में रहते हुए ही औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। ईडी अब दिनेश गोप की काली कमाई और अवैध संपत्तियों की जांच में जुटी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और खुलासे हो सकते हैं।

सीएम रेखा गुप्ता पर हमला, जन सुनवाई के दौरान शख्स ने मारा थप्पड़

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आज एक शख्स ने अचानक से हमला कर दिया. दरअसल रेखा गुप्ता आज अपने कैंप ऑफिस पर जनसुनवाई कर रही थी, तभी उन पर यह हमला हुआ. इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई. पुलिस ने हमलावर को पकड़ लिया है और पूछताछ कर रही है. हालांकि अभी तक हमले की वजह साफ नहीं हो पाई है. पता चला है कि सीएम आवास पर बुधवार सुबह जनसुनवाई चल रही थी. इसी दौरान एक व्यक्ति आया, जोर से चिल्लाया, उन्हें थप्पड़ मारा और गाली-गलौज करने लगा. सीएम रेखा गुप्ता के साथ गंभीर रूप से हाथापाई हुई है. यह उनकी सरक्षा में बड़ी चूक मानी जा रही है.

गिरिडीह पुलिस ने नक्सलियों के ठिकाने से तार और विस्फोटक सामग्री की जब्त

गिरिडीह(ईएमएस)।गिरिडीह जिले की पुलिस और अर्द्ध सैनिक बलों ने पीरटांड़ प्रखंड के पारसनाथ पहाड़ के तलहटी से विस्फोट में इस्तेमाल होने वाले सामग्री को जब्त किया है। गिरिडीह एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने बताया कि सीआरपीएफ 154 बटालियन ने 300 मीटर कॉर्डक्स बायर और 13 लीटर तरल रसायन बरामद किया है।ये सामग्री नक्सलियों द्वारा जोकाई नाला के पास एक गड्ढा में छिपाकर रखा गया था।

झारखंड में शौच के लिए निकली दो नाबालिग का अपहरण का प्रयास, ऐसे बचाई अपनी जान

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ थाना क्षेत्र से दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण की कोशिश नाकाम हो गई। देर रात घर से बाहर शौच करने गई दोनों लड़कियों को बदमाशों ने जबरन उठा लिया और वाहन में बैठाकर ले जाने लगे। लेकिन साहस दिखाते हुए दोनों ने चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचा ली। दोनों लड़कियां घर से बाहर शौच करने निकली थीं। इसी दौरान अपहरणकर्ताओं ने उन्हें पकड़कर छोटा हाथी वाहन में बैठा लिया। अपहरण की योजना दो गाड़ियों से बनाई गई थी—एक में लड़कियां और दूसरे में बदमाश बैठे थे। रास्ते में जब वाहन की रफ्तार धीमी हुई तो दोनों लड़कियां गाड़ी से कूदकर भाग निकलीं। भागते-भागते दोनों नाबालिग गोईलकेरा थाना क्षेत्र के गोटम्बा गांव पहुंचीं और वहां की एक सहिया (स्वास्थ्य सेविका) के घर रातभर रहीं। सुबह सूचना मिलने पर स्थानीय मुखिया ने उन्हें सुरक्षित सोनुआ थाना पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। लड़कियों से बयान लिया जा रहा है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग अपहरणकर्ताओं की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, नाबालिग लड़कियों की बहादुरी की हर जगह सराहना की जा रही है।

झारखंड में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, योजनाओं, संभावनाओं व सुधारों पर मंत्री ने की समीक्षा

रांची(ईएमएस)।झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के उद्देश्य से मंत्री सुदिव्य सोनू ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक की।इस बैठक में पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं, संभावनाओं और आवश्यक सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई।मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य झारखंड को भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करना है।उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देना न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।बैठक में पर्यटन स्थलों का बुनियादी ढांचा सुधार, पर्यटन सर्किट का विकास, पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा, डिजिटल प्रचार-प्रसार और निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।मंत्री सुदिव्य सोनू ने विश्वास जताया कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से झारखंड देश के प्रमुख पर्यटन हब के रूप में उभरेगा।उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने से राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने से राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा होंगे।पर्यटन को बढ़ावा देने से राज्य की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में मदद मिलेगी और पर्यटकों को झारखंड की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराने का अवसर मिलेगा।पर्यटन स्थलों का बुनियादी ढांचा सुधारने से पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनकी यात्रा का अनुभव बेहतर होगा।पर्यटन सर्किट का विकास करने से पर्यटकों को झारखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने का अवसर मिलेगा।पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधा को सुनिश्चित करने से पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगा।डिजिटल प्रचार-प्रसार के माध्यम से झारखंड के पर्यटन स्थलों को विश्वभर में प्रचारित किया जा सकता है।

सीएम हेमंत ने जमशेदपुर में दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन को दी श्रद्धांजलि

परिवार को बंधाया ढांढस

जमशेदपुर : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने बुधवार को जमशेदपुर में दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। सीएम ने स्व. रामदास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट साझा किया।

अपने पोस्ट में सीएम सोरेन ने लिखा कि बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद रामदास दा का असमय चले जाना उनके लिए असहनीय दुख का कारण है। उन्होंने कहा, "प्रकृति की गोद में बाबा दिशोम गुरुजी के चले जाने के बाद रामदास दा का इस तरह से चले जाने की पीड़ा मेरे लिए अत्यंत असहनीय है। यह जो शून्यता बनी है, इसकी भरपाई शायद ही कभी हो पाएगी।" उन्होंने स्व. रामदास के योगदान को याद करते हुए कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। रामदास दा का व्यवहार सरल और सहज था और वे एक क्रांतिकारी और आंदोलनकारी होने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से गहरे जुड़े थे। वे हमेशा लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए तत्पर रहते थे। सीएम ने यह भी बताया कि स्व. रामदास शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सजग थे और इस विषय पर उनकी कई बार चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, "राज्य में शिक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने को लेकर भी वे सजग रहते थे। शिक्षा को और कैसे बेहतर बनाया जाए, इसे लेकर हमारी कई बार चर्चा हुई थी।" सीएम सोरेन ने आगे कहा कि भले ही रामदास दा अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व और कार्य हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने प्रार्थना की कि मरांग बुरु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति दे। उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि इस दुख की घड़ी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का पूरा परिवार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। अंत में उन्होंने लिखा, "महान आंदोलनकारी स्व. रामदास दा अमर रहें! अमर रहें! अमर रहें!"

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने पेश किए तीन विधेयक

मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रहते है तब गंवाना पड़ेगा अपना पद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विवादास्पद विधेयक पेश किया, इस बिल में प्रस्ताव है कि यदि किसी मौजूदा मंत्री, मुख्यमंत्री या इतना ही नहीं प्रधानमंत्री को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखते है, तब उन्हें एक महीने के भीतर अपना पद गंवाना पड़ेगा। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए। हालांकि, इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने इस बिल को जमकर विरोध किया। केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसतरह के मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने हेतु केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन की जरुरत है। विधेयक उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, संविधान के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए इसतरह के मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री और राज्यों एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने के लिए से संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की आवश्यकता है।

झारखंड विस मॉनसून सत्र

अनुपूरक बजट पेश होने के साथ होगा विपक्ष के सवालों का सामना

रांची। झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 22 अगस्त से शुरू होगा. इसमें सरकार और विपक्ष दोनों के लिए कई अहम मुद्दे हैं. अनुपूरक बजट पेश होने के साथ सत्ता पक्ष को विपक्ष के सवालों का भी सामना करना होगा. 22 अगस्त को वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा, जिसमें लगभग 4 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होने की संभावना है. सरकार विभिन्न विकास योजनाओं को गति देने के लिए अनुपूरक बजट का उपयोग करेगी. विपक्ष अनुपूरक बजट पर सवाल उठा सकता है और सरकार से जवाब मांग सकता है.
अनुपूरक बजट में योजना मद में तीन हजार करोड़ और गैर योजना मद में एक हजार करोड़ का प्रावधान होने की संभावना है. सरकार इस बजट के माध्यम से विभिन्न विकास योजनाओं को गति देने की कोशिश करेगी. वहीं विपक्ष विधि व्यवस्था, अतिवृष्टि से हुए नुकसान, सरना धार्मिक कोड और ओबीसी आरक्षण जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा. सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है. wwविपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, बिजली संकट और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है. सरकार भी विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है.

रांची में इस जगह बनेगा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का स्मृति स्थल, नगर विकास विभाग ने दी जानकारी

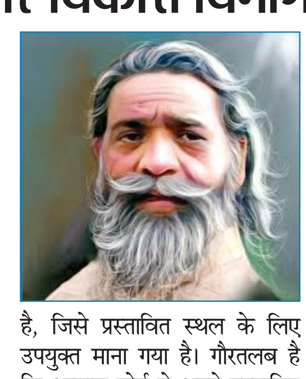

रांची : दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित बाईपास पर एक भव्य स्मृति स्थल बनाया जाएगा। इसको लेकर नगर विकास विभाग ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड से जमीन मांगी है। फिलहाल आवास बोर्ड ने जमीन चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, स्मृति स्थल का निर्माण डीपीएस स्कूल के पास स्थित भुसूर मौजा में किया जाएगा। यहां कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है, जिसे प्रस्तावित स्थल के लिए उपयुक्त माना गया है। गौरतलब है कि आवास बोर्ड ने अपने प्रस्तावित एकीकृत आवासीय योजना के लिए भुसूर सहित पांच मौजा में एचईसी से 59.13 एकड़ जमीन अधिग्रहित की थी। इन्हीं जमीनों में से स्मृति स्थल के लिए उपयुक्त जगह को चिन्हित किया जा रहा है।
भुसूर मौजा की जमीन सबसे महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित है। नई दिल्ली से रांची एयरपोर्ट आने के बाद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री अक्सर इसी बाईपास रोड से राजभवन या अन्य जगह जाते हैं।

झारखंड में अगले 6 दिनों तक जमकर बरसेंगे बदरा

रांची : झारखंड में अगले 6 दिनों तक भारी बारिश की संभावना है, जिससे कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. रांची मौसम केंद्र के अनुसार, 21 से 26 अगस्त तक राज्य में लगभग सभी जगहों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की प्रबल संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार 22 अगस्त को राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है, जिसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार जिलों में देखने को मिलेगा.

आज प्रभावित होने वाले जिले : साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, कोडरमा और हजारीबाग

कल प्रभावित होने वाले जिले : देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, रांची और लोहरदगा

23 अगस्त को प्रभावित होने वाले जिले : देवघर, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद, गुमला, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम

24 अगस्त को प्रभावित होने वाले जिले : साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम सिंहभूम

25 अगस्त को प्रभावित होने वाले जिले : पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, खूंटी,गुमला और रांची

26 अगस्त को प्रभावित होने वाले जिले : पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां

सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए किया नामांकन, पीएम मोदी बने प्रस्तावक

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ भाजपा और एनडीए के तमाम नेता भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी समेत कुल चार प्रस्तावक

जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन पत्रों के 4 सेट सौंपे हैं। नामांकन पत्रों के इन चार सेटों में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं। तमिलनाडु में जन्मे सीपी राधाकृष्णन गाउंडर- कोंगु वेल्लालर यानी ओबीसी समुदाय से आते हैं। वे तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनने वाले वे तीसरे नेता होंगे। वे 1998 में पहली बार सांसद चुने गए और 2023 में बने झारखंड के राज्यपाल बने। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। झारखंड की जिम्मेदारी संभालते हुए राधाकृष्णन ने तेलंगाना का राज्यपाल और पुडुचेरी का उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। सीपी राधाकृष्णन ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की है।

महात्मा गांधी को अर्पित की पुष्पांजलि

वहीं इससे पहले सीपी राधाकृष्णन ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु. एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े की मौजूदगी में संसद परिसर में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

17 अगस्त को भाजपा ने की नाम की घोषणा

बता दें कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा उपराष्ट्रपति पद के लिए की थी। जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से ये पद खाली हुआ है। 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया था।

9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद का चुनाव

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सांसद, राज्यसभा में मनोनीत 12 सांसद और लोकसभा के 543 सांसद वोट डाल सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

सूर्या हांसदा की हत्या को लेकर आदिवासी समाज में आक्रोश, निकाला कैंडल मार्च

रांची(ईएमएस)।सामाजिक कार्यकर्ता सूर्या हांसदा की हत्या को लेकर आदिवासी समाज आक्रोश में है। बुधवार को कचहरी स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के सामने आदिवासी समाज के प्रतिनिधि संग समाज के लोग एकजुट हुए।यहां से पैदल कैंडल मार्च करते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे।जहां पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि विधायक प्रत्याशी सूर्या हांसदा हत्या को पुलिस एनकाउंटर बताकर समाज को गुमराह कर रहा है। झारखंड में आदिवासी नेताओं की चुन चुनकर हत्या की जा रही है। आदिवासी समाज के अगुवा अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे है।एक-एक कर आदिवासी समाज के अगुवाओं को निशाना बनाया जा रहा है।सामाजिक कार्यकर्ता निशा भगत ने कहा कि सूर्या हांसदा ने हमेशा हक और अधिकार की लड़ाई लड़ता रहा है। उनकी हत्या को एनकाउंटर का नाम दिया जा रहा है, जो सोची-समझी रणनीति है।उन्होंने मांग की कि मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।जय आदिवासी केद्र परिषद के अध्यक्ष निरंजना हेरेंज ने कहा कि सूर्य हांसदा की हत्या जानबूझकर की गई है।यह आदिवासी समाज के आंदोलन को दबाने की कोशिश है।कांके सरना समिति के अध्यक्ष डबलु मुंडा ने कहा कि सूर्या हांसदा आदिवासी समाज के उभरते हुए नेता थे।पुलिस-प्रशासन हत्या को एनकाउंटर का रूप देने की कोशिश कर रहा है, जबकि सच्चाई को दबाने का प्रयास कर रही है।मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए।वक्ताओं ने कोर्ट से भी न्याय की गुहार लगाने की बात कही गई।

रांची में शहरी नदी प्रबंधन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

रांची(ईएमएस)।राजधानी स्थित होटल चाणक्य बीएनआर में बुधवार को शहरी नदी प्रबंधन योजना पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई।इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, रिवर सिटी अलायंस, शहरी विकास विभाग एवं राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।कार्यशाला में नगर आयुक्त रांची सुशांत गौरव समेत कई नगर आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।विशेषज्ञों ने शहरी नदी संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा, वृक्षारोपण, जल प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर चर्चा की और सुझाव साझा किए।कार्यशाला में यह सहमति बनी कि शहरी नदियों को प्रदूषणमुक्त और संरक्षित रखने के लिए विभागीय तालमेल और जनसहभागिता बेहद जरूरी है।इस मौके पर विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिनमें शहरी विकास विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यटन विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग आदि शामिल थे।रांची, धनबाद, आदित्यपुर, चास, साहिबगंज और राजमहल जैसे शहरों की नदी प्रबंधन योजनाओं की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मधुपुर में स्कूल का ताला तोड़ 4 पंखे व बर्तन की चोरी

देवघर(ईएमएस)।देवघर जिले में चोर अब सरकारी स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र को निशाना को बना रहे हैं। ताजा मामला मधुपुर प्रखंड के भगवानपुर का है।चोरों ने मंगलवार की रात यहां उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, भगवानपुर का ताला तोड़ कर कमरों में लगे 4 पंखे व स्टोर रूम में रखे खाना बनाने के सभी बर्तन लेकर फरार हो गए। चोरी गए बर्तन में डेकची, गमला, खंती,वथाली, ग्लास, कड़ाही आदि शामिल हैं। दूसरी घटना में चोरों ने भगवानपुर आंगनबाड़ी केंद्र का ताला तोड़ कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद केंद्र में रखे सभी सामान को बिखेर दिया और वहां से निकल गए। बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्र में चोरों को उनके जरूरत का सामान नहीं मिला और वे यहां से कुछ लिए बिना ही चले गए।बुधवार की सुबह जब प्रभारी प्रधानाध्यापक स्कूल पहुंचे, तो घटना की जानकारी हुई।सभी रूम व किचन का ताला टूटा हुआ था और पंखे व बर्तन आदि गायब थे। वहीं आंगनबाड़ी केंद्र की प्रभारी को भी बुधवार को केंद्र पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। स्कूल ल आंगनबाड़ी केंद्र के प्रभारी ने मधुपुर थाना में अलग-अलग आवेदन देकर पुलिस से मामले की जांच कर चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।अब देखना होगा कि पुलिस चोरों को कब ढूंढती है और स्कूल प्रबंधन बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन की क्या वैकल्पिक व्यवस्था करता है।

अनजान यात्रियों से मनमाना किराया वसूली, ऑटो व प्राइवेट बाइक चालक कर रहे मनमानी

रांची(ईएमएस)।राजधानी रांची में यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। खासकर बाहर से आने वाले लोग और अनजान यात्री ऑटो चालकों और प्राइवेट बाइक चालकों की चालबाजी का शिकार हो रहे हैं।जानकारी के अनुसार, रांची स्टेशन से रातू रोड तक का सामान्य किराया 30 से 40 रुपये के बीच होता है।लेकिन कई ऑटो चालक अनजान यात्रियों से 70 से 80 रुपये तक वसूल रहे हैं।वहीं, स्टेशन पर खड़े कुछ प्राइवेट बाइक चालक जो की ओला और रैपिडो के नहीं होते उन्हें डायरेक्ट बुक किया जाता हैं वो तो सीधे 100 से 140 रुपये तक किराया मांगते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की मनमानी यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है।आमजन का सुझाव है कि प्रशासन को इसके लिए सख्त नियम लागू करना चाहिए। सभी ऑटो और बाइक चालकों को गाड़ी में आधिकारिक किराया सूची चिपकाने और अपने पास रेट लिस्ट रखने की व्यवस्था करनी चाहिए।इससे बाहर से आने वाले यात्रियों को सही जानकारी मिलेगी और उन्हें ठगे जाने से बचाया जा सकेगा।यात्रियों ने मांग की है कि जिला प्रशासन इस मामले पर संज्ञान ले और आम लोगों की सुविधा के लिए पारदर्शी किराया प्रणाली लागू करे।

हाड़ी जाति समुदाय ने 7 सूत्री मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष दिया धरना

रांची(ईएमएस)।सात सूत्री मांगों को लेकर बुधवार को हाड़ी जाति विकास मंच के बैनर तले सैकड़ो लोगों ने राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में हाड़ी समुदाय लंबे समय से आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक परस्थिति से जूझ रहा है।झारखंड बनने के बाद भी हाड़ी समुदाय का विकास नहीं हो पाया है।यह समुदाय हमेशा सफाई कर्मी मे ज्यादा काम करते है।इनकी मांगें झारखंड अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया जाए।नगर निगम मे अनुकंपा पर होने वाली नियुक्ति का पढाई सिर्फ साक्षर किया जाए।भूमिहीन हाड़ी समुदाय को स्थायी रूप में रहने के लिए 5 डीसमिल जमीन दान स्वरूप दिया जाए।

अक्षय ऊर्जा के जरिए हरित विकास का केंद्र बनेगा झारखंड

रांची(ईएमएस)।वन विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीकी ने कहा कि झारखंड के प्रचुर प्राकृतिक संसाधन राज्य को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में अग्रणी बनाने में सक्षम हैं।निश्चय ही अक्षय ऊर्जा संभावना का बेहतर प्लानिंग करके झारखंड नेट-जीरो टारगेट और ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ सकता है।वे बुधवार को टास्कफोर्स संस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन, झारखंड सरकार और सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) के विजनरी रिपोर्ट 'पावरिंग प्रोग्रेसः अनलॉकिंग रिन्यूएबल एनर्जी एंड स्टोरेज पोटेंशियल असेसमेंट इन झारखंड' के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि अक्षय ऊर्जा सम्भावना का दोहन करने के लिए एक मजबूत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने की आवश्यकता है, जिसमें निर्माण, स्थापना, संचालन और रखरखाव आदि को प्राथमिकता दी जाए।राज्य की मौजूदा औद्योगिक एवं एमएसएमई क्षमताओं की क्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इकोसिस्टम तैयार करने में बड़ी भूमिका होने वाली है, जिसके लिए निवेश एवं तकनीकी नवोन्मेष भी जरूरी है।सचिव योजना विकास मुकेश कुमार ने कहा कि झारखंड के अप्रयुक्त प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग बुनियादी ढांचे और सततशील अर्थव्यवस्था के निर्माण में सहायक होगा। अक्षय ऊर्जा के मामले में अग्रणी बनने के लिए पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों की रिन्यूएबल एनर्जी सक्सेस स्टोरीज से सीख लेनी चाहिए।पूर्व आइएफएस एके रस्तोगी ने कहा कि फ्यूचर-रेडी इकॉनमी बनाने में क्लीन एनर्जी ट्रांजीशन की बड़ी भूमिका है।औद्योगिक विस्तार, कूलिंग व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी नई जरूरतें बढ़ते एनर्जी डिमांड की ओर इशारा करती हैं। यह रिपोर्ट राज्य में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, ग्रीन जॉब्स तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी, जिससे एनर्जी ट्रांजीशन को गति मिलेगी।अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक रवि रंजन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव पर्यावरणीय सततशीलता की ओर बदलाव की आवश्यकता को दर्शाते हैं, जहां संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करना आर्थिक लाभ और व्यापक सामाजिक हितों के लिहाज से प्राथमिकता होनी चाहिए।वर्तमान में झारखंड की रिन्यूएबल कैपेसिटी 434 मेगावॉट (7.2%) है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 46 गीगावाट रिन्यूएबल क्षमता की संभावना है। इसमें सोलर एनर्जी का सबसे बड़ा योगदान है, जिसकी क्षमता 41 गीगावाट आंकी गयी है।जिसमें 17.2 गीगावाट यूटिलिटी-स्केल सोलर, 6.2 गीगावाट रूफटॉप सोलर, 9.4 गीगावाट एग्रीवोल्टैक्स, 6.2 गीगावाट फ्लोटिंग सोलर और 2 गीगावाट कॉन्सन्ट्रेटेड सोलर पावर (सीएसपी) शामिल हैं। इसके अलावा 4.1 गीगावाट हाइड्रो पावर, 715 मेगावॉट विंड और लगभग 1 गीगावाट बायो एनर्जी (क्रॉप रेजिड्यूज़, फॉरेस्ट बायोमास और म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट से) की पहचान की गयी है।

बेतला टाइगर रिजर्व से नौ शिकारी गिरफ्तार, 13 भाग निकले

लातेहार(ईएमएस)।लातेहार वन विभाग की टीम ने बेतला टाइगर रिजर्व में सक्रिय शिकारी गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने छापामारी कर शिकारी गिरोह के नौ सदस्यो को गिरफ्तार किया है। 13 शिकारी भाग निकले। यह जानकारी पीटीआर के उप निदेशक प्रजेश जैन ने बुधवार को बेतला में आयोजित प्रेसवार्ता में दी।उन्होंने बताया कि 19 अगस्त को नावागढ़ निवासी सरफुदीन मियां को बारूद व गंधक बेचते गिरफ्तार किया गया था। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने खुलासा किया कि वह भरठुआ बंदूक में इस्तेमाल के लिए इन सामग्रियों को शिकारियों को बेचता है।उसने गारू थाना क्षेत्र के कुई ग्राम निवासी तपेश्वर सिंह को बारूद देने की बात स्वीकार की। इसके बाद वन विभाग की टीम ने बुधवार को तड़के करीब तीन बजे कुई गांव में छापेमारी की, जिसमें आरोपी तपेश्वर सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके घर से एक भरठुआ बंदूक बरामद की गई।उसने कबूल किया कि वह एक गिरोह के साथ मिलकर पलामू टाइगर रिजर्व के जंगलों में वर्षों से शिकार कर रहा है।तपेश्वर सिंह ने स्वीकार किया कि 10 वर्ष पहले गारू के चंदवा चट्टान क्षेत्र में एक बाघ का शिकार किया गया था। तपेश्वर सिंह की निशानदेही पर टीम ने छापामारी कर नौ शिकारियों को गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिया। गिरफ्तार शिकारियों में नावागढ़ निवासी सरफुदीन मियां, गारू के कुई निवासी तपेश्वर सिंह, रामसुंदर तुरी, झमन सिंह, कईल भुईयां, कारवाई ग्राम निवासी अजित सिंह, हरिचरण सिंह, जरुहार निवासी रमन सिंह व पारसनाथ सिंह शामिल है।उनके पास से आठ भरठुआ बंदूक, छह इंच का एक फरसा, 400 ग्राम बारूद, 14 ग्राम गंधक, एक टाइगर ट्रैप (बाघ फंसाने का फंदा), 15 फिट का दो फंदा व जंगली जानवरों की हड्डी (टाफी) बरामद किया गया है।छापामारी के लिए दो टीमें बनाई गई थीं।गारू ईस्ट और छिपादोहर ईस्ट के नेतृत्व में गहन छापेमारी की गई।पलामू टाइगर रिजर्व साउथ के उपनिदेशक कुमार आशीष व पलामू टाइगर रिजर्व नॉर्थ के उपनिदेशक प्रजेश जेना के निर्देशन में अभियान को अंजाम दिया गया। उन्हों ने बताया कि शिकारियों का यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था।अब तक नौ गिरफ्तारियां हुई हैं, जबकि 13 आरोपी फरार हैं।जंगलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रेसवार्ता में उप निदेशक कुमार आशीष, उप निदेशक प्रजेश जेना, रेंजर उमेश दुबे व रेंजर अजय टोप्पो समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड छात्र दल ने डीएसपीएमयू की समस्याओं पर जताई चिंता, राज्यपाल से मिले

रांची(ईएमएस)।झारखंड छात्र दल के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के साथ-साथ राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक और प्रशासनिक समस्याओं को लेकर महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति से मुलाकात की और अपनी प्रमुख मांगें रखीं।छात्र दल ने राज्य के विद्यार्थियों द्वारा सामना की जा रही परेशानियों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए समय रहते समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।प्रमुख मांगो में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की नियुक्ति शीघ्र की जाए ताकि विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक अनुभवी और स्थायी परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति आवश्यक है।पिछले 6 वर्षों से राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव नहीं हुए हैं। इससे विद्यार्थियों में राजनीतिक चेतना और नेतृत्व विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। छात्र दल ने तुरंत चुनाव कराने की मांग की.डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में आउटसोर्सिंग एजेंसी रिद्धि-सिद्धि द्वारा नियुक्त चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को अठारह हजार मानदेय की जगह केवल ग्यारह हजार दिया जा रहा है। सुरक्षा गार्ड और सफाई कर्मचारियों के इस शोषण को तुरंत रोका जाए।छात्र दल का यह भी कहना है कि ऐसी एजेंसी का टेंडर रद्द किया जाए।विश्वविद्यालय प्रशासन में एक व्यक्ति कई पदों पर आसीन है जो नियम के खिलाफ है।छात्र दल ने इस नियम का पालन कराने की मांग की।रांची विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र एक वर्ष पीछे चल रहा है, जिससे छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने में समस्याएँ आ रही हैं।छात्र दल ने इसे जल्द ठीक करने की अपील की।रांची विश्वविद्यालय में बीपीएड और एमपीएड की पढ़ाई 2025-26 सत्र से शुरू करने का प्रस्ताव था लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

छात्र दल ने इसे शीघ्र लागू करने की मांग की।राज्य का यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जहाँ फॉरेंसिक साइंस और साइबर सिक्योरिटी की पढ़ाई कराई जाती है। वर्तमान में इसमें केवल 50 सीटें हैं, जिन्हें बढ़ाकर 100 किया जाए ताकि अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकें।झारखंड छात्र दल ने यह स्पष्ट किया है कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे राज्यव्यापी आंदोलन की योजना बनाएंगे।

पूर्व पीएम राजीव गांधी ने की थी विकसित भारत की कल्पना : केशव महतो

रांची(ईएमएस)।कांग्रेस भवन में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81 वीं जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।केशव महतो कमलेश ने कहा की देश में कंप्यूटर क्रांति के जनक स्वर्गीय राजीव गांधी ने विश्व पटल पर देश को अग्रणी ले जाने की नींव रखी थी।उन्होंने अपने कार्यकाल में भविष्य के विकसित भारत की कल्पना की थी और इसे धरातल पर उतारने का प्रयास प्रारंभ कर दिया था।दूरसंचार क्रांति,कंप्यूटर युग की शुरुआत इसका उदाहरण है।केशव महतो ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश के विकास और राजनीतिक भूमिका में युवाओं के योगदान को उन्होंने महसूस किया और मतदान की उम्र सीमा घटकर 18 वर्ष की।वे देश को दुनिया की उच्च तकनीक से पूर्ण करना चाहते थे, 21 वीं सदी के भारत का निर्माण करना चाहते थे।उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक विकास योजनाएं चलायी, ग्रामीणों को उनका हक देने के लिए पंचायती राज की परिकल्पना की और उसे धरातल पर उतारा।

सांसद कला महोत्सव का हुआ आगाज रांची लोकसभा क्षेत्र के 125 स्कूल के 50 हजार से अधिक बच्चे भाग लेंगे

रांची। रांची में सबसे लंबे समय तक चलने वाले भव्य सांसद कला महोत्सव का शुभारंभ बुधवार से हो गया। जेवीएम श्यामली, डोरंडा से इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जहां सैकड़ों बच्चों ने ऑपरेशन सिंदूर और मोदी जी के सैन्य प्रेम पर अपनी चित्रांकन प्रतिभा की प्रस्तुति कागजों पर की। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर 20 अगस्त से ही इस कार्यक्रम का आगाज किया गया है। सांसद कला महोत्सव के नाम से आयोजित इस कार्यक्रम के पेंटिंग कार्निवल में रांची लोकसभा क्षेत्र के 125 से अधिक स्कूल सहभागिता निभाएंगे। इसमें 50 हजार से अधिक बच्चे अपने चित्रांकन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पूर्व में यह कार्यक्रम एक सप्ताह का होना था परंतु विद्यालयों के उत्साह और रुझान को देखते हुए इसे लंबे समय तक विस्तारित किया गया है। आज से शुरू हुआ यह महोत्सव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 में जन्मदिन पर होने वाले सेवा पखवाड़ा तक चलेगा।

इस महोत्सव में रांची लोकसभा क्षेत्र के रांची, हटिया, कांके, खिजरी, ईचागढ़ और सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विद्यालय भाग लेंगे। इस बाबत रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया कि आज से शुरू हुआ यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन तक चलेगा।

कार्यालय, जिला परिषद् धनबाद

वाहन पड़ाव के संचालन हेतु बन्दोबस्ती हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद्, धनबाद कार्यालय परिसर स्थित मैदान में मेला के दौरान वाहन पड़ाव के संचालन हेतु खुले डाक के माध्यम से 11 माह के एकरारनामा के आधार पर उच्चतम् डाकवक्ता को अस्थायी रूप से आवंटन हेतु आवेदन पत्रों की बिक्री एवं डाक में भाग लेने हेतु इस कार्यालय में आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

आवंटन हेतु इच्छुक व्यक्ति इस सूचना मे दिये गये नियम एवं शर्तों पर निर्धारित नीलामी की तिथि को डाक में भाग ले सकते हैं।

क्र.	परिसम्पत्ति का नाम	नीलामी की सुरक्षित जमा राशि	नीलामी की न्यूनतम सुरक्षित जमा राशि 05%	नीलामी की तिथि
1	जिला परिषद कार्यालय परिसर मैदान में मेला के दौरान वाहन पड़ाव का संचालन	1,00,000/- (एक लाख)	5000/-	13-09-2025

1. डाक के लिए आवेदन पत्र जिला परिषद कार्यालय से ₹ 1000 (एक हजार) रूपये नकद/ड्राफ्ट जमा कर दिनांक 26-08-2025 से 02-09-2025 तक (कार्यालय दिवस में) कार्यालय अवधि तक प्राप्त किया जा सकता है।
2. आवेदन पत्र दिनांक 06-09-2025 से 10-09-2025 तक (कार्यालय दिवस में) कार्यालय अवधि तक जिला परिषद कार्यालय, धनबाद में पूर्ण ब्यौरा के साथ जमा किया जा सकता है, जिसमें नीलामी की न्यूनतम सुरक्षित जमा राशि का बैंक ड्राफ्ट, PAN Card, वोटर आई0डी0, चरित्र प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

ह0/–

डाक की विस्तृत नियम एवं शर्तें जिला परिषद के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, धनबाद

PR 360006 Rural Development(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–61/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.08.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 29.08.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.08.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Repair & Renovation of Office Block of Directorate of Geology Mines & Geological Department Block G-2 Government of Jharkhand Ranchi	3673400	73500	5000	Two Months
2	Renovation of Deputy Director, Mines, South Chhotanagpur at Doranda Ranchi	4313200	86300	5000	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची।

PR.NO.359987 Building(25-26):D

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT, GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell

Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/**10/2025-26**

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	S/R to EI in PDJ residence ,guard rooms and garden lights at PDJ residence Giridih.	10,22,239.00	2500.00	20500.00	30 days
2	S/R to E.I in the Saksher Barrack - 1 & 2, G.P. Office, C.O. Office, QRT Bld, Parivahan Office, Police Mens Office in the campus of JAP - 3 Govindpur Dhanbad.	20,19,914.00	5000.00	40500.00	30 days
3	Date of Publication of tender on website	28.08.2025			
4	Online bid submission period	From 29.08.2025 at 10:30 am to 06.09.2025 at 2:00 pm			
5	Technical Bid Opening Date	08.09.2025 at 3:00 pm			
6	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad			
7	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
8	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad.

PR 359996 Energy(25-26)#D

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

मछली पालन एवं संबद्ध विभिन्न विकास कार्यों हेतु मत्स्य कृषकों, उद्यमियों/ स्टार्ट अप्स करने वालों के लिए सुअवसर Fisheries and Auaculture Infrastructure Development Fund (FIDF)

एतद् द्वारा जामताड़ा जिला के सभी मत्स्य उद्यमियों/ स्टार्ट अप्स करने वालों को सूचित किया जाता है कि मात्स्यिकी विकास कार्यों के लिए सरकार द्वारा Fisheries and Auaculture Infrastructure Development Fund (FIDF) के तहत् निजी क्षेत्र में ऋण उपलब्ध कराने की योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए विस्तारित किया गया है।

ऋण योग्य प्रस्ताव		
आईस प्लान्ट्स	मोती पालन	फिश लैंडिंग सेंटर
कोल्ड सटोरेज	हैचरी अधिष्ठापन	मत्स्य प्रसंस्करण इकाईयों
ब्रूड बैंक	मछली परिवहन	फिश नेट निर्माण हेतु प्लान्ट
केज कल्चर	फिश फीड मिल/प्लान्ट	अन्य नई/Innovative परियोजनाएँ

आवेदकों की पात्रता :– मत्स्य सहकारी फेडरेशन, सहकारी समितियों, मत्स्य कृषकों के सामूहिक समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, SHGs, NGOs, SCs/ STs/ सीमांत कृषकों/ महिलाओं/ निजी कंपनी/ व्यवसायियों/ Entrepreneurs, दिव्यांगों के साथ–साथ अन्य संस्थान/ इकाई जिनका चयन सरकार द्वारा किया गया हो, FIDF के तहत् ऋण के पात्र हैं।

ऋण का प्रतिशत एवं अवधि :–

- सभी परियोजना प्रस्तावों के लिए कुल परियोजना लागत का 80% तक ऋण एवं लाभुक अंशदान कम से कम 20%
- ऋण की वापसी हेतु अधिकतम 12 वर्श का समय जिसमें मूलधन के पुनर्भुगतान पर 02 वर्षों का MORATORIUM PERIOD
- आधारभूत संरचना विकास के प्रस्तावों पर 5% से कम नहीं वार्शिक दर पर Lending Rate of Interest एवं 03% वार्षिक दर Interest Subvention

इस योजना अंतर्गत प्रस्तावित कार्य, विस्तृत विवरणी, इकाई लागत तथा योजना हेतु अन्य आवश्यक माप–दण्डों की विस्तृत विवरणी की प्रति कार्यालय अवधि में जिला मस्त्य कार्यालय, जामताड़ा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह मत्स्य पालन विभाग भारत सरकार के **www.fidf.in** पर है जिसपर Online Apply करने की सुविधा उपलब्ध है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा–निदेशों इच्छुक आवेदक प्रस्तावित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR–तीन प्रति में) के साथ आवेदन अपने जिला के जिला मत्स्य कार्यालय में कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं।

किसी भी आवेदन को बिना कारण बताये अस्वीकृत अथवा रद्द करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

"कम लागत अधिक आय, मछली पालन एक व्यवसाय"

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 359927 (Fish)25-26*D

संक्षिप्त ख़बरें

रामगढ़ प्रखंड में वित्तीय समावेशन कैंप, 15 क्रेडिट लिंकेज और 10 मुद्रा लोन स्वीकृत

दुमका:जे आर जी बी बैंक ठाढ़ीहाट द्वारा जे एस एल पी एस अंतर्गत संचालित संकुल संगठन कार्यालय ठाढ़ीहाट में समूह की दीदियों के लिए वित्तीय समावेशन कैंप का आयोजन किया गया।कैंप के दौरान कुल 15 क्रेडिट लिंकेज (प्रत्येक 1.50 लाख रुपये) तथा 10 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए। इस अवसर पर दीदियों को बताया गया कि बैंक लिंकेज से प्राप्त राशि का उपयोग दुकान, मुर्गी पालन, बकरी पालन जैसे छोटे व्यवसायों में किया जा सकता है, जिससे आजीविका संवर्धन और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।कार्यक्रम में लगभग 200 दीदियों की सहभागिता रही और सभी को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने हेतु वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

डॉ राजीव कुमार बने कुलपति के ओएसडी

दुमका:सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में बुधवार को डॉ. राजीव कुमार को कुलपति के विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निर्देश पर रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा द्वारा अधिसूचना जारी की गई।जारी पत्र के अनुसार, डॉ. राजीव कुमार को अगली आदेश तक कुलपति के ओएसडी के रूप में कार्यभार सौंपा गया है। डॉ. राजीव वर्तमान में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में सह-प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, साथ ही वे विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।इसके अतिरिक्त, डॉ. कुमार ओएसडी एकेडमिक तथा को-ऑर्डिनेटर, बी.एड. एवं एम.एड. के रूप में भी कार्य देख रहे हैं। डॉ. राजीव कुमार को विवि प्रशासनिक क्षेत्र में लगभग 20 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वे पूर्व में विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार, वित्त पदाधिकारी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। इस नियुक्ति से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में अधिक मजबूती और सुचारू संचालन की उम्मीद जताई जा रही है।

सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने बीएड शिक्षकों की नियुक्ति का परिणाम घोषित किया, 11 अभ्यर्थियों का चयन

दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने बुधवार को बीएड विभाग के लिए सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया का परिणाम घोषित कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा अपने पाँच अंगीभूत महाविद्यालयों—एसपी कॉलेज दुमका, एएस कॉलेज देवघर, गोड्डा कॉलेज, पाकुड़ कॉलेज और साहेबगंज कॉलेज—में बीएड पाठ्यक्रम के लिए कुल 12 अस्थायी सहायक प्राध्यापक पदों पर नियुक्ति हेतु 13 अगस्त को वॉक-इन इंटरव्यू के लिए विज्ञापन जारी किया गया था।साक्षात्कार प्रक्रिया 18 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई, जिसमें बाह्य विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। साक्षात्कार के बाद कुल 11 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। जबकि एक पद पर उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण वह पद रिक्त रह गया है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित सहायक प्राध्यापकों को निर्देश दिया है कि वे आगामी 10 कार्यदिवसों के भीतर संबंधित महाविद्यालय में योगदान करें।

शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने व पठन-पाठन की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश

दुमका:रामगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिन्हा ने बुधवार को +2 उच्च विद्यालय रामगढ़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति रजिस्टर की बारीकी से जाँच की।उन्होंने जिला परियोजना के द्वारा उपलब्ध कराये गये बेंच-डेस्क की गुणवत्ता की भौतिक जांच की। श्री सिन्हा ने विद्यालय में उपस्थित छात्रों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे और उनकी अध्ययन स्थिति का आकलन किया। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा पठन-पाठन की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में कक्षाओं की स्वच्छता, पेयजल की उपलब्धता एवं शौचालयों की स्थिति की भी समीक्षा की।इसके अतिरिक्त, जिला परियोजना इकाई द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति तथा स्मार्ट क्लास की प्रगति की जानकारी ली। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं को योजनाओं का समय पर लाभ अवश्य मिले। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही समाज के सर्वांगीण विकास की नींव है, अतः विद्यालय परिवार को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।निरीक्षण के उपरांत उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि मासिक आधार पर प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाये। प्रधानाचार्य दयामय मंडल के ने बीडीओ से विद्यालय की चहारदीवारी, छात्रावास, शौचालय आदि के निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।औचक निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ब्रजेश कुमार, कनीय अभियंता रविन्द्र मंडल उपस्थित थे।

जरमुंडी एवं मसलिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह को प्रभार से हटाने की मांग

दुमका:झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एवं महासंघ के अगुवाई में जरमुंडी और मसलिया प्रखंड के सभी कर्मचारियों ने डॉ सुनील कुमार सिंह के तानाशाही और मनमाने रवैए के विरुद्ध सिविल सर्जन को लिखित आवेदन देकर उन्हें हटाने की मांग की। कर्मचारियों ने सिविल सर्जन से मांग की है कि डॉ सुनील कुमार सिंह को तत्काल जरमुंडी और मसलिया प्रखंड के प्रभार से हटाया जाए।आवेदन में कहा गया है कि गीता कुमारी लिपिक जरमुंडी को बिना कारण पृच्छा किये हुए निलंबित किया गया,जो न्याय संगत नही है।बिनोद कुमार मंडल ऑउट शोरसिंग को काम कराकर दो वर्षों से मानदेय नही दिया जा रहा है।आउटसोर्सिंग कर्मियों को मसलिया प्रखंड में 30 दिनो का अनुपस्थिति विवरणी दिया जाता है जबकि जरमुंडी में 26 दिनों का ही अनुपस्थिति दिया जाता है। दोनो प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार ही है।चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी आशीष हरी, जरमुंडी से 30 दिनों का काम लिया जाता है,लेकिन रविवार को भी उन्हें अवकाश नही दिया जाता है।अनुबंध कर्मियों का कार्यानुभव प्रमाण पत्र निर्गत करने में विलंब किया जा रहा है।इसके अलावा अन्य कई बातो को सिविल सर्जन के समक्ष रखा गया है।सभी मांगो को सिविल सर्जन द्वारा जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया।इस मौके में महासंघ अध्यक्ष प्राण मोहन मुर्मू,ज़िला सचिव राजीव नयन तिवारी,कोषाध्यक्ष माधव कुमार सिंह,लिपिक सचिव साधु मंडल,चिकित्सा संघ के अध्यक्ष तपन कुमार ठाकुर,ज़िला सचिव कैलाश प्रसाद साह,मीडिया प्रभारी सच्चिदानन्द सोरन,संजय कुमार ठाकुर,मनमोहन कुमार,मनोज कुमार,गीता कुमारी,बबिता कुमारी ,शांति कुमारी हेम्ब्रम के साथ काफी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

बीडीओ की अध्यक्षता में निर्वाचन संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित

दुमका:गोपीकांदर प्रखंड सभागार में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय प्रकाश मरांडी ने बुधवार को बीएलओ पर्यवेक्षक सुपरवाइजर और बीएलओ के साथ निर्वाचन संबंधित समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में नजरी नक्शा, रिपोर्ट टी मैप और निर्वाचन संबंधित चर्चा की गई। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी विजय प्रकाश मरांडी ने बताया कि बीएलओ के द्वारा बनाए गए नजरी नक्शा का मिलान अच्छे से ना होने पर रांची भेजा गया नजरी नक्शा वापस कर दिया गया है।बीडीओ ने आगे बताया कि परिवारों की संख्या, मतदाताओं की संख्या कच्चा पक्का सड़क मार्ग आदि का अच्छे से मिलान नहीं किया गया| बीडीओ ने बीएलओ पर्यवेक्षक सुपरवाइजरो के साथ वापस लौटे नजरी नक्शा का मिलन किया और पुनः नजरी नक्शा बनाने का निदेश दिया। बैठक में नोडल पदाधिकारी सह पंचायती राज पदाधिकारी उमेश साह, बीएलओ पर्यवेक्षक सुपरवाइजर सह सहायक अभियंता सलीम मरांडी, मनोज टुडू, विमल यादव, बीएलओ मेरियम मरांडी, सुनीता मुर्मू, नयोनी किस्कू, शांति मरांडी, सुशाना हांसदा, मालोती मुर्मू, सुरोधनी हेंब्रम, मार्था हांसदा, धानमुनी हेंब्रम मिरू सोरेन सुहागिनी हेंब्रम रेशमा हांसदा आदि मौजूद थे।

उपायुक्त के निर्देश पर अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ रानेश्वर अंचल क्षेत्र में डीएमओ की कार्रवाई

रात्रि में खान निरीक्षक ने की वाहनों की जांच

1450 सीएफटी अवैध चिप्स-पत्थर ले जाते दो वाहन जप्त

अवैध खनन पर है नजर,हो रही है छापेमारी,नहीं बख्सें जाएगें अवैध कारोबारी-जिला खनन पदाधिकारी

दुमका:उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निर्देश के आलोक में जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने रानेश्वर अंचल क्षेत्र में मंगलवार की रात्रि में अवैध खनन,भंडारण एवं परिवहन को लेकर कार्रवाई की एवं अवैध तरीके से 1450 सीएफटी चिप्स एवं पत्थर ले जाते खान निरीक्षक मंजीत दुबे जप्त किया। जप्त वाहनों को थाने को सुपूर्द किया एवं वाहनों पर विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया आरंभ की गयीं। डीएमओ आनंद कुमार को सूचना मिली थी कि रानेश्वर अंचल अतर्गत अवैध तरीके से चिप्स पत्थर ले जाया जा रहा है। जिस पर डीएमओ के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए खान निरीक्षक मंजीत दुबे के नेतृत्व में रानेश्वर अंचल के महेशखाला में रात्रि दस बजे वाहनों की जांच की गयी। जांच के क्रम में दो वाहनों को अवैध पत्थर चिप्स ले जाते पकड़ा गया एवं अविलंब कार्रवाई करते हुए वाहन समेत वाहनो पर लोड किए गए 1450 सीएफटी पत्थर चिप्स को जप्त कर लिया गया एवं थाना को सुपूर्द करते हुए विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया आरभ की गयी।अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ रानेश्वर अंचल अंतर्गत मंगलवार की रात्रि में खान निरीक्षक मंजीत दुबे के द्वारा वाहनों की जांच के दौरान दो वाहनों को अवैध पत्थर चिप्त ले जाते पकड़ा गया। जिस में वाहन संख्या-डब्बलूसी53-7034, जप्त अवैध चिप्स पत्थर की मात्रा-750 सीएफटी,वाहन संख्या-डब्बलूबी11एफ-3456,जप्त वैध चिप्स पत्थर की मात्रा-700 सीएफटी है।खनन टास्क फोर्स की बैठक में उपायुक्त ने अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ स्पष्ट निर्देश दिया है।जिले में अवैध खनन,भंडारण एवं परिवहन के पूर्णत रोक के लिए खनन टास्क फोर्स की बैठक में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिये है कि किसी भी कीमत पर जिले में अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण नहीं हो इसे सुनिश्चित किया जाए एवं अवैध खनन,भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ अधिकारी लगाातर छापेमारी करें। जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा है कि जिले में अवैध खनन पर पूरी नजर है एवं अवैध खनन,भंडारण एव परिवहन को रोकथाम को लेकर खनन विभाग के संयुक्त टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। जिला खनन पदाधिकारी ने कहा है कि किसी भी कीमत पर अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों को बख्सा नहीं जाएगा एवं अवैध कारोबारियों को जेल भेजा जाएगा।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र की कृति का लोकार्पण

भोपाल (ईएमएस)। प्रख्यात साहित्यकार एवं नर्मदा महाविद्यालय में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र की नवीन कृति 'डॉ. देवेंद्र दीपक विमर्श के विविध आयाम' का लोकार्पण दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय, भोपाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में दुष्यंत संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, संस्थापक माधवराव सप्रे संग्रहालय ने की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. देवेंद्र दीपक के शतायु कामना वर्ष का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार गोकुल सोनी ने किया। अपने उद्बोधन में संस्कृति मंत्री लोधी ने कहा कि डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र अपनी विशिष्ट व्याख्यान शैली।

बेलकूपी खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन

दुमकाःखेलो झारखंड प्रतियोगिता 2025 के तहत बेलकूपी खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बुधवार को दूसरे दिन खोखो प्रतियोगिता के अंडर 14 बालक वर्ग में उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुवन प्रथम स्थान पर रहा। अंडर 14 बालिका वर्ग में उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुवन ने प्रथम स्थान हासिल किया।अंडर 17 बालक वर्ग में प्लस टू हाईस्कूल जामा प्रथम स्थान पर रहा। अंडर 19 बालिका वर्ग में प्लस टू हाईस्कूल जामा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी खेल प्रतियोगिता में अंडर 14 बालिका वर्ग में उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुवन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि अंडर 14 बालक वर्ग में भी उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुवन प्रथम रहा। अंडर 17 बालक वर्ग में प्लस टू हाईस्कूल जामा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पूर्व प्रथम दिन लंबी कूद प्रतियोगिता अंडर/14 बालिका वर्ग में प्रीति हंसदा प्लस टू हाईस्कूल जामा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि हैश हंसदा यूएमएस दुधानी ने द्वितीय तथा मनीषा कुमारी केजीबीवी जामा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।अंडर-17 बालिका वर्ग में गीता कुमारी प्रथम ,हिना कुमारी द्वितीय, अमिता सोरेन तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे।जबकि अंडर 14, 100 मीटर रेस में बालक वर्ग में सूरज सोरेन. यु एम एस मधुबन प्रथम बुदिशल हंसदा-एमएस. तपसी द्वितीय स्थान प्राप्त किया।अंडर-17 100 मीटर रेस बालक वर्ग में अजय कुमार मंडल प्लस टू हाई स्कूल जामा ने प्रथम, बिताका हंसदा उत्क्रमित उच्च विद्यालय निश्चितपुर को द्वितीय एवं बिट्टू कुमार यू.एच.एस. चक्र पानी को तृतीय मुकेश कुमार यू.एम. एस. तपसी को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।अंडर-19 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता बालक वर्ग में राज करण कुमार उत्क्रमित हाई स्कूल ऊपर बहाल ,प्रथम एडविन हंसदा उत्क्रमित उच्च विद्यालय लकरापहाडी द्वितीय,प्रेम कुमार सोरेन. यूएमएस तपसी तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे। अंडर 14 बालक 200 मीटर वर्ग में सुमन कुमार उमवि मधुबन प्रथम, राहुल मरांडी मध्य विद्यालय जामा बालक द्वितीय एवं शिव शंकर उमवि मांगुरडीह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।अंडर 17 बालक 200 वर्ग में रमेश सोरेन प्लस टू हाईस्कूल जामा प्रथम,बिटिका हांसदा उहा स्कूल निश्चितपुर द्वितीय एवं सिन्टू कोल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।अंडर 19 बालक वर्ग में 200 मीटर दौड़ में राज करन कुमार मध्य विद्यालय उपरबहाल प्रथम, श्याम हेंब्रम मध्य विद्यालय मधुबन द्वितीय एवं अवधिन हांसदा उत्क्रमित मध्य विद्यालय लकड़ा पहाड़ी तृतीय स्थान प्राप्त किया। खेल प्रतियोगिता के अंत में अभी विजेता प्रतिभागियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर बीपीओ बिनोद कुमार, बीआरपी बीरेंद्र नारायण अंबष्ट, खेल शिक्षक पप्पू कुमार सहित सभी बीआरपी सीआरपी मौजूद थे।

कार्यकर्ता संकल्पों और सिद्धांतों के साथ भाजपा की विजय यात्रा में योगदान दें : रविन्द्र यति

भोपाल(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, जिला प्रभारी महेंद्र यादव ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। पूर्व में नेतागणों ने महापुरूषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया।भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने कहा कि भाजपा एक परिवार है और परिवार में बालक स्वयं की चिंता नहीं करता, उसकी चिंता अभिभावक करता है। उसी तरह मोर्चा कार्यकर्ता भी अपनी चिंता छोड़कर पार्टी की विचारधारा, संगठन और अपने काम की चिंता करना चाहिए। यदि आप पार्टी की चिंता करेंगे, तो आपकी चिंता पार्टी नेतृत्व करेगा। मोर्चा के कार्यकर्ता भाजपा संगठन की ऑक्सीजन हैं। कांग्रेस जैसी पार्टियां सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती हैं, इसके लिए मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा और विरोधियों को अपने मकसद में कामयाब नहीं होने देना है, ताकि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनने में कोई अड़चन न आए। कार्यकर्ता संकल्पों और सिद्धांतों के साथ भाजपा की विजय यात्रा में योगदान जारी रखें।भोपाल जिला प्रभारी महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश का लगातार विकास करते हुए भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि युद्ध के मोर्चों में जिस प्रकार विजय प्राप्त करने के बाद सेना अपने पड़ाव की ओर आगे बढ़ती जाती है, लेकिन बीते युद्धों का स्मरण भी हमेशा करती रहती है, ताकि आगे के युद्ध भी वह आसानी से जीतती रही। इसी प्रकार मोर्चा के कार्यकर्ता भी वर्ष 2023 के विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के ऐतिहासिक विजय के स्मरण के साथ आगे बढ़ते रहें और आने वाले समय में होने वाले किसी भी चुनाव में भाजपा की इस विजय यात्रा को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान देते रहें।बैठक में जिला महामंत्री जगदीश यादव, मोर्चो के जिला प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष मनोज राठौर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश सिंह, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष गीता प्रसाद माली, युवा मोर्चा अध्यक्ष अजय पाटीदार सहित मोर्चों के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया मत्स्य बीज प्रक्षेत्र पेवेलियन काम्पलेक्स गिरदावरी कार्य और रेशम केन्द्र का औचक निरीक्षण

नारायणपुर, (ईएमएस)। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं में जिले में संचालित मछली प्रजनन प्रक्षेत्र, क्रीड़ा परिसर में स्थित पेवेलियन काम्पलेक्स, देवगांव के किसानों का गिरदावरी कार्य और गोटाजम्हरी के रेशम केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण करते हुए मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित मछली प्रजनन प्रक्षेत्र का जायजा लिया। प्रक्षेत्र में स्थित मत्स्य बीज उत्पादन प्रकिया, मत्स्य बीज फ्राई व फिंगरलिंग का अवलोकन कर मछली बीज संबंधी विस्तृत जानकारी ली। मत्स्य पालन विभाग के सहायक संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि इस हैचरी में अधिकतर रोहू, कतला और मृगल प्रजाति के मछली बीज उत्पादन कर जिले के किसानों को उचित मूल्य में विक्रय किया जाता है। सहायक संचालक द्वारा मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में नर्सरी हेतु अन्य जगह में प्रक्षेत्र निर्माण हेतु स्थल मांग व समस्या से अवगत कराया गया एवं वर्तमान में कृषको की मत्स्य बीज अंगुलिका संचयन योजना में 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज का वितरण कार्य हेतु निर्देशित किया गया। मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में 1 ब्रुडर टैंक एवं 4 संवर्धन पोखर निर्मित है। वर्तमान में कृषको को अंगुलिका संचयन योजनान्तर्गत मछली बीज प्रदाय किया जा रहा है।उन्होंने मछली प्रजनन प्रक्षेत्र का निरीक्षण पश्चात् क्रीड़ा परिसर में स्थित पेवेलियन काम्पलेक्स का अवलोकन करते हुए जानकारी दिया कि युथ क्लब संचालित करने के दिशा में कार्य किये जाने हेतु कार्य योजना तैयार किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत एवं वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने देवगांव के किसानों के खेतों में किये जा रहे गिरदावरी कार्य का अवलोकन किया। खसरा नंबर 260/03 और 251/02 में स्थित घासीराम वड्डे, घस्सूराम वड्डे, रस्सूराम वड्डे और मस्सूराम वड्डे के खेतों में किये जा रहे फसल गिरदावरी कार्य का निरीक्षण कर राजस्व अमले को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसान रस्सूराम वड्डे से खाद खरीदने संबंधी जानकारी लेते हुए धान की फसल उत्पादन के बारे में भी जानकारी लिया। देवगांव के गिरदावरी निरीक्षण पश्चात् गोटाजम्हरी में संचालित रेशम केन्द्र पहुंचकर टसर कोसा एवं मलबरी कोसा से धागा निकालने संबंधी जानकारी लिया। निरीक्षण के दौरान नर्सरी में कार्य कर रही समूह की महिलाओं से कलेक्टर ने चर्चा की, महिलाओं ने नर्सरी में शौचालय और कोसा एकत्र करने के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण की मांग की, कलेक्टर ने भरोसा दिलाया कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के माध्यम से शीघ्र ही अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक संचालक रेशम नागेन्द्र कुमार पटेल जानकारी देते हुए बताया कि टसर कृमिपालन योजना के विस्तार हेतु वर्ष 2016-17 में मनरेगा योजना अन्तर्गत जिला प्रशासन नारायणपुर से ग्राम गोटाजम्हरी के 16 हेक्टेयर भूमि में टसर खाद्य पौधो अर्जुना के 65 हजार 500 नग पौधों का रोपण किया गया तथा 4 वर्ष तक उक्त पौधो का संधारण पश्चात् वर्ष 2020-21 से कृमिपालन कर टसर कोसा का उत्पादन स्थानीय हितग्राहियों का समूह गठन कर लगातार कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में टसर केन्द्र गोटाजम्हरी पर 2300 स्वस्थ डिम्ब समूह (कृमि अण्डे) का कृमिपालन कार्य कर 15 हितग्राहियों द्वारा 01 लाख 81 हजार 501 नग कोसाफल उत्पादन प्राप्त किया गया, जिसके विक्रय से प्रति हितग्राही को 39 हजार 574 रूपये अतिरिक्त आय के रूप में वार्षिक आमदनी अर्जित किया गया है तथा वर्ष 2025-26 में उक्त केन्द्र पर 15 हितग्राहियों द्वारा कृमिपालन कार्य किया जा रहा है और 01 से 1.20 लाख नग कोसाफल उत्पादन की संभावना है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सौरभ कश्यप, नायब तहसीलदार वेदप्रकाश साहू, सहायक संचालक मत्स्य पालन पुष्पा विनोदिया, सहायक संचालक रेशम नागेन्द्र कुमार पटेल उपस्थित थे।

खेलो झारखंड प्रतियोगिता के तहत प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

दुमकाःराज्य के सरकारी स्कूलों में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु बुधवार को बालक मध्य विद्यालय रामगढ़ के खेल मैदान में खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2025 के तहत प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बुधवार के खेल मे अंडर-19 बालक 3000 मी. दौड़ मे सोनातन टुडू, जित कोड़ा, रंजीत कोल, अंडर-17 मे ढेना टुडू अमीन हेंब्रम, अंडर-19 बालिका मे सुंदरी सोरेन,सुनीता हसदा,सोनामुनि मुर्मू, अंडर-17 मे शर्मिला टुडू,अंजलि टुडू, बसंती मरांडी ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया है।इन खेलो के अलाव अंडर 14, अंडर 17 व अंडर 19 आयु वर्ग के बालक व बालिका वर्ग के लिए 100 मी.,200 मी, 400मी, 800 मी रेस, रिले रेस, जेवलिन थ्रो, गोला फेक, डिस्कस थ्रो, लोंग जम्प, हाई जम्प के खेल सम्पन्न कराये गए। बता दें कि गुरुवार को कबड्डी, खोखो का आयोजन होगा। प्रखंड स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को क्रमशः जिला स्तर, प्रमंडल स्तर तथा राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान होगा। मौके पर कृष्ण कुमार मिश्रा प्रखंड साधन सेवी रामगढ़, नजीसूल हक प्रखंड साधन सेवी रामगढ़, आनंद एंथोनी बेसरा स.शि., हृदय कुमार मंडल स.शि., सुभाष चंद्र बास्की स.शि., वासिल टुडू स.शि., सुनील कुमार मुरमू स.शि., स्टीफन मुर्मू स.शि., प्रेम हेंब्रम स.शि., रोज लिली मुर्मू स.शि., मीनू मरांडी, हीरालाल राय व अमित कुमार रिसोर्स शिक्षक एवं अन्य उपस्थित थे।

सीएम सिक्योरिटी स्टाफ परिवार की ओर से आयोजित कथा-महापूजा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस)| मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री सिक्योरिटी स्टाफ परिवार की ओर से पवित्र श्रावण मास के अवसर पर आयोजित सत्यनारायण कथा-महापूजा में श्रद्धाभाव से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम.के. दास, सचिव डॉ. विक्रांत पांडेय और पुलिस अधीक्षक, सीएम सुरक्षा चिंतन तेरैया, उप पुलिस अधीक्षकों और मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारियों सहित कमांडो भी इस कथा श्रवण और पूजा-आरती में शामिल हुए।

कलेक्टर ने जावंगा एजुकेशन सिटी में चल रहे निर्माण कार्यो का लिया जायजा

दंतेवाड़ा,(ईएमएस)। एजुकेशन सिटी जावंगा को जिले में शिक्षा हब की संज्ञा दी जाती है अब यहां मूलभूत खेल सुविधाएं और अधोसंरचना विकसित कर इसे एक स्पोर्ट्स सिटी रूप देने का जिला प्रशासन की ओर से विशेष पहल की जा रही है। इन सुविधाओं की बदौलत स्थानीय स्तर के खिलाड़ियों को सर्व सुविधा युक्त खेल परिसर मिलेगा। इसके अलावा वे अपने पसंदीदा खेल को परिष्कृत कर उसमें पारगंत होने में भी शुरुआती मदद मिलेगी। इस क्रम में जिला प्रशासन द्वारा यहां क्रिकेट स्टेडियम, आर्चरी रेंज, खेल मानकों के अनुसार स्वीमिंग पूल, का निर्माण किया जा रहा है। आज इस संबंध में कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम, स्विमिंग पूल, आर्चरी रेंज (तीरंदाजी) का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने क्रिकेट स्टेडियम में षेड, पवेलियन, गैलरी, बाउंड्री वॉल निर्माण, स्टेडियम में लाइटिंग व्यवस्था के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एस पी कॉलेज दुमका में यूजी सेमेस्टर 1 सत्र 2025 - 29 के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का परिचयात्मक सत्र का हुआ आयोजन

दुमकाःसंताल परगना महाविद्यालय सदैव से ज्ञान, संस्कृति और अनुशासन का केंद्र रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय में प्रतिवर्ष स्नातक स्तर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए परिचय सत्र का आयोजन किया जाता है। यह सत्र केवल एक औपचारिकता भर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को महाविद्यालय के वातावरण, शैक्षणिक गतिविधियों और विभिन्न अवसरों से अवगत कराने का माध्यम है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी यादव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल पाठ्यपुस्तक ज्ञान का स्थल नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता के विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाने का भी केंद्र है। इसके पश्चात विभिन्न विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विषयों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होंने पाठ्यक्रम की संरचना, परीक्षाओं की प्रणाली तथा अनुसंधान एवं अध्ययन की संभावनाओं के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही विद्यार्थियों को पुस्तकालय, प्रयोगशाला और ई-लर्निंग सुविधाओं से परिचित कराया गया। सत्र में महाविद्यालय के एन.एस.एस., एन.सी.सी. तथा सांस्कृतिक मंचों की गतिविधियों के बारे में भी बताया गया। विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि वे केवल पढ़ाई तक सीमित न रहें, बल्कि खेलकूद, साहित्य, कला एवं सामाजिक सेवा में भी सक्रिय भागीदारी करें। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने भी नवागंतुकों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय जीवन से जुड़ी अपनी अनुभव-साझेदारी प्रस्तुत की। इससे नए विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिली कि किस प्रकार वे समय प्रबंधन और आत्मअनुशासन के माध्यम से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के मंच संचालन हिंदी विभाग के विद्वान शिक्षक डॉ यदुवंश यादव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन इतिहास के विद्वान शिक्षक डॉ कमल शिवकांत हरि द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें सभी को यह संदेश दिया गया कि महाविद्यालय की सफलता तभी संभव है जब प्रत्येक विद्यार्थी अपनी जिम्मेदारी को समझे और समर्पित भाव से शिक्षा तथा अन्य गतिविधियों में भाग ले। कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी सह रसायन विज्ञान विभाग के डॉ कुमार सौरभ ने कहा कि यह परिचय सत्र नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरक और मार्गदर्शक अवसर सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी इस कार्यक्रम से न केवल महाविद्यालय की सुविधाओं और अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे, बल्कि यह भी अनुभव करेंगे कि यह संस्थान उनके सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। इस आयोजन ने विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास, उत्साह और एक नई ऊर्जा का संचार किया, जिससे वे अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत सकारात्मक और उज्ज्वल दृष्टिकोण के साथ कर सकें।

सीएम नीतीश ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को दी डीबीटी से राहत राशि

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से बाढ़ प्रभावित परिवारों को डीबीटी के माध्यम से राहत राशि का भुगतान शुरू किया। इसके तहत 12 जिलों के 6 लाख 51 हजार 602 परिवारों को प्रति परिवार 7000 रुपये की दर से कुल 456 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी गई। विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि अगस्त माह में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि होने से भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी। इसके अलावा नालंदा जिले के कुछ प्रखंडों में भी बाढ़ आई। कुल 12 जिलों के 66 प्रखंडों की लगभग 38 लाख आबादी प्रभावित हुई है। अब तक बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच 2.19 लाख पॉलिथीन शीट और 57 हजार 639 ड्राई राशन पैकेट बांटे गए हैं। 14 बाढ़ राहत शिविर चल रहे हैं, जिनमें करीब 15 हजार लोग ठहरे हैं। सामुदायिक रसोई केंद्रों में अब तक 85 लाख से अधिक लोग भोजन कर चुके हैं। शिविरों में मानव और पशु चिकित्सा की भी व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 अगस्त को बाढ़ प्रभावित जिलों की समीक्षा बैठक की गई थी और 14 अगस्त को हवाई सर्वेक्षण किया गया था। अधिकारियों को राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज तय समय सीमा के भीतर प्रभावित परिवारों को आनुग्रहिक राहत राशि का भुगतान शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए कहा कि सितंबर माह में भी नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। इसलिए पूरी तत्परता से स्थिति पर नजर रखें और पीड़ित लोगों की संवेदनशीलता के साथ मदद करें। उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला अधिकार है।इस अवसर पर आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, डॉ. एस. सिद्धार्थ, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार और कुमार रवि, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रभावित जिलों के जिलाधिकारी भी कार्यक्रम से जुड़े।

पीएम नरेंद्र मोदी के गया जी आगमन को लेकर रेल प्रशासन अलर्ट, डीआरएम ने तैयारियों का लिया जायजा

गया जी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 अगस्त को प्रस्तावित गया जी दौरे को लेकर रेल प्रशासन अलर्ट मोड में है। सुरक्षा के मद्देनजर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरती जा रही है। इस दौरान पीएम गया जंक्शन से दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। बुधवार को डीडीयू मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीणा गया जंक्शन पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर गया जंक्शन के रेल अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। डीआरएम ने उद्घाटन समारोह की तैयारियों के साथ-साथ स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। गौरतलब है कि करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से गया जंक्शन को विश्वस्तरीय स्वरूप देने का काम चल रहा है। डीआरएम उदय सिंह मीणा ने बताया कि भारत सरकार और भारतीय रेल लगातार यात्रियों के लिए नई सौगातें दे रही है। उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गया से गया-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और कोडरमा-वैशाली मेमू ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि गया जंक्शन के साथ-साथ अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी-ऑन-सोन, सासाराम, भभुआ और दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) पर भी उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। डीआरएम ने कहा कि नई दिल्ली के लिए शुरू की जा रही अमृत भारत एक्सप्रेस 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। यह नॉन-एसी ट्रेन होगी, लेकिन इसमें यात्रियों को एसी जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बिहार से बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग और छात्र दिल्ली आते-जाते हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन की शुरुआत की जा रही है। इसके अलावा बुद्ध सर्किट के तहत बड़ी संख्या में गया आने वाले सैलानियों की सुविधा को भी ध्यान में रखा गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

बहन के अफेयर से नाराज भाईयों ने प्रेमी की बेरहमी से कर दी हत्या

पटना,(ईएमएस)। पटना में बहन के अफेयर से भाई इतने नाराज हुए कि उन्होंने उसके प्रेमी की हत्या कर दी। वारदात दीदारगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर फतेहपुर के बीच सीताराम राजेंद्र कॉलेज के पास की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को प्रेमी की लाश खेत में मिली। मंगलवार को पुलिस ने मामले का खुलासा किया।पुलिस के मुताबिक जांच में पता चला कि हत्या प्रेम प्रसंग के चलते की गई है। लड़की के दो भाइयों ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर चाकू, छेनी से गोदकर बहन के प्रेमी मोहम्मद शहजादा (30) की हत्या कर दी। आंख फोड़कर, सिर पर कई वार करने के बाद युवक का गला काटा था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चापड़, छेनी, चाकू, सलाई रिंच बरामद कर ली है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मृतक ई रिक्शा चलाता था।पुलिस ने बताया कि एक आरोपी ने बर्थ-डे पार्टी में जाने के लिए शहजादा का ई रिक्शा बुक किया था। वह उसे पुनपुन सुरक्षा बांध के पास सुनसान जगह पर ले गया। यही शहजादा की हत्या की गई। आरोपियों ने हथियार को एक कार्टन में पैक किया था। इसी में हथियार छिपाकर लेकर गए थे। 18 अगस्त को लोगों ने सड़क किनारे पानी में एक शव को तैरता देखा। घटनास्थल से पुलिस को एक छेनी, धारदार चॉपर और पाइप सलाई रिंच जैसे औजार मिले हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही थी कि धारदार हथियारों से वार कर युवक की हत्या की गई है। इसके अलावा मौके से एक टोटो और हवाई चप्पल भी बरामद हुई थी। इसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। दीदारगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस वहां पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। शव की पहचान होने के बाद घटना के विरोध में लोगों ने आगजनी कर जमकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन कर रहे लोग अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

शराब बनाने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला, कई पुलिसकर्मी घायल

बगहा,(ईएमएस)। पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के धनगढ़िया गांव में शराब बनने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर मंगलवार रात महिलाओं ने हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस वाहन को शीशे टूट गए। शीशा टूटने से सिपाही नीरज कुमार राय, मंटू कुमार और महिला सिपाही गुंजा को मामूली चोटें आईं हैं। पुलिस को मौके से शराब के पांच पाउच मिले। जिसे आरोपी महिला वाल्मीकि देवी ने महिलाओं के साथ मिलकर नष्ट कर दिया और लाठी-डंडे से वाहन में तोड़फोड़ की। पुलिस मामला दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

बिहार में राहुल गांधी को समर्थकों ने बताया जननायक, मंत्री चौधरी ने कसा तंज

पटना,(ईएमएस)। राहुल गांधी इन दिनों बिहार में यात्रा निकला रहे हैं, जहां वह एसआईआर में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग और एनडीए सरकार पर निशाना साध रहे हैं। उनके समर्थक उत्साहित होकर राहुल गांधी को जननायक बता रहे हैं, जिससे बिहार की सियासत गर्मा गई है। अब सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय चौधरी ने इस पर तंज कसा है।मंत्री चौधरी ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि आज कैसे-कैसे लोग हैं जो जननायक का मतलब नहीं समझते हैं और उनकी तुलना किसी से भी कर देते हैं। राहुल गांधी को उनके समर्थक जननायक कह रहे हैं, इसका मतलब तो यह है कि राहुल गांधी बिहार में जननायक बन गए हैं। थोड़ा इंतजार कीजिए, कहीं ऐसा न हो कि राहुल गांधी दिल्ली जाते-जाते राष्ट्रपिता ना बन जाएं। चौधरी ने कहा कि एसआईआर पर पूरी तस्वीर चुनाव आयोग ने साफ कर दी है, इसके बावजूद राहुल गांधी बिहार में एसआईआर का मुद्दा उठाते घूम रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआईआर को लेकर जो बातें कही हैं, उनके बाद भी राहुल गांधी लक्ष्यहीन यात्रा कर रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी का बिहार दौरा एनडीए के लिए बेहद लाभदायक होने वाला है क्योंकि जितने दिनों तक राहुल गांधी बिहार में रहेंगे, एनडीए के लिए उतना ही शुभ होगा और एनडीए जीत के प्रति और ज्यादा आश्वस्त रहेगी।जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर तो बहाना है, जन नायक कर्पूरी ठाकुर को निपटना है। नीरज ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस के ऑफिशियल ट्वीट से जन नायक बताया गया है। जन नायक का अपमान करने की परम्परा लालू प्रसाद से शुरू की गई थी और आज भी जन नायक कर्पूरी ठाकुर का अपमान किया जा रहा है। नीरज ने आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव कर्पूरी ठाकुर का अपमान करेंगे, जो बरदाश्त नहीं किया जाएगा। राहुल गांधी माफी मांगें कि उन्होंने अपने को कैसे जननायक घोषित करवा दिया। गठबंधन के लिए लालू प्रसाद जन नायक का अपमान बर्दाश्त कर रहे हैं।

गोपालगंज में डूबने से दो मासूम भाई-बहन की मौत

गोपालगंज : गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के करिया पूरब टोला गांव में मंगलवार देर शाम ईंट-भट्ठा के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतक बच्चों की पहचान सिपाही लाल प्रसाद के पांच वर्षीय पुत्र राजन कुमार और सात वर्षीय पुत्री सिंपल कुमारी के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई-बहन थे। परिजनों ने बताया कि बच्चे खेलने के लिए घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान गांव के बीचोबीच स्थित राजेंद्र सिंह के ईंट-भट्ठा के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में पानी भरा था। खेलते-खेलते दोनों बच्चे उसी गड्ढे में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव पुलिस को सौंपने से इनकार कर दिया और ईंट-भट्ठा बंद कर संचालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही सदर एसडीएम अनिल कुमार और नगर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार प्रभाकर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद प्रशासन ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। एसडीएम अनिल कुमार ने बताया कि अवैध तरीके से मिट्टी की कटाई कर गड्ढा बनाया गया था, जिसमें पानी भर जाने से यह हादसा हुआ।

निजी क्लिनिक में प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

नालंदा : नालंदा के बैगनाबाद मोहल्ला स्थित एक निजी प्रसव केंद्र में बुधवार को प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मृतका की पहचान सारे थाना क्षेत्र के झरहा गांव निवासी राजकुमार यादव की 22 वर्षीय पत्नी किरण देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने आरोप लगाया कि बैगनाबाद स्थित दिव्या ज्योति प्रसव केंद्र की संचालिका एएनएम सुमन कुमारी ने किरण देवी को भर्ती कर नॉर्मल डिलीवरी की बात कही थी। तीन घंटे बाद बताया गया कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इसके बाद महिला की स्थिति बिगड़ गई। इसी बीच क्लिनिक में मोबाइल चोरी होने की अफवाह फैलाई गई और लगभग एक घंटे का समय इसी में निकल गया। बाद में एक एंबुलेंस बुलाकर परिजनों से कहा गया कि मरीज को कहीं और ले जाएं। परिजन जब किरण देवी को दूसरे निजी क्लिनिक लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जब परिजन वापस दिव्या ज्योति क्लिनिक लौटे तो पाया कि क्लिनिक बंद था और संचालिका समेत पूरा स्टाफ फरार हो चुका था। महिला की मौत की सूचना परिजनों और स्थानीय लोगों ने क्लिनिक पहुंचकर जमकर हंगामा किया। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।बिहार थाना प्रभारी सम्राट दीपक ने बताया कि मृतका के पति ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सांसद पप्पू यादव ने नोट बांटी, जदयू विधायक ने नाव चलाई, कटिहार की बाढ़ त्रासदी बनी चुनावी अखाड़ा

कटिहार : बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले बाढ़ की त्रासदी भी सियासी रंग लेने लगी है। कटिहार जिले के बरारी, मनिहारी, कुर्सेला, अमदाबाद और प्राणपुर प्रखंड के कई इलाके अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। हजारों लोग सुरक्षित ठिकानों पर शरण लिए हुए हैं और सरकारी मदद का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इस आपदा के बीच राजनीतिक दलों के नेताओं का राहत अभियान स्टंट में बदलता नजर आ रहा है। कुर्सेला प्रखंड में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अलग ही अंदाज में दिखाई दिए। कभी हेलिकॉप्टर से पहुंचने वाले पप्पू यादव इस बार मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे और लोगों के बीच नोटों की बारिश करने लगे। यह नजारा कैमरे में कैद होते ही चर्चा का विषय बन गया। वहीं बरारी में जदयू विधायक विजय सिंह खुद नाव खेते हुए बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचे।

29 अगस्त को गोपालगंज पहुंचेगी राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा, तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे नेता

गोपालगंज : आगामी 29 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा के तहत नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी और भाकपा (माले) महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य सहित महागठबंधन के तमाम नेता गोपालगंज पहुंचेंगे। इनके स्वागत की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसको लेकर प्रदेश द्वारा गठित तैयारी समिति की बैठक बुधवार को समिति अध्यक्ष एवं राजद जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तय किया गया कि नेताओं का स्वागत जिले की सीमा पर स्थित मंगलपुर मोड़ पर किया जाएगा। इसके अलावा पूरे शहर को बैनर, पोस्टर और तोरण द्वार से सजाया जाएगा। राजद जिलाध्यक्ष ने बताया कि यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव और राहुल गांधी सरेया स्थित गांधी कॉलेज के खेल मैदान से रोड शो की शुरुआत करेंगे और पूरे शहर में आम जनता से मुलाकात करेंगे। बैठक में राजद विधायक राजेश सिंह कुशवाहा, प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो, प्रदेश सचिव अरविंद कुमार पप्पू, मोहन प्रसाद गुप्ता, सुनील कुमार बारी, पिंटू पांडेय, संतोष यादव, सुनीता यादव, बिट्टू चौरसिया, सुरेश चौधरी सहित कई नेता उपस्थित रहे।

बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्करों का खेल जारी दानापुर में जीआरपी की बड़ी कार्रवाई, 14 गिरफ्तार

दानापुर : दानापुर रेल मंडल में बुधवार को जीआरपी ने शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी कर रहे 14 लोगों को गिरफ्तार किया। दानापुर स्टेशन पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए रेल एसपी अमृतेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि "ऑपरेशन रेड" और "ऑपरेशन क्लीन" के तहत रेल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कार्रवाई के दौरान ब्रम्हपुत्र मेल से दानापुर पहुंचे चार तस्करों से 29.8 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। आरा स्टेशन पर चार आरोपियों के पास से 63.6 लीटर शराब मिली। बक्सर में कुम्भ एक्सप्रेस से उतरे एक तस्कर से 3.75 लीटर शराब जब्त हुई। इसके अलावा बख्तियारपुर और मोकामा से एक-एक तस्कर तथा पटना जंक्शन से दो तस्करों को पकड़ा गया। इस तरह कुल 14 तस्करों के पास से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई। इसी दौरान दानापुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या–1 से जीआरपी ने दो मोबाइल चोरों को भी गिरफ्तार किया। रेल पुलिस के अनुसार, यूपी से लगातार ट्रेन के जरिए शराब की खेप बिहार लाई जा रही थी, जिस पर अब नकेल कसी जा रही है। इसके बावजूद, शराबबंदी के सख्त कानूनों के बीच शराब माफियाओं का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा।

लखीसराय में बैनर फाड़ने को लेकर बवाल, महागठबंधन और बीजेपी आमने-सामने

लखीसराय : लखीसराय शहर के विद्यापीठ चौक पर मंगलवार को महागठबंधन और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हंगामा हो गया। मामला महागठबंधन द्वारा लगाए गए वोटर अधिकार यात्रा के बैनर फाड़े जाने से जुड़ा है। घटना की जानकारी मिलते ही राजद के विधान पार्षद अजय कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और इस मामले के लिए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया। इधर, उसी स्थान पर पथ निर्माण विभाग की ओर से करीब 70 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम होना तय था। इसमें उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और मंत्री नितिन नवीन की मौजूदगी प्रस्तावित थी। कार्यक्रम का महागठबंधन ने विरोध जताया। राजद एमएलसी अजय कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि "विजय कुमार सिन्हा के कार्यकर्ता लोकतांत्रिक परंपराओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। बैनर फाड़ना उनकी हताशा और हार के डर को दिखाता है। बढ़ते विवाद और संभावित टकराव को देखते हुए प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लखीसराय में इस घटनाक्रम से राजनीतिक माहौल और गरमा गया है।

भागलपुर की बेटी नमिता ने माउंट एल्ब्रस पर फहराया तिरंगा

भागलपुर : साहस और दृढ़ संकल्प का अद्भुत परिचय देते हुए, बिहार के भागलपुर जिले की बेटी नमिता कुमारी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर तिरंगा फहराया और पूरे देश को गौरवान्वित किया। 16 अगस्त की सुबह 5:20 बजे, नमिता ने यह चुनौतीपूर्ण अभियान पूरा किया। फिलहाल वे पटना स्थित बिहार ग्रामीण बैंक की करबिगहिया शाखा में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। नमिता भागलपुर के इशाकचक निवासी त्रिभुवन पांडेय और चिंता देवी की सबसे छोटी पुत्री हैं। अपनी इस ऐतिहासिक सफलता पर उन्होंने कहा कि यह पल न सिर्फ उनके परिवार और राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। नमिता ने बताया कि माउंट एल्ब्रस, जो दक्षिण-पश्चिमी रूस की काकेशस पर्वत श्रृंखला में स्थित एक सुप्त ज्वालामुखी है, उस पर चढ़ाई करना बेहद कठिन अनुभव रहा। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने 2022 में हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई), दार्जिलिंग से लिए गए पर्वतारोहण प्रशिक्षण को दिया। वे अब तक कई प्रमुख अभियानों में हिस्सा ले चुकी हैं, जिनमें युनम पीक (6,100 मीटर), एवरेस्ट बेस कैंप (5,364 मीटर), अन्नपूर्णा बेस कैंप (4,130 मीटर), फ्रेंडशिप पीक (5,287 मीटर), रेनोक पीक (5,025 मीटर), चादर ट्रेक और केदारकंठा ट्रैक शामिल हैं। नमिता ने कहा कि माउंट एल्ब्रस पर तिरंगा फहराना केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बिहार की उन असंख्य बेटियों के लिए प्रेरणा है जो सामाजिक बाधाओं को पार कर अपनी पहचान बनाना चाहती हैं।

मधुबनी में बेखौफ अपराधियों ने पीएनबी बैंक एटीएम लूटने का किया प्रयास, हुए असफल

मधुबनी : मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े एटीएम लूट की कोशिश की गई। अंबेडकर चौक के निकट पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के एटीएम में चार नकाबपोश अपराधी पिस्टल से लैस होकर घुस गए और कैशियर से रुपये लूटने का प्रयास किया। हालांकि कैशियर व बैंक कर्मियों की सूझबूझ और प्रतिकार से अपराधी अपने मंसूबे में नाकाम रहे और हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, बैंक कैशियर लगभग तीन लाख रुपये लेकर एटीएम में कैश डालने पहुंचे थे। इस दौरान आधा शटर बंद कर कैश डालने की प्रक्रिया चल रही थी कि तभी एक नकाबपोश अपराधी ने अचानक शटर उठाकर अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पीछे से तीन अन्य अपराधी भी हथियारों के साथ आ धमके। एटीएम के अंदर मौजूद कैशियर और कर्मियों ने विरोध किया, जिससे झड़प की स्थिति बन गई। इसी बीच एटीएम का शीशे का दरवाजा टूट गया। आवाज सुनते ही आसपास के दुकानदार सजग हो गए और एटीएम के पास लोगों की भीड़ जुटने लगी। भीड़ को देखकर अपराधी पिस्टल लहराते हुए दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर पश्चिम दिशा की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बेनीपट्टी थानाध्यक्ष शिवशरण साह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बाद में एसपी योगेंद्र कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एटीएम में कैश डाल रहे कैशियर से रुपये लूटने की कोशिश चार नकाबपोश युवकों ने की, लेकिन भीड़ जुट जाने के कारण सभी भाग निकले। पुलिस टीम ने अपराधियों का पीछा किया, लेकिन वे फरार हो गए। कुछ अहम साक्ष्य मिले हैं, जिनके आधार पर अपराधियों की गिरफ्तारी बहुत जल्द की जाएगी और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। घटना के बाद एटीएम व बैंक परिसर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

जनाक्रोश से सामने झुकी सैनी सरकार, शिक्षिका मनीषा की मौत की जांच सीबीआई को सौंपी

गुरुग्राम,(ईएमएस)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा की मौत के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। यह फैसला व्यापक जनाक्रोश और पीड़ित परिवार की मांग के बाद लिया गया है। दरअसल 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थीं। उनका शव 13 अगस्त को भिवानी के एक खेत में मिला। पुलिस ने शुरुआत में दावा किया कि मनीषा ने जहर खाकर आत्महत्या की है। पुलिस को शव के पास एक सुसाइड नोट भी मिला था। मनीषा के पिता संजय ने पुलिस के निष्कर्ष को खारिज कर कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने न्याय की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से भी मना किया था। इस मामले को लेकर भिवानी और आसपास के इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया और सीबीआई जांच की मांग की। विपक्षी दलों ने भी मामले में हरियाणा सरकार की आलोचना कर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पोस्ट में बताया कि परिवार की मांग के आधार पर यह मामला अब सीबीआई को सौंपा जा रहा है ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। इससे पहले, मंगलवार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिवानी और चरखी दादरी जिलों में 48 घंटों के लिए मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।

यह विधेयक कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट देता है : ओवैसी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मोदी सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार के इस कदम को असंवैधानिक करार देकर भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी।
ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है, यह विधेयक इस अधिकार के खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने कहा कि यह विधेयक पूर्णता असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार विधेयकों के द्वारा हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करने वाले हैं, भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती। इस बीच, शाह बुधवार लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए। जिसमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों से हिरासत में लिए गए केंद्रीय या राज्य मंत्री को हटाने का प्रावधान करता है।

बाबा भीख मांगना बंद कर दीजिए, अगर मांगना है तो भगवान से मांगो

मथुरा,(ईएमएस)। यमुना के जलस्तर का जायजा लेने गए मथुरा के डीएम सीपी सिंह का एक वीडियो वायरल हो रहा है। उन्होंने केशी घाट पर भीख मांग रहे भिखारियों को न सिर्फ समझाया, बल्कि उनसे विनम्रता से अपील की कि वे भीख मांगना छोड़कर कोई दूसरा काम करें। उन्होंने एक बुजुर्ग भिखारी से कहा कि बाबा भीख मांगना बंद कर दीजिए, अगर कुछ मांगना है तो भगवान से मांगिए। बता दें मथुरा में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। डीएम सीपी सिंह यमुना किनारे के इलाकों का निरीक्षण कर रहे थे। जब वह केशी घाट पर लौटे तो उन्होंने कुछ भिखारियों को भीख मांगते देखा। उन्होंने उनसे बात की एक भिखारी ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और पिछले एक साल से वृंदावन में रह कर भीख मांग कर पेट भर रहा है। डीएम ने उससे पूछा कि कहीं कोई ऐसा व्यक्ति तो नहीं जो शाम को उससे भीख का पैसा लेता हो। भिखारी ने इससे साफ इनकार कर दिया। डीएम ने भिखारी से कहा कि वृंदावन में रहकर भीख मत मांगों। उन्होंने उससे विनती की कि वह कोई और काम करे। इसके बाद, डीएम का काफिला वहां से चला गया। इस बीच यमुना में बढ़ते जलस्तर के कारण मथुरा के ग्रामीण इलाकों और निचले इलाकों में हड़कंप मच गया है। यमुना में बाढ़ की आशंका के चलते आधा दर्जन गांवों को खाली कराया गया है और मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने लोगों से गहरे पानी से दूर रहने की अपील की है। यमुना में तेज बहाव के कारण जयसिंहपुरा खादर इलाके में पानी पहुंच गया है।

गोनूरू में मिला लापता छात्रा का अधजला शव, दुष्कर्म कर हत्या की आशंका

चित्रदुर्ग,(ईएमएस)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक कॉलेज छात्रा की नृशंस हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी है। यहां के गोनूरू में 20 साल की छात्रा वर्षिता का अधजला शव मिलने से हड़कंप मच गया। राजकीय महिला प्रथम श्रेणी महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा वर्षिता 14 अगस्त को अपने हॉस्टल से निकलने के बाद वह लापता हो गई थी, जब माता-पिता को उसकी मौत की सूचना मिली, तो वे गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने आए उसकी मौत की खबर सुनते ही वे सदमे में डूब गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को शक है कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसके बाद उसकी हत्या की गई है। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए, उसके शव को आग लगा दी गई। हालांकि शव पूरी तरह जला नहीं था। ग्रामीण पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस उपाधीक्षक दिनाकर और पुलिस निरीक्षक मुद्दु राज ने जांच जारी रखते हुए अस्पताल का दौरा किया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

नांदेड़ जिले में बाढ़ग्रस्त सड़क पर बहने से तीन लोगों की मौत

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में भारी बारिश के बाद बाढ़ग्रस्त सड़क पर बहने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक लापता हो गया। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि मुखेड़-उदगीर रोड पर देर रात करीब एक बजकर 40 मिनट पर हुई घटना में तीन अन्य लोगों को बचाया गया है। इन दिनों महाराष्ट्र में भारी बारिश ने जिले में कहर बरपाया है। यहां दो अलग-अलग वाहनों में सवार कुल सात लोग बाढ़ग्रस्त सड़क पर बह गए। बचाव दल तीन लोगों को बचाने में सफल रहा, लेकिन चार लापता हैं। यहां अधिकारी ने बताया कि बचाव दल ने बाद में तीन लोगों के शव बरामद किए है। अधिकारी ने बताया कि उनकी पहचान तेलंगाना निवासी समीना शेख (48), हसीना शेख (29) और नांदेड़ के देगलूर निवासी महबूब शेख के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना की आफरीन शेख नामक एक अन्य महिला अब भी लापता है और उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि बीते दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण जिले के कई गांव जलमग्न हो गए हैं और अब तक 293 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

हरियाणा में साइबर अपराध के खिलाफ 91 बैंक शाखाओं पर एक्शन की तैयारी में

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर प्रदेश की 91 बैंक शाखाओं की पहचान हुई है, यहां साइबर अपराधी कथित म्यूल अकाउंट के द्वारा भारी लेन-देन कर रहे हैं। इसमें गुरुग्राम की 26 और नूंह की 24 शाखाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दरअसल म्यूल अकाउंट ऐसा बैंक खाता होता है जिसका इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। पुलिस के अनुसार, इन शाखाओं में बैंक केवाईसी नियमों की अनदेखी, खाते खोलने में प्रक्रियागत लापरवाही और बैंककर्मियों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में जुटी पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध की विशेष टीमें इन शाखाओं के रिकॉर्ड खंगाल रही हैं। करनाल और यमुनानगर में छापेमारी की गई, जहां एक बंद पड़ी कंपनी के चालू खाते से मार्च के बाद भी 43 लाख रुपये के लेनदेन मिले है। इस खाते पर देशभर में आठ शिकायतें दर्ज हैं। वहीं, एक अन्य फर्जी पते पर खोले गए खाते से तीन माह में दो करोड़ का लेनदेन हुआ, जिस पर 33 शिकायतें हैं। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने बताया कि साइबर ठगी रोकने के लिए सख्त रणनीति बनाई गई है।

इंडिया ब्लॉक ने बी सुदर्शन को उतारकर उपराष्ट्रपति चुनाव को बना दिया दिलचस्प

लोकसभा-राज्यसभा में कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में करेंगे मतदान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। उपराष्ट्रपति चुनाव की घोषणा के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। सत्ताधारी एनडीए ने तमिलनाडु के सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को संयुक्त उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। विपक्ष ने इसे "विचारधारा की लड़ाई" बताया है और सुदर्शन रेड्डी को सामाजिक न्याय का चेहरा पेश करने की कवायद शुरू कर दी है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बी. सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से ताल्लुक रखते हैं और कभी किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी, एनसीपी और आम आदमी पार्टी समेत इंडिया ब्लॉक उनके साथ खड़ा है। 2022 में वोटिंग से दूरी बनाने वाली ममता बनर्जी की पार्टी भी इस बार पूरी मजबूती के साथ विपक्षी उम्मीदवार के समर्थन में है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल उपराष्ट्रपति पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संविधान बनाम आरएसएस की लड़ाई है। एनडीए के पास संख्याबल ज्यादा है, लेकिन विपक्ष ने जिस तरह गैर-राजनीतिक चेहरा उतारा है, उसने कई दलों को धर्मसंकट में डाल दिया है। आंध्र प्रदेश में सत्ता पर काबिज चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है, क्योंकि सुदर्शन रेड्डी का संबंध तेलुगू क्षेत्र से है। तेलंगाना की बीआरएस भी कशमकश में है। पार्टी ने सरकार का कई बार समर्थन किया है, लेकिन विपक्षी उम्मीदवार के स्थानीय होने से उस पर दबाव बढ़ा है। वहीं, बीजेडी ने अभी पत्ते नहीं खोले, लेकिन 2024 के बाद से बीजेपी से उसकी दूरी बढ़ गई है। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करेंगे। जीत के लिए 392 वोट चाहिए। फिलहाल एनडीए के पास करीब 418 सांसदों का समर्थन है, यानी जरुरी संख्या से 26 वोट ज्यादा। हालांकि, वाईएसआर कांग्रेस (7 सांसद), बीआरएस (4 सांसद), बीजेडी (12 सांसद) और कुछ निर्दलीय दलों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। बता दें 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे, जबकि विपक्ष की मार्गरेट अल्वा को केवल 182 वोट ही मिले थे, लेकिन मौजूदा चुनाव में विपक्ष की स्थिति पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है और गैर-राजनीतिक चेहरे ने मुकाबले को और भी रोचक बना दिया है। एनडीए अपने उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के जरिए दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में पैठ जमाने की कोशिश कर रहा है। वहीं, विपक्ष सुदर्शन रेड्डी को उतारकर न सिर्फ तेलंगाना-आंध्र की राजनीति साधना चाहता है, बल्कि यह संदेश भी देना चाहता है कि यह चुनाव विचारधारा और सामाजिक न्याय की जंग है। अब सबकी नजर इस पर है कि सहयोगी और तटस्थ दल किस तरफ झुकते हैं। क्या वे एनडीए की मजबूती को और बढ़ाएंगे या विपक्ष के "सुदर्शन चक्र" में फंसकर पाला बदल लेंगे?

रहस्यमयी तरीके से लापता हुई अर्चना के मामले में जांच के दायरे में कॉन्स्टेबल तोमर

ग्वालियर,(ईएमएस)। इंदौर से कटनी के लिए ट्रेन से रवाना हुई और रहस्यमयी तरीके से लापता हुई अर्चना तिवारी आखिरकार 12 दिन बाद लखीमपुर खीरी से बरामद कर ली गई। हालांकि उसकी बरामदगी के बाद भी मामले की कई गुत्थियां अनसुलझी हैं। इस मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) ने पुलिस को ग्वालियर तक पहुंचाया, जहां तैनात एक कॉन्स्टेबल राम तोमर जांच के दायर में आ गया।
पुलिस पूछताछ में कॉन्स्टेबल तोमर ने स्वीकार किया कि वहां अर्चना से पिछले डेढ़ साल से फोन पर बातचीत करता रहा, लेकिन तोमर ने दावा किया कि वह कभी उससे निजी तौर पर नहीं मिला। तोमर ने बताया कि उसने केवल बस का टिकट बुक कराया था, ट्रेन यात्रा से उसका कोई लेना-देना नहीं है। तोमर ने कहा कि युवती की गुमशुदगी में उसकी कोई भूमिका नहीं है। जीआरपी अभी भी उससे पूछताछ कर रही है।
अर्चना इंदौर के एक हॉस्टल में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही थी। 7 अगस्त को वहां रक्षाबंधन मनाने कटनी के लिए रवाना हुई। उसके पास इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस की एसी कोच बी3 में रिजर्वेशन था। सीसीटीवी फुटेज में वह ऑरेंज रंग की ड्रेस में स्टेशन पर दिखी। रात करीब 10 बजे उसकी चाची से अंतिम बार बात हुई, जब उसने बताया कि वह भोपाल के पास है। लेकिन 8 अगस्त की सुबह जब ट्रेन कटनी स्टेशन पहुंची, तब अर्चना वहां नहीं उतरी। उमरिया स्टेशन पर उसके बैग में राखी,गिफ्ट और निजी सामान जरूर मिला, लेकिन वह खुद गायब थी। मोबाइल भी स्विच ऑफ था। इस घटना ने परिवार और समाज में हड़कंप मचा दिया। लेकिन जांच में सामने आया कि ग्वालियर का कॉन्स्टेबल तोमर उससे संपर्क में था और बस का टिकट बुक कराया था। सवाल यह है कि जब टिकट बस का था, तब अर्चना ने ट्रेन से यात्रा क्यों की? भोपाल, रानी कमलापति और नर्मदापुरम स्टेशन के सीसीटीवी खंगाले गए, लेकिन अर्चना का कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला।
नर्मदा नदी तक सर्चिंग करवाई गई, लेकिन परिणाम शून्य रहा। आखिरकार 12वें दिन पुलिस को सफलता मिली और अर्चना लखीमपुर खीरी से सुरक्षित बरामद कर ली गई। उसके साथ युवक को भी हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि वह नेपाल के काठमांडू तक गई थी और वहीं से लौटते वक्त पकड़ी गई।
बरामदगी के बावजूद पुलिस के सामने कई सवाल हैं। क्या यह महज इत्तफाक था या कोई सोची-समझी योजना? ट्रेन से बीच रास्ते में उसके लापता होने की असली वजह क्या थी? और आखिरकार ग्वालियर का कॉन्स्टेबल तोमर इस कहानी से कितना जुड़ा हुआ है? फिलहाल रेल पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। अर्चना के सुरक्षित मिलने से जहां परिवार ने राहत की सांस ली है, वहीं मामले की गुत्थियां अभी भी सुलझना बाकी हैं।

सीएसडीएस के खिलाफ एक्शन की तैयारी, कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के गलत आंकड़े पेश करने के मामले में अब सीएसडीएस यानी सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज पर एक्शन की तैयारी हैं। खबर है कि संस्था को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। दरअसल सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार की ओर से बीते साल पेश किए गए आंकड़ों के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट फ्रॉड करने के आरोप लगाए थे। प्रोफेसर कुमार ने पहले कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या में 47 प्रतिशत और हिंगना विधानसभा में 43 फीसदी का इजाफा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि रामटेक और देवलाली क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या क्रमशः 38 और 36 प्रतिशत गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पोस्ट हटा लिया। प्रोफेसर कुमार ने लिखा, महाराष्ट्र चुनाव के संबंध में किए गए पोस्ट को लेकर मैं माफी मांगता हूं। आंकड़े की तुलना करने में गलती हो गई थी। हमारी डेटा टीम की ओर से डेटा को ठीक से नहीं पढ़ा गया था। सोशल मीडिया पर से ट्वीट हटा लिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार से गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। आईसीएसएसआर के नोटिस में आया है कि आईसीएसएसआर फंडेड सीएसडीएस में जिम्मेदार पद पर बैठे एक व्यक्ति ने मीडिया में बयान दिए थे, जिन्हें महाराष्ट्र चुनाव के डेटा विश्लेषण का हवाला देकर वापस ले लिया गया था। इसके आगे संस्था ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर पक्षपातपूर्ण मीडिया स्टोरीज प्रकाशित की।

ट्रंप के गोल्डन डोम से ज्यादा सुदर्शन चक्र में हैं एआई और स्पेस-बेस्ड तकनीक

पीएम मोदी कह चुके- यह दुश्मन के हवाई हमलों से बचाव ही नहीं हिटबैक भी करेगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने एक नई रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र की घोषणा की है, जो देश की सुरक्षा के लिए मजबूत कवच बन सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि ये सिर्फ दुश्मन के हवाई हमलों से बचाव ही नहीं करेगा, बल्कि हिटबैक भी करेगा। इसकी तुलना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्डन डोम से की जा रही है, लेकिन क्या यह सचमुच वैसी ही होगी? और यह फैसला भारत के लिए कितना अहम है?
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुदर्शन चक्र भारत की एक नई राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली है यानी एयर डिफेंस सिस्टम, जिसे डीआरडीओ और इसरो ने तैयार किया है। सुदर्शन चक्र एक एडवांस मिसाइल डिफेंस और निगरानी प्रणाली है, जो भारत को हवाई हमलों, मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बचाने के लिए डिजाइन की गई है। इसमें 2500 किलोमीटर तक दुश्मन की मिसाइलों को नष्ट करने की क्षमता है। 150 किलोमीटर तक हवा में मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर सकता है। इसमें एआई और लेजर-गाइडेड सिस्टम लगा हैं, जो सटीक निशाना लगाते हैं। 5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है। यह एक ग्राउंड-बेस्ड और स्पेस-बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम है, जिसमें सैटेलाइट और रडार नेटवर्क शामिल हैं। बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को नष्ट कर सकता है। इसे 2026 तक पूरी तरह चालू करने का लक्ष्य है। लागत करीब 50,000 करोड़ रुपए अनुमानित है।
बता दें गोल्डन डोम अमेरिका की एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसे डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में प्रस्तावित किया गया था। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक ढाल के रूप में डिजाइन किया गया था, जो दुश्मन के मिसाइल हमलों से अमेरिका की रक्षा करे। इसका नाम इसके सुनहरे रंग के डोम (गुंबद) से प्रेरित है।
गोल्डन डोम की विशेषता है कि यह 3000 किलोमीटर तक मिसाइलों को नष्ट करने की क्षमता रखती है। 200 किलोमीटर तक इंटरसेप्ट कर सकता है। इसमें लेजर और रडार सिस्टम हैं, लेकिन एआई का उपयोग सीमित है। 4.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार। पूरी तरह ग्राउंड-बेस्ड सिस्टम, जो कई स्थानों पर तैनात है।

संकट में सामने आया रुस, भारतीय समानों का स्वागत, सस्ते तेल की सप्लाई जारी रहेगी

अमेरिका को तंज, दोस्त कभी पाबंदियां नहीं लगाते

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगे 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ के बीच भारत के सदाबहार दोस्त रूस का बड़ा बयान सामने आया है। रूस का कहना है कि यदि किसी देश में भारतीय उत्पादों पर रोक लग रही है, तब रूस के बाजार में भारतीय सामनों का स्वागत है। भारत में रूसी मिशन के डिप्टी चीफ रोमन बाबूश्किन ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अर्थव्यवस्था को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है, लेकिन अमेरिका को यह ध्यान रखना चाहिए कि दोस्त कभी पाबंदियां नहीं लगाते। रूस कभी इस तरह की पाबंदियां नहीं लगाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और रूस ने हमेशा कठिन समय में एक-दूसरे का साथ दिया है। हम भारत को कच्चे तेल की सप्लाई जारी रखने वाले हैं, और इसके लिए मेकेनिज्म तैयार किया है। इसके अलावा बाबूश्किन ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात होगी। इस बैठक में कई अहम मसलों पर चर्चा हो सकती है। हालांकि उन्होंने पुतिन के भारत दौरे को लेकर कहा कि इसकी तारीखें तय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और 2030 तक यह 100 अरब डॉलर के पार होगा। इसके अलावा भारत को फर्टिलाइजर और तेल, गैस आदि की सप्लाई करने में रूस पहले नंबर पर बना हुआ है। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका की रणनीति गलत है और उस पर ही भारी पड़ रही है। टैरिफ वार के चलते डॉलर पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक असंतुलन को खत्म करने के लिए रूस कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि भारतीय निर्यात रूसी बाजार में बढ़े। हम चाहते हैं कि मशीनरी, फार्मा, चाय और चावल जैसी चीजों का आयात भारत से बढ़ा लें। इतना ही नहीं उनका कहना था कि अमेरिका ने टैरिफ अटैक का जो फैसला लिया है, वह गलत और एकतरफा है। रुसी राजदूत से पूछा गया कि क्या भारत की ओर से रूस से तेल खरीद रोकी जा सकती है। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ चर्चा कर सारी समस्यों को दूर करने वाले है।

घने काले बादल और तेज हवाओं के बीच पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मुंबई में भारी बारिश से सड़कें, ट्रेनें और ट्रैफिक ठप पड़ा है। तेज बारिश का असर हवाई उड़ानों पर भी देखने को मिल रहा है। मुंबई में कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं हैं, तो कुछ के रूट डायवर्ट किए गए। इसी बीच मुंबई एअरपोर्ट के रनवे से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। यह वीडियो एअर इंडिया की फ्लाइट में बैठे कस्टमर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जो अब वायरल हो रहा है। वीडियो देखने के बाद लोग एअर इंडिया के पायलट की तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- मुंबई में भारी बारिश के दौरान एअरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग। इतनी कम दृश्यता में फ्लाइट को सुरक्षित लैंड करवाने के लिए कैप्टन नीरज सेट्ठी को सलाम। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एअर इंडिया की फ्लाइट की लैंडिंग के दौरान आसमान में घने काले बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं, इसी बीच प्लेन बिना हिले आसानी से लैंड हो जाता है। खराब मौसम के बावजूद यात्रियों की सुरक्षित लैंडिंग करवाने के लिए अब पायलट की तारीफ हो रही है।

कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा होगा लागू, तीन भागों में बांटी एससी जातियां

बेंगलुरु,(ईएमएस)। हरियाणा की तर्ज पर अब कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा लागू होगा। कर्नाटक सरकार ने एससी के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह फैसले लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए लिया गया है, खासकर एससी लेफ्ट (मदिगा) और एससी राइट (होलेया) समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए। नए फॉर्मूले के तहत 17 फीसदी आरक्षण में से छह फीसदी एससी लेफ्ट समुदाय, छह फीसदी एससी राइट समुदाय और पांच फीसदी लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा जैसी अन्य उप-जातियों के लिए तय किया गया है।
यह फैसला जस्टिस एच एन नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। आयोग ने छह फीसदी एससी लेफ्ट, पांच फीसदी एससी राइट, चार फीसदी लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा जैसी स्पृश्य जातियों और एक फीसदी प्रत्येक खानाबदोश समुदायों जैसे आदि कर्नाटक आदि द्रविड़ और आदि आंध्र के लिए सुझाया था। मंत्रिमंडल ने खानाबदोश और आदि कर्नाटक आदि द्रविड़, आदि आंध्र के लिए अलग एक फीसदी आरक्षण को हटाकर तीन श्रेणियों का नया मैट्रिक्स स्वीकार किया है।
यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के फैसले के बाद संभव हुआ है, जिसमें राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने की शक्ति दी गई थी। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों की 101 उप-जातियां हैं, जिनमें मदिगा (एससी लेफ्ट) और होलेया (एससी राइट) प्रमुख हैं। मदिगा समुदाय ने लंबे समय से तर्क दिया है कि वे सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और मौजूदा आरक्षण का लाभ मुख्य रूप से स्पृश्य जातियों और होलेया समुदाय को मिलता है। नागमोहन दास आयोग ने मई से जुलाई 2025 तक व्यापक सर्वेक्षण किया, जिसमें कर्नाटक की अनुमानित 1.16 करोड़ अनुसूचित जाति आबादी में से 93 फीसदी को शामिल किया। इस सर्वेक्षण में 27.24 लाख परिवारों से 1.07 करोड़ लोगों के आंकड़े जमा किए गए। आयोग ने 4 अगस्त को सीएम सिद्धारमैया को अपनी 1,766 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी, जिसे 7 अगस्त को मंत्रिमंडल के सामने पेश किया गया। मंत्रिमंडल ने आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार किया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं।
नए फॉर्मूले में 17 फीसदी आरक्षण में से एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) को 6-6 फीसदी जबकि स्पृश्य दलित समुदायों (लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा) और अति पिछड़े और खानाबदोश समुदायों को पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। कुछ समुदायों ने इस फैसले का विरोध किया है। लंबानी और भोवी जैसे स्पृश्य समुदायों ने पांच फीसदी आरक्षण को अपर्याप्त बताते हुए इसे छह फीसदी करने की मांग की है। खानाबदोश समुदायों ने एक फीसदी अलग आरक्षण हटाने पर नाराजगी जताई है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट बैठक के बाद विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि बैठक सार्थक रही और सभी एससी समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री संतुष्ट हैं। विधानमंडल का सत्र चल रहा है, इसलिए विवरण साझा करने की गुंजाइश नहीं है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

अब रोबोट करेंगे बच्चा पैदा होंगे डिजाइनर बच्चे

विज्ञान ने इंसान को जिस दिशा में धकेल दिया है उससे लगता है कि उसने भगवान की शक्तियां प्राप्त कर ली हैं। सनातन धर्म की मान्यता है, कर्म के आधार पर जन्म होता है। अब मशीनों के जरिए मानव भगवान की शक्तियों और कर्म फल के सिद्धांत को सीधे-सीधे चुनौतियां देता नजर आ रहा है। चीन का यह दावा चमत्कार जैसा लग रहा है। रोबोट यदि बच्चे पैदा करेंगे तो यह मानवीय विकास के लिए चिंता भी पैदा करता है। खबर है, कि चीन ऐसा रोबोट बना रहा है जो बच्चे को गर्भ में पालकर 10 महीने में मानव शिशु को जन्म दे सकेगा। मां के गर्भ की जगह अब "कृत्रिम गर्भ" और मशीनें ले लेंगी। रोबोट के जरिए जो बच्चे पैदा होंगे उन्हें डिजाइनर बच्चों की तरह पैदा किया जा सकेगा। तकनीक के लिहाज से यह उपलब्धि बांझपन जैसी गंभीर समस्या का समाधान हो सकती है। लाखों महिलाएं जो प्राकृतिक गर्भधारण में सक्षम नहीं हैं उनके लिए यह आशा की किरण है। सवाल सिर्फ तकनीकी का नहीं, मानवीय संवेदनाओं का भी है। एक मां जब गर्भ धारण करती है, यह एक प्राकृतिक घटना होती है। अंडाणु और शुक्राणु का नौ महीने का सफर केवल शारीरिक विकास का नहीं होता है, बल्कि भावनात्मक और मानसिक संवेदनाओं के साथ शिशु पनपता है। गर्भ में पलता शिशु मां की धड़कनें सुनता है। उसके विचारों ओर भावों को महसूस करता है। गर्भ के दौरान वह ज्ञान भी अर्जित करता है। जीवन जीने की पहली शिक्षा गर्भ से शुरू होती है। महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु को गर्भ से ही चक्रव्यूह का ज्ञान प्राप्त हुआ था। आधे-अधूरे ज्ञान के कारण अभिमन्यु चक्रब्यूह तोड़ने में तो सफल हो गया लेकिन चक्रब्यूह से बाहर नहीं निकल पाया। गर्भधारण और जन्म की यह प्रक्रिया केवल जैविक नहीं, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास से भी जुड़ी होती है। ऐसे में सवाल उठता है, क्या मशीनें इस संवेदनात्मक, कुल परंपरा और जैविक रिश्ते, सांस्कृतिक धरोहर की जगह ले पाएगा? बांझपन का उपचार ज़रूरी है। मां के पेट से बच्चा वह सब कुछ सीखता है, जिस मां के पेट से बच्चे का जन्म होता है। उस परिवार के संस्कार भी उस बच्चे पर आते हैं। रोबोट तकनीक कितने परिवारों को संतान सुख दे पाएगी, यह कहना मुश्किल है। इस तकनीकी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो सकता है। जब रोबोट ठीक कृत्रिम तरीके से बच्चे पैदा करने लगेंगे। लाखों और करोड़ों लोगों को रोबोट के माध्यम से तैयार किया जाने लगेगा। तकनीकी जब ईजाद होती है, तो उसका मकसद बहुत अच्छा होता है। लेकिन अच्छे मकसद के लिए तकनीकी का इस्तेमाल बहुत कम होता है। तकनीकी का दुरुपयोग सबसे ज्यादा होता है। यह अभी तक के निष्कर्ष से जाना जा सकता है। रोबोट के माध्यम से जो बच्चे जन्म लेंगे वह बच्चे के व्यक्तित्व, मां के स्नेह, माता-पिता के गुण, चिंता और प्यार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? गर्भावस्था से लेकर जन्म होने तक का पूरा सफर केवल मशीन और प्रयोगशाला की दीवारों के बीच तय होगा। तो ऐसे बच्चे केवल जैविक ढांचे बनकर रह जाएगें। इनमें संवेदनाएं नहीं होंगी। इनका वजूद भी मशीनों की तरह होगा। विज्ञान के जरिए जीवन को बेहतर बनाने का समाधान मिल सकता है, लेकिन उसमें संपूर्णता का बोध नहीं हो सकता है। विज्ञान के जरिए सामाजिक और भावनात्मक विचारों का जन्म नहीं हो सकता है। रोबोट तकनीक गर्भधारण करने और बच्चा पैदा करने की मशीन बनेगी। मातृत्व की पवित्रता मानव समाज के गुण, धर्म, संवेदनाएं तथा आक्रामकता का स्थान नहीं ले सकता है। इस तरह के प्रयास मानवता के संबंधों और विकासक्रम में प्रश्नचिन्ह लगाने वाला कदम होगा। आने वाले समय में इंसान का जन्म यदि प्रयोगशालाओं में तय होगा, तो परिवार, रिश्तों और भावनाओं की परिभाषा ही बदल जाएगी। हम इंसानों के रूप में मशीनी इंसान पैदा करेंगे। विज्ञान के चमत्कार पर केवल ताली बजाने से काम नहीं चलेगा। वर्तमान स्थिति को लेकर हमें सोचना होगा। क्या रोबोट से जन्मे बच्चे का कोई स्वतंत्र भविष्य हो सकता है? मां का प्रेम, संवेदनाएं और जीवन जीने का ज्ञान हर सांस के माध्यम से केवल एक मां ही दे सकती है। यही फर्क इंसान और मशीन के बीच हमेशा बना रहेगा। मानव सभ्यता को लेकर जिस तरीके की छेड़छाड़ की जा रही है, वह हमें कहां तक ले जाएगी कहना मुश्किल है। हमें ध्यान रखना होगा कि वैज्ञानिक तकनीक सुख-सुविधाओं के साथ विकास का तो हिस्सा बने, लेकन मानवसमाज के लिए भस्मासुर न बनने पाए। सही मायने में हम जीवन और मृत्यु के प्राकृतिक स्थिति में व्यवधान पैदा कर रहे हैं, जिसके कारण भविष्य में बड़ा नुकसान होना तय है।

श्वेत प्रदर : स्त्रियों का मौन रोग और उसका समाधान

योग गुरु महेश अग्रवाल

- स्त्री और उसका स्वास्थ्य
- स्त्री का स्वास्थ्य ही उसका वास्तविक सौंदर्य है। जब स्त्री स्वस्थ होगी, तभी परिवार और समाज भी स्वस्थ रह सकेगा।

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्णजयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि स्त्री समाज का आधार है । माँ, बहन, बेटी, पत्नी—हर रूप में वह परिवार और समाज को सँभालती है। किन्तु दुर्भाग्यवश बहुत-सी स्त्रियाँ अपने स्वास्थ्य के विषय में खुलकर बात नहीं कर पातीं। विशेषकर जब विषय स्त्री-जननांगों और उनसे जुड़ी समस्याओं का हो। भारतीय संस्कृति में स्त्री के लिए विनयशीलता को बहुत महत्त्व दिया गया है। यह विनम्रता नारी का अलंकार है, किन्तु अक्सर इसी के कारण वह अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों को छिपा लेती है। परिणाम यह होता है कि साधारण और उपचार योग्य रोग भी बढ़कर गंभीर हो जाते हैं।इन्हीं रोगों में से एक है – श्वेत प्रदर, जिसे साधारण भाषा में सफेद पानी आना भी कहते हैं। यह समस्या बहुत सामान्य है, लेकिन अज्ञान, शर्म और संकोच के कारण अधिकांश महिलाएँ इसका इलाज नहीं करातीं।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि श्वेत प्रदर क्या है? सामान्य और असामान्य स्त्राव में अंतर, संक्रमण और श्वेत प्रदर का सम्बन्ध, मुख्य कारण (शारीरिक, मानसिक, आहार सम्बन्धी, हार्मोनल आदि), लक्षण और पहचान, आहार-विहार और घरेलू सावधानियाँ, व्यक्तिगत स्वच्छता और सही जीवनशैली, योग व प्राणायाम का महत्व, सकारात्मक सोच और मानसिक संतुलन, स्वास्थ्य ही सच्चा सौंदर्य है।

श्वेत प्रदर क्या है? श्वेत प्रदर को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि योनि (Vagina) का एक स्वाभाविक स्त्राव (डिस्चार्ज) होता है। यह हल्का पारदर्शी या दूधिया होता है। इसका उद्देश्य योनि को नम, चिकना और स्वच्छ बनाए रखना है। जैसे आँखों में आँसू लगातार बनते रहते हैं ताकि आँखें साफ रहें, उसी प्रकार योनि में भी यह तरल बनता रहता है। जब यह स्त्राव सामान्य मात्रा में और बिना गन्ध, बिना खुजली के होता है तो यह स्वास्थ्य का संकेत है। लेकिन जब यह स्त्राव बहुत अधिक मात्रा में, बार-बार, लगातार आने लगे और स्त्री को असुविधा, थकान, पीठ-दर्द, जलन या शर्मिंदगी का अनुभव होने लगे, तो उसे श्वेत प्रदर कहते हैं।

सामान्य और असामान्य स्त्राव का अंतर - सामान्य स्त्राव हल्का पारदर्शी या दूधिया, बिना गंध, बिना खुजली, जलन, कपड़े पर हल्का धब्बा, मासिक चक्र के अनुसार बदलाव। असामान्य (श्वेत प्रदर / संक्रमण) - बहुत गाढ़ा, अधिक मात्रा में दुर्गन्धयुक्त, खुजली, जलन, सूजन के साथ, कपड़े गीले हो जाते हैं, बार-बार बदलने पड़ते हैं, लगातार असुविधा।

श्वेत प्रदर और संक्रमण का भ्रम - बहुत-सी महिलाएँ हर स्त्राव को संक्रमण समझ लेती हैं। जबकि यह सही नहीं है। सामान्य स्त्राव शरीर की स्वच्छता प्रक्रिया है। संक्रमण (Infection) में खुजली, जलन, दुर्गन्ध और दर्द होता है। श्वेत प्रदर संक्रमण नहीं है, बल्कि अत्यधिक स्त्राव है। फिर भी लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करने पर संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। श्वेत प्रदर के मुख्य कारण - शारीरिक कारण गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) पर घाव या चोट, गर्भनिरोधक साधन (IUD, कॉपर टी) का प्रयोग, हार्मोनल असंतुलन, मधुमेह, टी.बी. जैसी बीमारियाँ। आहार सम्बन्धी कारण, अधिक दूध, मैदा, चीनी, पॉलिश किया चावल, मसालेदार, तैलीय और जंक फूड, कब्ज (Constipation), पोषण की कमी। मानसिक कारण, अत्यधिक तनाव, चिंता, नींद की कमी, आत्मग्लानि या शरीर के प्रति नकारात्मक सोच, अचेतन स्तर पर संकोच और भय। जीवनशैली सम्बन्धी कारण, व्यक्तिगत स्वच्छता की कमी, गन्दे कपड़े, नायलॉन के अंडरगारमेंट्स, बार-बार मूत्र रोकना, लंबे समय तक बैठे रहना और व्यायाम न करना।

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

ललित गर्ग

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-"समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना"। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित– ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्या प्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तररदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्चत, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और "नो गो" क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में "नो गो" क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है। यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूकबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्ट म का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है। साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तधर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें। राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थरगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है। एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60% का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों। घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वऔपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरुआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्च् किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज़्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज़्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों तक पहुँचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण - ने कल्याण में जवाबदेही को अंतर्निहित किया है और 25 करोड़ से ज़्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है। रोज़गार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है।

पीएम विकसित भारत रोज़गार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्चर की गई है; नए रोज़गार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, नए रोज़गार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुँचना है। महत्वाकांक्षा को वास्त.विकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है— इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्ट म को नया रूप देने के लिए बनाया गया है।

आतंकवाद के पीड़ितों निर्दोष लोगों के प्रति स्मृति और श्रद्धांजलि

संजय गोस्वामी

आतंकवाद पीड़ित स्मृति और श्रद्धांजलि दिवस

आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह दिन आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित है। इसे विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन उन लोगों को याद करने और करुणा और लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले कार्यों के माध्यम से पीड़ितों का समर्थन करने के लिए मनाया जाता है।26 नवंबर, 2008 को, दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिनमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने 29 नवंबर, 2008 को हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह हमला 9/11 के बाद सबसे घातक और बेशर्म आतंकवादी घटना थी। तब और अब, दोनों ही समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त है। अपनी पुस्तक, *अवॉइडिंग आर्मागेडनः अमेरिका, इंडिया, एंड पाकिस्तान टू द ब्रिंक एंड बैक* पर काम करते हुए, यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई हमले की साजिश में एक तीसरा पक्ष गुप्त रूप से शामिल थाः अल-कायदा। हालाँकि अल-कायदा ने अपनी गतिविधियों को गुप्त रखा, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा को हमले की योजना बनाने और लक्ष्य चुनने में मदद की। 26 नवंबर, 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। 29 नवंबर, 2008 को सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा इस हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह 9/11 के बाद का सबसे घातक और सबसे निर्लज्ज आतंकवादी हमला था। तब और अब, दोनों समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियों और अल-क़ायदा का समर्थन प्राप्त रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस हफ़्ते भारत में उसकी संलिप्तता के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और विशेष रूप से इस ऑपरेशन के लिए पाकिस्तान स्थित इसके शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कबूल की। उसने इस साज़िश में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया था। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में फ़रार है और अक्सर भारत, अमेरिका और इज़राइल के ख़िलाफ़ सार्वजनिक रूप से वकालत करता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका के साथ संबंध तोड़ने की माँग करता है। अल-कायदा को 2008 के हमले से बड़ी उम्मीदें थीं, उसे उम्मीद थी कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष छिड़ जाएगा जो अफगानिस्तान में नाटो के अभियानों को बाधित कर सकता है और अल-कायदा पर ड्रोन हमलों में बाधा डाल सकता है। हालाँकि, भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीति को चुना, और अंततः खतरा टल गया। सईद के समर्थकों में पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई शामिल हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम करती हैं। कसाब ने सीधे तौर पर आईएसआई पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसने प्रशिक्षण और लक्ष्य चयन में मदद की थी। दो पाकिस्तानी प्रवासियों, अमेरिकी डेविड हेडली और कनाडाई तहव्वुर राणा ने भी अमेरिकी अदालतों में स्वीकार किया है कि उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा को मुंबई नरसंहार की योजना बनाने में मदद की थी और आईएसआई ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। दोनों को दोषी ठहराया गया था, और हमले की तैयारी के लिए मुंबई की उनकी टोही यात्राओं का वित्तपोषण आईएसआई ने किया था। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस सप्ताह भारत में उसके अपराधों के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और हमले के लिए पाकिस्तान स्थित उसके शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने इस ऑपरेशन की योजना बनाने में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफिज सईद अभी भी पाकिस्तान में फरार है और बड़ी-बड़ी रैलियों में भारत, अमेरिका और इज़राइल की खुलकर आलोचना करता रहता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका से संबंध तोड़ने का आह्वान करता है। पिछले वर्ष सील्स द्वारा अल-कायदा नेता को फांसी दिए जाने के बाद सईद ने उसे इस्लाम का नायक बताया था।सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? देश की संप्रभुता सर्वोपरि है। जब तक सेना को पूर्ण अधिकार नहीं मिल जाते, लोग मारे जाते रहेंगे। इस क्रूरता की जितनी भी निंदा की जाए कम है, क्योंकि आतंकवाद न तो किसी धर्म, न ही नियम या कानून को जानता है। ये समूह निर्दोष नागरिकों या बड़े पैमाने पर समाज को निशाना बनाकर सरकार पर अपनी माँगें मनवाने और हर जगह आतंक फैलाने का दबाव बनाते हैं। उनके लक्ष्य बहुत स्पष्ट हैं—वे केवल वही स्वीकार करते हैं जो वे पूरा करवाना चाहते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। वे दोस्तों, परिवार, बच्चों, महिलाओं या बुजुर्गों को नुकसान पहुँचाने से नहीं हिचकिचाते। उनकी रणनीतियों में भीड़ पर बम गिराना, लोगों पर गोलीबारी करना, विमानों का अपहरण करना और अन्य आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना शामिल है। 2008 से, लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान में खुलेआम सक्रिय है और लगातार नए हमलों की साजिश रच रहा है। 2010 में, इसने नई दिल्ली में 19वें राष्ट्रमंडल खेलों पर एक बड़े हमले की योजना बनाई थी, लेकिन प्रभावी खुफिया जानकारी, खासकर ब्रिटिश एजेंसियों से मिली जानकारी के कारण, इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। इस गर्मी में, भारतीय अधिकारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक प्रमुख आतंकवादी, सैयद ज़बीउद्दीन अंसारी, उर्फ अबू जिंदाल को गिरफ्तार किया, जो सऊदी अरब में एक ठिकाने से एक और आतंकवादी हमले की योजना बना रहा था। अबू जिंदाल 2008 के मुंबई हमलों में भी शामिल था—वह कराची स्थित लश्कर-आईएसआई नियंत्रण कक्ष में था, जहाँ से आतंकवादियों को मोबाइल फोन के ज़रिए बंधकों, जिनमें अमेरिकी भी शामिल थे, की हत्या के आदेश मिलते थे। मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को दोपहर करीब 3 बजे पहलगाम के बैसरन में एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ। आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज़्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा, इस हमले में एक दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हुए। आज, लश्कर-ए-तैयबा एक टाइम बम बना हुआ है जो फिर से हमला करने के लिए तैयार है। आतंकवादी संगठन टीआरएफ ने एक बयान जारी कर दावा किया कि यह हमला कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद, इलाके में गैर-स्थानीय बस्तियों के विरोध में किया गया था।

गुरुवार को न करें ये काम

भारतीय सभ्यता में हर दिन का अलग महत्व है। खासतौर से गुरुवार को तो धर्म का दिन मानते हैं। गुरु को लेकर एक भी मान्यता है कि यह दूसरे ग्रहों के मुकाबले ज्यादा भारी होते है। इसलिए इस दिन कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिससे शरीर या घर में हल्कापन आता हो क्योंकि गुरु के प्रभाव में आने वाले कारक तत्वों का प्रभाव हल्का हो जाता है. वो काम कौन से हैं, जिन्हें गुरुवार को नहीं करना चाहिए, आप भी जानिये।

ना बाल धोएं ना कटाएं

शास्त्रों के अनुसार महिलाओं की जन्मकुंडली में बृहस्पति पति और संतान का कारक होता है। इसका मतलब यह है कि गुरु ग्रह संतान और पति दोनों के जीवन को प्रभावित करता है। ऐसे में गुरुवार को महिलाएं अगर अपना सिर धोती हैं या बाल कटाती हैं तो इससे बृहस्पति कमजोर होता है और पति व संतान की उन्नति रुक जाती है।गुरु ग्रह को जीव भी कहा जाता है। जीव यानी कि जीवन। जीवन से तात्पर्य है आयु. गुरुवार को नाखून काटने और शेविंग करने से गुरु ग्रह कमजोर होता है, जिससे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उम्र में से दिन कम हो जाता है।

घर में अधिक वजन वाले कपड़ों को धोने, कबाड़ घर से बाहर निकालने, घर को धोने या पोछा लगाने से बच्चों, पुत्रों, घर के सदस्यों की शिक्षा, धर्म आदि पर शुभ प्रभाव में कमी आती है।गुरुवार को नारायण का दिन होता है, ये बात तो ठीक है. पर नारायण तभी प्रसन्न होंगे जब आप उनके साथ उनकी पत्नी यानी कि लक्ष्मी जी की भी पूजा करेंगे। गुरुवार को लक्ष्मी-नारायण दोनों की एक साथ पूजा करने से जीवन में खुशियां आती हैं और पति-पत्नी के बीच कभी दूरियां नहीं आतीं। साथ ही धन में भी वृद्धिल होती है।

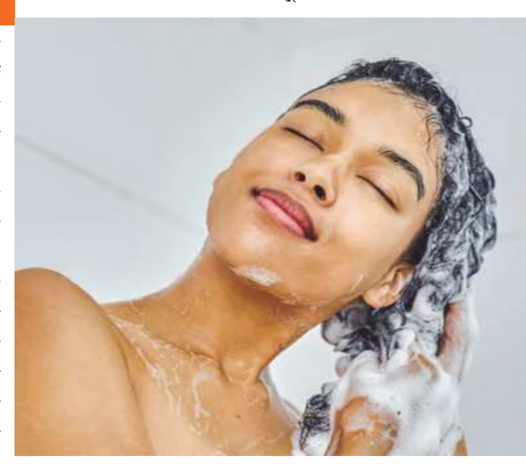

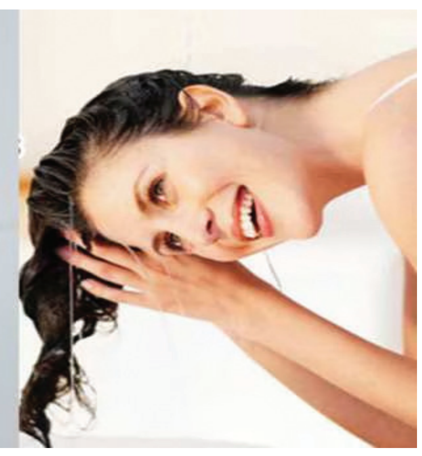

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, त्रियोदशी, गुरुवार, पुण्य नक्षत्रे, व्यय योगे, वव करणे, कर्क की चंद्रमा, भद्रा 17/2, 3.45/47 चर्तुदर्शी व्रत, मूल प्रारंभ रात्रि 12/58 सर्वार्थ सिद्ध योग, अमृत सिद्ध योग 48/16 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल वाहन चालक, धनी-मानी, वाहन से सुखी, वाहन वाला होगा।

मेष राशि :- कार्य विफलत्व, समय में योजनाएं फलीभूत हों किन्तु लाभ से वंचित अवश्य ही रहेगा।

वृष राशि :- कहीं विस्फोटक स्थित कष्टप्रद हो किन्तु भाग्य का सितारा प्रबल रहे, लाभ अवश्य होगा।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब की चिन्तायें मन व्याग्र रखें, आकस्मिक भय अवश्य होगा, ध्यान रखें।

कर्क राशि :- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा एवं धन लाभ का योग अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।

सिंह राशि :- धन लाभ, कार्य-कुशलता से संतोष, व्यवसायिक क्षमता अनुकूल अवश्य ही बन जायेगी।

कन्या राशि :- दैनिक कार्यगति मंद, मन में उद्विघ्नता बनेगी, रुके कार्यों को पूरा करने में मन लगायेंगे।

तुला राशि :- मानसिक उद्विघ्नता बनें, स्वास्थ्य नरम रहेगा, कार्य में संतोष होगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- सफलता के साधन बनें, इष्ट-मित्र फलप्रद एवं सुखवर्धक होंगे, कर्मचारी सहयोग करेंगे।

धनु राशि :- विरोधी तत्व परेशान करेंगे, अनायास बाधा, शरीर कष्ट, बचकर चलने से लाभ होगा।

मकर राशि :- मानसिक बेचैनी, अशांति, तनाव, अधिकारियों से विरोध बनेगा, ध्यान अवश्य रखें।

कुंभ राशि :- लोगों से मेल-मिलाप के पश्चात् कार्य अवरोध तथा बेचैनी अवश्य ही बनेगी।

मीन राशि :- भाग्य का सितारा मंद रहेगा, तनाव-क्लेश व अशांति अवश्य बनेगी, धन का व्यय होगा।

बापू के व्रत पर आजीवन अडिग रहे शुभकरण बाबू

कुमार कृष्णन

पुण्यतिथि पर विशेष

बीते सदी के दूसरे दशक की शुरूआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में आ गये थे और इससे उन्होंने आम लोगों से जोड़ा। यह वह दौर था, जब 21 मार्च 1919 को रोलेट एक्ट लागू किया गया, इसमें न अपील न दलील और न वकील की व्यवस्था थी। महात्मा गांधी ने 6 अप्रैल 1919 को देशभर में दमनकारी कानून की मुखालफत करते हुए हड़ताल का आह्वान किया और कहा कि-'' जबतक यह कानून वापस न ले लिया जाए, सभ्यतापूर्वक मानने से इंकार दें।'' इसी दौर में जालियांवाला कांड हुआ, जिसने अनेक लोगों को झकझोरकर रख दिया। रविन्द्रनाथ टैगोर ने सर की उपाधि ठुकरा दी। पूर्ण स्वराज का नारा बुलंद हुआ। इस आंदोलन को गति प्रदान करने के लिये बापू का भागलपुर आगमन हुआ। ऐतिहासिक टिल्हा कोठी, जहां अब रविन्द्र भबन है,वहां से आम सभा को संबोधित करते हुए पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को हासिल करने के लिये आर्थिक स्वावलंवन, नैतिक सद्व्यवहार और कुप्रथाओं के उन्मूलन का आह्वान किया। गांधी जी के इस आह्वान ने शुभकरण चुड़ीवाला के जीवन दिशा ही बदल डाली। विदेशी कपड़े की होली जलायी तथा जंगे- आजादी में शरीक हो गये। इस सभा में देश सेवा का जो व्रत उन्होंने लिया यह सिर्फ मुल्क की आजादी तक ही नहीं, बल्कि देश आजाद होने के बाद उसका निरंतर निर्वहन करते रहे। संघर्ष, रचना, अनुशासन और सेवा यह उनके जीवन का लक्ष्य था।एकादश व्रत को पूरी तरह जीवन में उतार लिया था।

22 नवंबर1898 को जन्मे शुभकरण चुड़ीवाला ने सौ साल से अधिक की जिन्दगी जी। यह जिन्दगी अपने परिवार के लिये कम और देश तथा समाज के लिये ज्यादा। उनके गुजरे 17 वर्ष हो गये। पर उन्होंने बिहार में जो मशाल जलायी, उससे चप्पा-चप्पा वाकिफ है। आज जब नैतिक मूल्यों का ह्रास निरंतर हो रहा है, सेवा भाव खत्म हो स्वार्थलोलूपता हावी है, वैसे दौर में शुभकरण बाबू की प्रासंगिकता और ज्यादा बढ़ गयी है। भागलपुर शहर के एक व्यावसायिक घराने में जन्मे शुभकरण बाबू का व्यवसाय उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी था। शुभकरण चूड़ीवाला के सिर से पिता का साया तीन वर्ष की उम्र में उठ गया।गोरखपुर में नाना और मामा के यहां इनकी परवरिश हुई। मिड्ल महाजनी की तालीम हासिल करने के बाद किशोरावस्था से ही इनका लगाव सामाजिक कार्यों से हो गया था। आजादी की लड़ाई उत्तर प्रदेश में जहां दैनिक आज के संस्थापक संपादक बाबू शिवप्रसाद गुप्त, मदन मोहन मालवीय, पुरूषोत्तम दास टंडन, संपूर्णानंद, कमलापति त्रिपाठी, चंद्रभान गुप्त, आचार्य नरेन्द्र देव, हनुमान प्रसाद पोद्दार के सानिध्य में रहकर काम किये, वहीं भागलपुर में राय बहादुर वंशीधर ढांढानियां, दीपनारायण सिंह, पटलबाबू, चारू मजूमदार, प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका, सियाराम सिंह, हरनारायण जैन, पंडित मेवालाल झा, रामेश्वर नारायण अग्रवाल, कैलाश बिहारी लाल, और रासबिहारी लाल आदि के साथ मिलकर काम किया। दीपनारायण सिंह और पटल बाबू की मौत के बाद स्वतंत्रता संग्राम के राष्ट्रीय नेताओं का केन्द्र स्थल उनका मारबाड़ी टोला स्थित आवास और मिरजानहाट स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठान बन गया। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी सौकत अली और मोहम्मद अली के साथ भागलपुर स्थित टिल्हा कोठी आए और आम सभा को संबोधित किया तो उनके आह्वान पर उपस्थित जनसमूह के समक्ष अपने वदन पर पहने विदेशी कपड़े जलायी। वे उस सभा में चारूचंद मजूमदार के नेतृत्व में स्वयं स्वंय सेवक के रूप में तैनात थे। इसी सभा से आजीवन स्वदेषी का व्रत धारण किया। आजादी की लड़ाई के साथ-साथ अपने को भंगी मुक्ति आंदोलन, खादी के प्रचार, चरखा आंदोलन के साथ जोड़ दिया। इन्हीं दिनो उनकी अगुआयी में 1923 में समाज की विभिन्न समस्याओं पर विचार कर सामाजिक स्तर से समाधान करने के मकसद से मारबाड़ी सुधार समिति का गठन किया। इस संस्था की 1938 में इन्हीं की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की बैठक में युवाओं को आत्मरक्षार्थ स्वावलंवी बनाने की गरज से मारबाड़ी व्यायामशाला की वुनियाद डाली। युवाओं को रचनात्मक कार्यों के लिये प्रेरित किया। उनका मानना था कि केवल संघर्ष से परिवर्तन संभव नहीं है। इसके लिए रचना जरूरी है। जब 1934 में बिहार में भयंकर भूकंप आया और मुंगेर सहित बिहार के कई जिले प्रभावित हुए। मुंगेर के संदर्भ में उन दिनों ' द स्टेटसमेन' में लीड खबर छपी कि-' मुंगेर सीटी इज नो मोर। डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने इन्हें बिहार रिलीफ कमेटी का सदस्य श्री चूड़ीवाला को बनाया। एक स्वयंसेवक की तरह तीन माह तक मलवे से शवों को निकालने और दाह संस्कार करवाने का काम किया। भूकंप से हुई तवाही और चलाये जा रहे राहत कार्यों का निरीक्षण करने महात्मा गांधी,पंडित जवाहरलाल नेहरू और डॉ राजेन्द्र प्रसाद पहुंचे तो इनके सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की।

आजादी की लड़ाई के दौरान संघर्ष में तो सक्रिय रहे ही, साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को आर्थिक मदद भी करते थे। 1937 में भागलपुर में अंग्रजी हुकूमत का दमन चक्र चल रहा था तो डॉ राजेन्द्र प्रसाद, अब्दुल बारी, बलदेव सहाय सरीखे लोगों के नेतृत्व में सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किया गया। पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों पर बर्वरतापूर्वक लाठियां बरसायी गयाी। इस हमले में राजेन्द्र बाबू सहित अनेक लोग घायल हुए। विहपुर का स्वराज आश्रम इस घटना का साक्षी है। डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आत्मकथा में इस घटना का जिक्र किया है।घायल नेताओं को भागलपुर लाया गया और दल्लू बाबू के धर्मशाला तथा इनके निवास पर गुप्त रूप से इलाज चला। बिहपुर के सत्याग्रह ने राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया। भागलपुर के विहपुर के स्वराज आश्रम और पटना स्थित सदाकत आश्रम के निर्माण में इनकी अहम् भुमिका रही। जब राष्ट्रीय कांग्रेस का रामगढ़ अधिवेशन हुआ तो चुड़ीवाला और रामेश्वर नारायण अग्रवाल भोजन विभाग के प्रभारी बनाये गये। इस दौरान वे महात्मा गांधी के निकट संपर्क में आए। भागलपुर महात्मा गांधी के आह्वान पर असहयोग आंदोलन के दौरान श्री चूड़ीवाला ने जिला परिषद के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। वे जिला परिषद् में सरकार के मनोनित सदस्य थे। क्रिप्स मिशन की विफलता ने देश में गहरे असंतोष की भावना पैदा कर दी। 14 जुलाई 1942 को कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव का अनुमोदन किया, जिसमें भारत में बिट्रिश शासन तुरंत समाप्त करने की आवश्यकता घोषित की गयी। इस प्रस्ताव से समूचे देश में आंदोलन की लहर दौड़ पड़ी। 1942 के आंदोलन के दौरान वे भागलपुर, मुंगेर और संथालपरगना के संयोजक संचालक और कोषाध्यक्ष बनाये गये। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बिहार में सियाराम दल और परसुराम दल ने अंग्रेजों की नींद हराम कर दी थी। अंग्रेजों द्वारा इन पर सियाराम दल को मदद करने का आरोप लग चुका था। ये भूमिगत हो गये और जसीडीह के आरोग्य भवन में अपनी पत्नी गिनिया देवी के साथ फरारी जीवन व्यतीत किया। छह माह तक फरारी जीवन गुजारते हुए उन्होंने आंदोलन का संचालन किया। सियाराम सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह, आचार्य वद्रीनाथ वर्मा, नंद कुमार सिंह,वासुकी राय,शिवधारी सिंह,श्यामा प्रसाद, राधवेन्द्र नारायण सिंह आदि लोगों के साथ गुप्त बैठकें होती थी तथा स्वतंत्रता आंदोलन की रणनीति तैयार होती थी और उसे अंजाम दिया जाता था। आखिरकार इसकी भनक खुफिया विभाग को लग गयी। तात्कालीन आरक्षी महानिरीक्षक की रिर्पोट पर भागलपुर के तात्कालीन अनुमंडलाधिकारी आर.एस पांडेय द्वारा आंदोलनकारियों की शिनाख्त नहीं किये जाने के कारण इनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। 1942 के आंदोलन के दौरान भागलपुर शहर के बूढ़ानाथ रोड स्थित योगेन्द्र नारायण सिंह के निवास स्थान पर सवौर के पास डाइनामाइट से रेलवे लाइन को उखाड़ने की योजना बन रही थी। छापामारी के दौरान कईर आंदोलनकारी पकड़े गये और ये भाग निकले।

इनके द्वारा की गयी अर्थिक मदद आंदोलनकारियों को संवल करती प्रदान करती रही। आखिरकार कब तक बचते? 1943 को भरतमिलाप के दिन भागलपुर के मिरजानहाट से इनकी गिरफ्तारी हुई। इसी दिन इनकी द्वितीय पुत्री सुलोचना का जन्म हुआ। 1946 में जब सांप्रदायिक दंगा हुआ तो अमन चैन और सद्भाव कायम करने में अह्म भूमिका अदा की। 1948 में इनकी पत्नी गिनिया देवी का निधन हो गया।

तो केमद्रुम दोष बनता है

यदि जन्म कुंडली में चन्द्रमा किसी भी भाव में अकेला बैठा हो, उससे आगे और पीछे के भाव में भी कोई ग्रह न हो तो केमद्रुम दोष बनता है। केमद्रुम दोष में जन्म लेने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से हमेशा परेशान होता है। उसे हमेशा एक अज्ञात भय रहता है। उसके जीवन काल में अनेक उतार-चढ़ाव आते हैं। आर्थिक रूप से ऐसे व्यक्ति कमजोर ही रहते हैं। जीवन में अनेकों बार आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति खुद को बहुत समझदार समझते हैं। उन्हें लगता है की उनसे अधिक बुद्धिमान व्यक्ति कोई नहीं है। ऐसे व्यक्ति चिड़चिड़े और शक्की स्वभाव के होते हैं। संतान से कष्ट पाते हैं परन्तु दीर्घायु होते हैं। कुछ परिस्थितियों में केमद्रुम योग भंग या निष्क्रिय भी हो जाता है। जन्म कुंडली में केमद्रुम दोष हो परन्तु चन्द्रमा के ऊपर सभी ग्रहों की दृष्टि हो तो केमद्रुम दोष के दुष्प्रभाव निष्क्रिय हो जाते हैं।-यदि चन्द्रमा शुभस्थान (केंद्र या त्रिकोण) में हो तथा बुद्ध, गुरु एवं शुक्र किसी अन्य भाव में एक साथ हो तो भी केमद्रुम दोष भंग हो जाता है।-यदि दसवें भाव में उच्च राशि का चन्द्रमा केमद्रुम दोष बना कर बैठा हो परन्तु उस पर गुरु की दृष्टि हो तो भी केमद्रुम दोष भंग माना जायेगा।यदि केंद्र में कहीं भी चन्द्रमा केमद्रुम दोष का निर्माण कर रहा हो परन्तु उस पर सप्तम भाव से बली गुरु की दृष्टि पड़ रही हो तो भी केमद्रुम दोष भंग हो जाता है।

डांस स्टूडियोज़ में अचानक पहुंची नोरा, डांसर्स को किया हैरान

अचानक मुंबई के अलग-अलग डांस स्टूडियोज़ में पहुँचकर ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने वहाँ मौजूद डांसर्स को हैरान कर दिया। डांस स्टूडियो में युवा और बच्चे उनकी नई कोरियोग्राफी पर डांस कर रहे थे, जिन्हें देखकर नोरा भावुक हो गईं। उनकी इस अप्रत्याशित मौजूदगी ने आम वर्कशॉप को एक यादगार पल में बदल दिया। फैंस से मिले प्यार और उनकी कहानियों से प्रेरित होकर नोरा ने पहली बार अपनी 'डांस विद नोरा' अकादमी खोलने की इच्छा जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह अनुभव उन्हें जल्द से जल्द अपनी अकादमी शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उनसे मिलकर वह खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस करती हैं। नोरा की इस सरप्राइज़ एंट्री के दौरान स्टूडियो का माहौल भावनाओं से भर गया। किसी की आँखों में खुशी के आँसू थे तो कोई अपनी पसंदीदा स्टार को सामने पाकर मुस्कुरा रहा था। खास बात यह रही कि नोरा ने केवल हाथ हिलाकर या तस्वीरें खिंचवाकर फैंस को खुश नहीं किया, बल्कि खुद डांस वर्कशॉप्स में शामिल हुईं। उन्होंने बच्चों और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डांस किया और उनकी कहानियाँ सुनीं। यही अपनापन और जुड़ाव उन्हें सबसे अलग बनाता है।

भादों में करें धर्म के अनुसार आचरण

हिंदू पंचांग का छठा माह भाद्रपद अर्थात भादो चल रहा है। सनातन धर्म के अनुसार भाद्रपद माह चातुर्मास के चार पवित्र महीनों में से दूसरा महीना है। इसलिए इसमें कुछ नियमों का पालन करना अनिवार्य बताया गया है। भाद्रपद माह की पूर्णिमा सदैव पूर्वा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में पड़ती है तथा आकाशगंगा में पूर्वा भाद्रपद अथवा उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के योग बनने से इस माह का नाम भाद्रपद व भादो रखा गया है।

भाद्रपद माह में स्नान, दान तथा व्रत करने से जन्म-जन्मान्तर के पाप नाश हो जाते हैं। भादो में अनेक लोक व्यवहार के कार्य निषेध होने के कारण यह माह शून्य मास भी कहलाता है। भादो में नए घर का निर्माण, विवाह, सगाई आदि मांगलिक कार्य शुभ नहीं माने जाते, इसलिए भादो में भक्ति, स्नान-दान के लिए उत्तम समय माना गया है। इस दौरान जमीन पर ही सोना चाहिय और संयमित जीवन व्यतीत करना चाहिये।

भाद्रपद माह धार्मिक तथा व्यावहारिक नजरिए से जीवनशैली में संयम और अनुशासन को अपनाना दर्शाता है। इसलिए इसमें कुछ नियमों का पालन करना अनिवार्य बताया गया है। शास्त्रनुसार भाद्रपद माह में कुछ कार्य निषेद्ध हैं तथा कुछ खाद्य सामाग्री पर भी वर्जना बताई गयी है। भादो में हरी शाक सब्जियों के अलावा शहद गुड, तिल, दही और नारियल के तेल का सेवन नहीं करना चाहिये। वहीं दूध , घी और मक्खन का अधिक से अधिक सेवन लाभ कारी रहता है।

भादों में पड़ने वाली तीज का महिलाओं को इंतजार रहता है। हिन्दू धर्म में चार प्रकार की तीज मनायी जाती है। जिसमें अखा तीज, हरियाली तीज, कजरी, और हरतालिका तीज शामिल है।

इस दौरान आकाश में घुमड़ती काली घटाओं के कारण इस पर्व को कजली अथवा कजरी तीज कहा जाता है। कजरी तीज को लेकर मान्याता है कि शिव-गौरी की पूजा करने से सौभाग्यवती स्त्री को अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है। दांपत्यद जीवन सुखमय होने के साथ ही इसमें प्रेम का वास होता है। वहीं कुंवारी कन्या्ओं के व्रत रखने को लेकर माना जाता है कि उन्हेंन अच्छे वर की प्राप्ति होती है।

व्रत रखने से मिलता है फल

सनातन धर्म में सप्ताह के सारे दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिस तरह से सोमवार का दिन भगवान शिवजी का और मंगलवार का दिन हनुमान जी का है। उसी तरह से बुधवार को भगवान गणेश की पूजा की जाती है और उनके लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक व्रत रखने से भगवान खुश होते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं बुधवार के व्रत की कथा। व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन यह कथा सुननी होती है।

प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था।

ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे।

इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

एयरपोर्ट जाने से पहले वेबसाइट या ऐप पर उड़ान की स्थिति देखें

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी
मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई में भारी बारिश से उड़ाने भी बाधित हो रही हैं। इसके मद्देनजर भारत की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके बारिश की आशंका के कारण हवाई यात्रा पर असर पड़ने की बात कही है। कंपनी ने पोस्ट में लिखा- हम चाहते हैं कि आपकी यात्रा यथासंभव परेशानी मुक्त हो, लेकिन प्रकृति की भी अपनी योजनाएं हैं। मुंबई में भारी बारिश की आशंका है, जिससे हवाई यातायात में भीड़भाड़ और उड़ान संचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइंस ने आगे लिखा- हम संचालन को सुचारू रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम पहले से योजना बनाने की सलाह देते हैं। आपकी उड़ान के शेड्यूल में कोई भी बदलाव आपके पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिए से साझा किया जाएगा, इसलिए सुनिश्चित करें कि वे अपडेट रहें। एयरपोर्ट जाने समय से पहले निकलने की सलाह देते हुए इंडिगो ने लिखा- एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति देखें और जलभराव और धीमी गति से चलने वाले ट्रैफिक की संभावना के कारण, अपनी यात्रा के लिए कुछ अतिरिक्त समय निकालें। सड़कों पर सुरक्षित रहें और तैयार होकर यात्रा करें। इससे पहले बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस ने पोस्ट करके एक एडवाइजरी जारी की थी। उसमें भी विमानन कंपनी ने कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी की आशंका जताई थी और यात्रियों को इंडिगो की ऐप और वेबसाइट से यात्रा संबंधी प्रमुख गाइडलाइन्स को फॉलो करने की सलाह दी थी। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई थी।

नए लुक में लॉन्च हुई टाटा पंच ईवी, नए कलर के साथ एडवांस फीचर्स भी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टाटा मोटर्स की सबसे पॉपुलर और किफायती इलेक्ट्रिक कारों में से एक टाटा पंच ईवी अब नए लुक में बाजार में आ गई है। अपनी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और एडवांस फीचर्स के लिए पंच ईवी अब दो नए कलर के साथ बाजार में उपलब्ध है। साथ ही कंपनी ने इसकी चार्जिंग स्पीड में भी सुधार किया है, जिससे यह कार पहले से ज्यादा प्रैक्टिकल और यूजर फ्रेंडली बन गई है। टाटा पंच ईवी में अब प्यूर ग्रे और सुपरनोवा कॉपर कलर शामिल किया गया है। इन नए शेड्स के जुड़ने के बाद पंच ईवी कुल सात रंगों में बाजार में उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि इसके सभी कलर ब्लैक रूफ के साथ ड्यूल-टोन फिनिश में आते हैं, जो कार को और भी प्रीमियम और स्टाइलिश बना देते हैं। टाटा ने पंच ईवी की डीसी फास्ट चार्जिंग स्पीड को बेहतर बनाया है। जहां पहले इस कार को 10 फीसदी से 80 फीसदी तक चार्ज करने में 56 मिनट लगते थे, अब इसे सिर्फ 40 मिनट में चार्ज किया जा सकेगा। केवल 15 मिनट की चार्जिंग में पंच ईवी करीब 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिससे लंबी यात्राओं में यह मददगार साबित होगी। टाटा पंच ईवी न केवल स्टाइलिश है, बल्कि टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इसमें 10.25-इंच का ड्युअल स्क्रीन सेटअप लगाया गया है, जिसमें इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल हैं। इसके अलावा, कार में वायरलेस एंडराड ऑटो और एपल कारप्ले, रियर ऐसी वेंट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरीफायर और 6-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स मिलते हैं। कंफर्ट के लिए वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एंबिएंट लाइटिंग और सिंगल-पेन सनरूफ भी मौजूद हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर खरीदने का आज आखिरी दिन, कल मिलेगा डिविडेंड

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी की उम्मीद है। वजह यह है कि आज आखिरी दिन है जब निवेशक शेयर खरीदकर कंपनी के अंतिम डिविडेंड के हकदार बन जाएंगे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.15 प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड पाने के लिए 21 अगस्त गुरुवार की तारीख तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें डिविडेंड दिया जाएगा। कोल इंडिया अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त को करेगी। एजीएम में डिविडेंड को मंजूरी मिलने के बाद कंपनी 30 दिनों के अंदर यह भुगतान करेगी। यह सिफारिश पहले 7 मई 2025 को बोर्ड बैठक में की गई थी। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कोल इंडिया का शुद्ध मुनाफा 10,943.55 करोड़ रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के बराबर है। कंपनी की कुल आय घटकर 37,458.05 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 39,388.47 करोड़ थी। बिक्री घटकर 31,880.43 करोड़ पर आ गई, जो क्यू1 2025 में 33,170.13 करोड़ थी। वहीं खर्च बढ़कर 25,893.12 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 25,326.66 करोड़ था।
19 अगस्त को एनएसई पर कोल इंडिया का शेयर 385.90 पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.49 फीसदी कम है। कंपनी का मार्केट कैप फिलहाल 2.38 लाख करोड़ है और यह बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है।

सोने और चांदी में नरमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। आज सुबह इन दोनो की ही कीमतें कम हुई हैं। आज सुबह घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) में सोना 67 रुपये नीचे आकर 98,629 रुपय प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस ने 24 कैरेट सोने का भाव 99,170 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट का 96,790, 20 कैरेट का 88,260 और 18 कैरेट का 80,330 प्रति 10 ग्राम तय किया था। वित्तीय जानकारों के अनुसार डॉलर में मजबूती के कारण तरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की मांग प्रभावित हुई है। डॉलर के महंगा होने से सोना खरीदना कठिन हो जाता है। इसके अलावा निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की पॉलिसी मीटिंग और चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान का इंतजार कर रहे हैं, जिसके चलते बाजार में सतर्कता बनी हुई है। चांदी के दाम में गिरावट और भी ज्यादा देखने को मिली। एमसीएक्सा पर चांदी का वायदा भाव 555 रुपये गिरकर 1,10,790 प्रति किलो पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी के भाव में उथल-पुथल जारी जारी है। कॉमेक्स पर सोना 3,360.40 डॉलर प्रति औंस और स्पॉट गोल्ड 3,318.25 प्रति औंस पर रहा। इसके अलावा कॉमेथ्स पर चांदी $37.60 प्रति औंस पर रही।

ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक साल 2027 में अपनी बहुप्रतीक्षित ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी। यह बाइक 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार मात्र दो सेकंड में पकड़ सकती है। इसमें ओला का विशेष मूव ओएस ऑपरेटिंग सिस्टम, सेल्फ-ड्राइविंग फीचर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए कृत्रिम सिलिकॉन मिलेगा, जिससे यह पूरी तरह स्मार्ट मशीन बन जाएगी। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये तक हो सकती है। ओला डायमंडहेड को हल्के लेकिन बेहद मजबूत एयरो लाइट मटेरियल से बनाया गया है, जिसमें एक्टिव एयरोडायनेमिक्स तकनीक दी गई है। यह न केवल हवा के प्रवाह को नियंत्रित करके बाइक को तेज गति से चलने में मदद करती है, बल्कि स्थिरता भी बनाए रखती है।
बेहतर नियंत्रण के लिए इसमें हब-सेंटर्ड स्टीयरिंग लगाया गया है, जो फुल स्पीड पर भी राइड को संतुलित रखेगा। यह ई-बाइक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) से लैस होगी, जिसमें रियल-टाइम अलर्ट, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राइडर को एक स्मार्ट एआर हेलमेट भी मिलेगा, जो सड़क और ट्रैफिक की सटीक जानकारी प्रदान करेगा।
लंबी दूरी की राइड के लिए इसे एक्टिव एर्गोनॉमिक्स के साथ डिजाइन किया गया है। सड़क की स्थिति के अनुसार इसका सस्पेंशन अपने आप एडजस्ट होगा। राइडर के स्वास्थ्य और राइड डेटा पर नज़र रखने के लिए स्मार्ट वियरेबल्स भी उपलब्ध रहेंगे। साथ ही एक्सट्रीम फास्ट चार्जिंग तकनीक इसे कुछ ही मिनटों में चार्ज कर देगी। ओला का कहना है कि डायमंडहेड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को परिभाषित करेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 213 अंक , निफ्टी 70 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 213.45 अंक की तेजी के साथ करीब 81,850 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 70 अंक बढ़कर 25,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी और 0.30 फीसदी की तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी बैंक में 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की खरीदारी के बाद फिर से शुद्ध विक्रेता रहे और भारतीय शेयरों में 634.26 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,261.06 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी के साथ अपना समर्थन बनाए रखा।
सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी रही। जानकारों के अनुसार एनएसई का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी पिछले तीन दिनों में जीएसटी सुधारों से संबंधित सकारात्मक घोषणाओं के कारण 364 अंक उछला है जिससे भी बाजार को बल मिला है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला।
सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज़्यादा लाभ में रहे।
एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा। अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। वहीं तकनीकी शेयरों में कमजोरी के कारण एसएंडपी 500 में 0.59 फीसदी की गिरावट, नेसडेक में 1.46फीसदी की गिरावट और डॉओ जोंस लगभग स्थिर रहा।

रुस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत खरीद रहा रुसी ऊर्जा, इसलिए ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया

लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि क्षेत्र में जल्द शांति स्थापित हो

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अलग से टैरिफ लगा दिया है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने कहा कि यह कदम रूस को युद्ध जारी रखने से रोकने के लिए उठाया गया है। लेविट ने कहा कि भारत लगातार रूसी ऊर्जा खरीद रहा है, इसी कारण टैरिफ दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने भारत पर प्रतिबंध और दूसरे कदम उठाए हैं ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत हो सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और सात यूरोपीय नेताओं से साथ मुलाकात की थी। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर चर्चा की गई। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जल्द शांति स्थापित हो। बैठक के बाद नाटो महासचिव समेत सभी यूरोपीय नेता इसे सही दिशा में पहला कदम बताया। व्हाइट हाउस का दावा है कि अगर ट्रंप पहले से राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता।
रिपोर्ट के मुताबिक लेविट ने दोहराया कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराकर तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब हालात बिगड़ रहे थे, तब ट्रंप ने व्यापार को हथियार बनाकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाया। भारत ने इस दावे को हमेशा खारिज किया है, लेकिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने ट्रंप को इस समझौते का श्रेय देते हैं।

मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। स्टॉक ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने फिनटेक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम की पैरेंट कंपनी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने एक्सचेंज को बताया कि अब उसके पास पेटीएम में 5.15 फीसदी हिस्सेदारी है। मंगलवार को दाखिल की गई एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं। इसके साथ ही उनकी हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हो गई है। अब उनके पास कुल 3,29,11,399 शेयर हैं। मंगलवार को पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.6 फीसदी या 53.75 बढ़कर 1,227.30 पर बंद हुआ था। दिन के दौरान इसने 1,232.65 का हाई छुआ यानी करीब 5 फीसदी की तेजी दर्ज की। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 78,360 करोड़ है। इसी दिन मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी 2.31 फीसदी या 21.70 बढ़कर 959.85 पर बंद हुए। इस कंपनी का मार्केट कैप करीब 57,544 करोड़ है। बता दें हाल ही में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने क्विक-कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो में भी बड़ा निवेश किया था। कंपनी ने 400 करोड़ लगाकर जेप्टो के 7.54 करोड़ कम्पलसरीली कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर खरीदे थे। यह डील 12 अगस्त को रेगुलेटरी फाइलिंग में दर्ज की गई थी।

मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधान को फिर से लागू करने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधार के बाद मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को कुछ समय के लिए फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में एक सरकारी अधिकारी के वाले से जानकारी दी गई है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें। अधिकारी ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि केंद्र सरकार बाजार से संचालित मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अनुचित मुनाफाखोरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर कंपनियां कर दरों में कमी के अनुरूप अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम नहीं करेंगी तो ऐसा हो सकता है। हम दो साल तक मुनाफाखोरी-रोधी उपायों को लागू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कारोबारी दरों में कमी के लाभ को अपनी जेब में न रखें। बता दें मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को सबसे पहले 2017 में लागू किया गया था। उस समय जीएसटी ने कई अप्रत्यक्ष करों को बदल दिया था और कई वस्तुओं पर कर की दरें कम हो गई थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 171 के तहत लाए गए इन नियमों का उद्देश्य यह तय करना था कि कारोबारी कर की दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। समय के साथ-साथ इसका दायरा एमआरपी से आगे बढ़कर एफएमसीजी, आतिथ्य सेवा और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगातार दर में कटौती और आईटीसी लाभों को कवर करने तक विस्तृत किया गया।
सरकार ने इन नियमों के साथ मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) की स्थापना भी की थी। इसका काम उन कंपनियों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना था जो कर की कम दरों का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रही थीं। इसके अलावा किसी भी अनियमित एवं अनुचित मुनाफाखोरी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) का गठन किया गया था। दिसंबर 2022 में एनएए के विघटन के बाद भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को ही मुनाफाखोरी-रोधी मामलों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई। अक्टूबर 2024 से यह क्षेत्राधिकार जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) दिल्ली के प्रधान पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर उद्योग जगत की अपील कहा- बैठक कर पहले चर्चा जरुरी

नई दिल्ली(ईएमएस)। ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और फेडरेशन ऑफ इंडिया फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए पत्र में, उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि उनका मानना है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री प्रधानमंत्री के 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की आधारशिलाओं में से एक हो सकता है। ऐसे में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सरकार के साथ तत्काल बैठक का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो भारतीय यूजर्स और नागरिकों को गंभीर नुकसान होगा।
गेमिंग संगठनों ने पत्र में कहा, हमें विश्वास है कि आपके समर्थन से, भारत का गेमिंग क्षेत्र जिम्मेदारी से आगे बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है, महत्वपूर्ण कर राजस्व में योगदान दे सकता है और अवैध ऑपरेटरों को रोक सकता है। यह विधेयक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को एक कानूनी ढांचे के तहत लाने और डिजिटल ऐप्स के माध्यम से जुआ खेलने पर दंड लगाने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित कानून राज्य के कानूनों में लत, धोखाधड़ी और विसंगतियों पर चिंता व्यक्त करता है और इसमें दंड और सजा के प्रावधान हैं।
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऑनलाइन गेमिंग के लिए केंद्रीय नियामक के रूप में नामित किया जा सकता है। इस विधेयक का उद्देश्य अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी पर भी रोक लगाना है। गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, ऑनलाइन स्किल गेमिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका उद्यम मूल्यांकन 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, राजस्व 31,000 करोड़ रुपए से अधिक है, वार्षिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह 20 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के साथ दोगुना होने वाला है। भारतीय ऑनलाइन गेमर्स की कुल संख्या 2020 में 36 करोड़ से बढ़कर 2024 में 50 करोड़ से अधिक हो गई।
पत्र में आगे कहा गया है, भारत के गेमिंग उद्योग ने जून 2022 तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। यह उद्योग वर्तमान में 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करता है, और अगले कुछ वर्षों में यह संख्या काफी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि एकमुश्त प्रतिबंध इस वैध, रोजगार सृजन उद्योग को खत्म कर देगा और भारतीय यूजर्स और नागरिकों को गंभीर नुकसान पहुंचाएगा।
प्रस्तावित प्रतिबंध न केवल इन अवसरों को खत्म करेगा, बल्कि वैश्विक निवेश और निवेशकों की भावना को भी बाधित करेगा, 2 लाख से अधिक नौकरियां खत्म करेगा, 400 से ज्यादा कंपनियां बंद हो जाएंगी और एक डिजिटल इनोवेटर के रूप में भारत की स्थिति कमजोर होगी।
पत्र में कहा गया है, इस विधेयक के एकमात्र लाभार्थी अवैध विदेशी जुआ संचालक होंगे।

अमेरिका टैरिफ घोषणाओं का असर, भारत की दवा कंपनियों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा है कि फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अमेरिका की टैरिफ घोषणाओं का असर पड़ सकता है और मौजूदा टैरिफ से दूसरे स्तर के प्रभाव का जोखिम बढ़ रहा है। भारत की कंपनियों का अमेरिकी टैरिफ का सीधा असर आमतौर पर कम होता है। वहीं कई क्षेत्र फिलहाल इससे अप्रभावित हैं। अमेरिकी टैरिफ की आगे की घोषणाओं से दवा जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है।
फिच ने कहा कि अगर अमेरिका के साथ भारत का व्यापार समझौता हो जाता है, तो ये जोखिम कम हो जाएंगे। अमेरिका ने भारत पर 7 अगस्त से 25 फीसदी शुल्क लगाया है और रूस से तेल आयात के कारण भारत पर 27 अगस्त से 25 फीसदी कर और लगेगा। भारत की दवा कंपनियों के लिए अमेरिका निर्यात का मुख्य केंद्र है।

पेट्रोल कारों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक गुजरात भारत का ऑटोमोटिव हब बनकर उभरा

वित्त वर्ष 2022-23 में गुजरात के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का भारी निवेश

अहमदाबाद (ईएमएस)| भारत में ऑटोमोटिव क्रांति में गुजरात की अहम भूमिका रही है। अपनी रणनीतिक स्थिति, मज़बूत बुनियादी ढाँचे और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण, गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में ऑटो कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। उत्तर गुजरात की बात करें तो आज सुजुकी मोटर्स गुजरात के कारण यह क्षेत्र भारत में अग्रणी ऑटोमोटिव विनिर्माण केंद्रों में से एक बन गया है। सुजुकी मोटर्स गुजरात ने 7.5 लाख कार इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ गुजरात को एक वैश्विक ऑटो हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सफलता को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) 9-10 अक्टूबर, 2025 को मेहसाणा में आयोजित किया जाएगा। गुजरात में ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने 2012 से 2015 के बीच वैश्विक निवेशकों को आकर्षित किया। 2014 में, सुजुकी ने राज्य में एक मेगा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और गुजरात के ऑटो क्षेत्र को गति मिली। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे रोज़गार के अपार अवसर पैदा हुए हैं। आज, सुजुकी मोटर का गुजरात प्लांट भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माण संयंत्रों में से एक है। इस संयंत्र ने मेहसाणा के आसपास के ऑटो कंपोनेंट उद्योग में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया है। इतना ही नहीं, सुजुकी मोटर्स गुजरात ने भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 32 अरब रुपये का निवेश करके चौथी उत्पादन लाइन स्थापित करने की भी घोषणा की है। अपने मज़बूत बंदरगाह बुनियादी ढाँचे के कारण, गुजरात वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक रणनीतिक निर्यात केंद्र बन गया है। 2024 में, गुजरात ने दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और चिली सहित कई देशों को लगभग रु. 3,459 करोड़ मूल्य के ऑटोमोबाइल निर्यात किए। इसके अतिरिक्त, गुजरात ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का महत्वपूर्ण निवेश दर्ज किया, जो पिछले पाँच वर्षों में 16.4% की मज़बूत CAGR दर्शाता है। यानी निवेश 16.4% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक बैटरी प्लांट (रु. 7,300 करोड़) और एक ईवी विनिर्माण सुविधा (रु. 3,100 करोड़) की घोषणा की है, जिससे राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर गुजरात का बेचाराजी एसआईआर (विशेष निवेश क्षेत्र) जिला एक प्रमुख ऑटो-औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरा है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में यह प्रगति दर्शाती है कि गुजरात एक वैश्विक ऑटोमोटिव पावरहाउस के रूप में उभरा है और वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में निवेशकों के लिए यह एक केन्द्र बिन्दु होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

चप्पल पहनकर गाड़ी चलाने पर 26 हजार, सार्वजनिक जगह शराब पीने पर 2.60 लाख का जुर्माना

लंदन (ईएमएस)। इस साल यूरोप के कई बड़े शहरों में टूरिस्टों के लिए कड़े नियम लागू किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य ओवर-टूरिज्म से निपटना और लोगों की जिंदगी को सहज बनाना है। मामूली दिखने वाली गलतियों पर भी अब भारी-भरकम जुर्माना लगाया जा रहा है।ये हैं सख्त नियम और भारी जुर्मानाः नियमों के अनुसार चप्पल पहनकर गाड़ी चलाने पर 26,000 तक का जुर्माना वसूला जा रहा है। वहीं समुद्र तट से दूर स्विमसूट पहनने पर 1.30 लाख तक का जुर्माना लागू किया गया है। सार्वजनिक जगह शराब पीने पर 2.60 लाख तक का जुर्माना है। ग्रीस के समुद्र तट से शंख या कंकड़ उठाने पर 87,000 का जुर्माना लगाया गया है। वेनिस की नहर में तैरने पर 30,000 का जुर्माना लागू किया गया है। पर्यटन विशेषज्ञों के मुताबिक, यूरोप के लोकप्रिय शहरों में टूरिस्टों की संख्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि वहां रहने वाले स्थानीय लोग परेशान हो चुके हैं। कई बार विदेशी टूरिस्ट ऐसी गतिविधियां करते हैं, जिससे शहर की संस्कृति और सामान्य जीवन प्रभावित होता है। इसकारण नियमों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। टूरिज्म एक्सपर्ट मानते हैं कि ये जुर्माने केवल दंडात्मक कार्रवाई नहीं हैं, बल्कि एक मैसेज भी हैं कि टूरिस्ट स्थानीय संस्कृति का सम्मान करें। इन नियमों से लोकल लोगों को राहत मिलेगी और शहर में एक शांतिपूर्ण माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

चीनी एप टिकटॉक पर आया वाइट हाउस 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देने वाले है। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग एप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं।वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। इसके बाद सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है?बता दें कि ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है। नफरत की वजह यह है कि टिकटॉक एक चीनी कंपनी है, और ट्रंप नहीं चाहते कि अमेरिकी नागरिकों का डेटा चीन जाए। ट्रंप ने एक कानून बनाया है। इस कानून के तहत टिकटॉक को अमेरिका में चलने के लिए किसी गैर-चीनी कंपनी को बेचना होगा, वरना उस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। हालांकि, अभी तक टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा, फिर भी अमेरिका में धड़ल्ले से चल रहा है। टिकटॉक का स्वामित्व चीनी कंपनी बाइटडांस के पास है। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टिकटॉक की बिक्री या प्रतिबंध से संबंधित एक कानून 20 जनवरी को लागू होने वाला था, उसी दिन ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला था। लेकिन ट्रंप को सोशल मीडिया से गहरा लगाव है। उनका 2024 का चुनावी अभियान सोशल मीडिया पर काफी हद तक निर्भर था।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने मस्जिद पर बरसाई गोलियां, 13 की मौत

अबूजा,(ईएमएस)। उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में एक मस्जिद पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिससे वहां मौजूद 13 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कात्सिना राज्य के उंगुवान मंतौ शहर में हुए इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-मध्य क्षेत्रों में ऐसे हमले अक्सर होते रहते हैं। यहां सशस्त्र चरवाहे और किसान अक्सर भूमि और पानी तक सीमित पहुंच को लेकर आपस में भिड़ते रहते हैं।बता दें पिछले महीने उत्तर-मध्य नाइजीरिया में हुए एक हमले में 150 लोग मारे गए थे। प्रांत के कमिश्नर ने कहा कि आगे किसी तरह के हमलों को रोकने के लिए उंगुवान मंतौ शहर में सेना और पुलिस को तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि बंदूकधारी अक्सर बरसात के मौसम में खेतों में फसलों के बीच छिपकर हमले करते हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

हम दक्षिण कोरिया को कभी कूटनीतिक साझेदार के रूप में नहीं देखेंगे

सियोल,(ईएमएस)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा है कि उनका देश कभी भी दक्षिण कोरिया को कूटनीतिक बातचीत के लिए एक साझेदार के रूप में नहीं देखेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को उनके इस बयान को सियोल की ओर से संबंध सुधारने की नई कोशिशों पर ताजा टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। किम जोंग उन की विदेश नीति के शीर्ष अधिकारियों में से एक किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के जारी सैन्य अभ्यास को हमले की तैयारी बताया और कहा कि शांति की कोशिशों के पीछे सियोल की उत्तर कोरिया के खिलाफ ''बुरी मंशा छिपी'' है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यह टिप्पणी मंगलवार को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान की। इस बैठक में उन्होंने विरोधियों से लगातार खतरों और तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच अपने भाई की कूटनीतिक रणनीतियों पर चर्चा की। इससे पहले सोमवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निंदा की थी, साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया।दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया था। दोनों देशों का यह अभ्यास परमाणु-हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने की तैयारियों का हिस्सा है। 11 दिवसीय यह अभ्यास साल में दो बार होने वाले बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास में से दूसरा है। इसमें 21,000 सैनिक शामिल हैं, जिनमें 18,000 दक्षिण कोरियाई हैं और इसमें कंप्यूटर-आधारित कमांड पोस्ट संचालन और मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं। दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि यह अभ्यास रक्षात्मक है, लेकिन उत्तर कोरिया लंबे समय से इन्हें हमले की तैयारी बताता आया है और अक्सर ऐसे मौकों पर हथियार परीक्षण करता है।

ट्रंप चहेती सेक्रेटरी ने किया ऐलान कहा अमेरिका ने लगाए भारत पर प्रतिबंध, बढ़ा संशय

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेहेती सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर प्रतिबंध लगाया। वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी लेविट का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नेरूस-यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए ही भारत पर प्रतिबंध लगाए हैं। लेविट का कहना है कि मॉस्को पर दबाव डालने के लिए यह कदम उठाया गया है। अब सवाल है कि ट्रंप की चहेती सेक्रेटरी से गलती से ये शब्द निकले हैं या असल में मंशा यही है। कारण कि अमेरिका ने अब तक भारत पर कोई सैंक्शन यानी प्रतिबंध नहीं लगाए हैं।अमेरिका ने तो केवल 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाए हैं। ऐसे में एक और सवाल है कि क्या अमेरिका टैरिफ से दो कदम आगे बढ़कर भारत पर प्रतिबंध लगाने की सोच रहा है?वाइट हाउस की सेक्रेटरी की बातों से अब दो चीजें स्पष्ट होती हैं। या तो सैंक्शन यानी प्रतिबंध वाली बात गलती से सेक्रेटरी के मुंह से निकली या फिर यह अमेरिका की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है? भारत पर एक्स्ट्रा 25 फीसदी टैरिप लगाने को लेकर अमेरिका ने रूसी तेल खरीद का तर्क दिया है। अमेरिका का आरोप है कि भारत के तेल खरीदने से रूस की युद्ध मशीन को ईंधन मिलता है। यानी तेल के पैसों से रूस यूक्रेन जंग लड़ रहा है। अमेरिका का कहना है कि भारत रूस का दूसरा सबसे बड़ा तेल ग्राहक है। हालांकि, भारत ने भी अमेरिका को साफ-साफ सुना दिया था।ट्रंप के टैरिफ पर भारत झुका नहीं है। भारत ने करारा जवाब दिया है। भारत ने तो साफ कह दिया है कि भारत अपने किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही रूसी तेल पर भी भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों की पोल खोली है। भारत ने साफ कहा है कि रूस के साथ अमेरिका के खुद कारोबारी रिश्ते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के एक्स्ट्रा टैरिफ को अनुचित और तर्कहीन करार दिया है।

ये कैसी शांतिवार्ता, यूक्रेन ने हमला कर रूस की कर दी बिजली गुल

वाशिंगटन,(ईएमएस)। रुस और यूक्रेन के बीच शांति बहाली के लेकर इधर प्रयास चलते रहे उधर यूक्रेन ने रुस पर बीती रात हमला करके बिजली गुल कर दी। यह जानकारी मॉस्को की ओर से नियुक्त गवर्नर येवगेनी बालित्स्की ने दी। जापोरिजिया क्षेत्र का अधिकांश भाग रूस के नियंत्रण में है, लेकिन यूक्रेन अब भी प्रशासनिक केंद्र को नियंत्रित करता है और समय-समय पर हमलों से रूसी कब्जे वाले इलाकों की बिजली बाधित करता रहता है। बालित्स्की ने कहा कि हाई-वोल्टेज उपकरणों पर दुश्मन के आतंकवादी ड्रोन हमले के कारण यह बिजली कटौती हुई। जून में भी इसी तरह के हमले में करीब 7 लाख लोगों की बिजली 24 घंटे से ज्यादा समय तक गुल रही थी, जो अब तक का सबसे बड़ा हमला माना गया। रूसी कब्जे में स्थित ज़ापोरिजिया परमाणु संयंत्र यूरोप का सबसे बड़ा है।रूस ने भी मंगलवार रात यूक्रेन के केंद्रीय शहर क्रेमेनचुक पर बड़ा हमला किया, जिससे शहर के ऊपर धुएं का घना गुबार छा गया। स्थानीय

मेयर विताली मालेत्स्की ने कहा कि यह हमला दर्शाता है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति नहीं चाहते। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक यह अगस्त का अब तक का सबसे बड़ा हमला था। रूस ने 270 ड्रोन और 10 मिसाइलें दागीं, जिनमें से 230 ड्रोन मार गिराए गए, लेकिन 16 स्थानों पर हमले सफल रहे। क्रेमेनचुक और अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया गया, जिससे बड़ी आग लगी और करीब 1,500 घरों की बिजली चली गई। रूस ने दावा किया कि उसने यूक्रेन की सेना को सप्लाई देने वाली एक तेल रिफाइनरी पर हमला किया।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब यूक्रेन में सीजफायर की मांग छोड़ दी है। इसके बजाय वे अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उस प्रस्ताव का समर्थन कर रहे हैं, जिसमें वह एक स्थायी शांति समझौता चाहते हैं। हालांकि, कुछ यूरोपीय नेता अब भी पहले एक अस्थायी युद्धविराम की मांग कर रहे हैं, भले ही ट्रंप को अब इसकी जरूरत नहीं लगती। यूक्रेन और यूरोपीय देश शांति चाहते हैं लेकिन उनका कहना है कि दुनिया के सबसे बुनियादी नियम को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि कोई देश ताकत के बल पर कुछ भी कर सकता है।

ऑस्ट्रिया-स्विट्जलैंड ने की शांतिवार्ता की पेशकश

स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया ने मंगलवार को कहा कि अगर यूक्रेन में शांति वार्ता के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आते हैं, तो वे उन्हें अपने देश में आने की अनुमति देंगे। इन दोनों देशों ने कहा है कि भले ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है, लेकिन वे वार्ता कराने के लिए तैयार हैं। स्विस विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कासिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कुछ शर्तों के तहत पुतिन को स्विट्ज़रलैंड में कदम रखने की अनुमति दी जा सकती है। ऑस्ट्रिया की ओर से भी कहा गया है कि अगर उसके देश में यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता होती है, तो वह अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से संपर्क करेगा ताकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भागीदारी संभव हो सके।

मास्को में आज भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे जयशंकर

मास्को,(ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को मास्को में भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर चर्चा होगी, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करना है।द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित यह सत्र 19 से 21 अगस्त तक रूस की उनकी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।विदेश मंत्री भारत-रूस व्यापार मंच को भी संबोधित करेंगे, जहां दोनों पक्ष व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के अवसरों पर विचार-विमर्श करेंगे। जयशंकर की यह यात्रा रूसी संघ के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस यात्रा के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, डॉ एस जयशंकर 19-21 अगस्त 2025 को रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे और 20 अगस्त 2025 को होने वाले भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26 वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे।

ट्रंप ने यूक्रेन को दिया झटका, अमेरिकी सेना भेजने से किया इनकार

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को शांतिदूत बताते हुए लगातार बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन किया, फिर वाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय नेताओं से मुलाकात की। इस अहम बैठक के बाद ट्रंप ने दो महत्वपूर्ण बातें कही। पहली ये कि वे पुतिन और जेलेंस्की की आमने-सामने बैठक की व्यवस्था कर रहे हैं। दूसरी- शांति समझौते के बाद यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों से सुरक्षा गारंटी मिलेगी। हालांकि, ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वे अमेरिकी सेना को यूक्रेन की धरती पर नहीं उतारेंगे, बल्कि हवाई सुरक्षा प्रदान करेंगे।2022 में रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन को अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता के कट्टर आलोचक रहे ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देश किसी भी समझौते को सुरक्षित करने के लिए अपनी सेना को जमीन पर उतारने को तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि फ्रांस, जर्मनी, यूके जैसे कुछ देश जमीन पर सेना उतारना चाहते है। हम उनकी मदद

करने को तैयार हैं, खासकर हवाई मार्ग से। जब उनसे पूछा गया कि अमेरिकी सेना नहीं भेजने का क्या आश्वासन है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि आपको मेरा आश्वासन है, मैं राष्ट्रपति हूं। वहीं, वाइट हाउस ने भी ट्रंप के बयानों का समर्थन किया। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया से कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिकी सेना यूक्रेन में जमीन पर नहीं होगी, और अमेरिकी वायु शक्ति का उपयोग एक विकल्प और संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि पुतिन ने ट्रंप से ज़ेलेंस्की से मिलने का वादा किया है, और शीर्ष अमेरिकी अधिकारी एक शिखर सम्मेलन के लिए रूस के साथ समन्वय कर रहे हैं। मंगलवार को वाशिंगटन में अमेरिका और यूरोप के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने यूक्रेन शांति समझौते की प्रक्रिया पर चर्चा की। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी नेता समझौते पर जोर दे रहे हैं। शीर्ष अमेरिकी अधिकारी जनरल डैन केन ने यूक्रेन शांति समझौते के सर्वोत्तम विकल्पों पर यूरोपीय सैन्य प्रमुखों के साथ मंगलवार शाम बातचीत की। यह चर्चा नाटो के 32 सदस्य देशों के सैन्य प्रमुखों की बुधवार को होने वाली वर्चुअल बैठक से पहले हुई।

ऑपरेशन सिंदूर से हुई तबाही को छिपा रहा पाक, आर्मी चीफ मुनीर अपने ही लोगों को बना रहे बेवकूफ

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सामने गिड़गिड़ाने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख विदेश जाकर अपनी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने बेल्जियम में कहा कि उन्होंने भारत को सीजफायर की मांग करने पर मजबूर किया। भारत ने खुले मंच पर साफ कहा है कि पाकिस्तान में तबाही के बाद पाक के ही डीजीएमओ ने संपर्क किया था। पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग रखी जिसे भारत ने मान ली थी। भारत ने कहा है कि दोनों देशों के युद्धविराम में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 11 अगस्त को बुसेल्स में आयोजित एक कार्यक्रम में पाक सेना प्रमुखा असीम मुनीर ने दावा किया था कि भारत ने पहले युद्धविराम की पहल की थी। इस कार्यक्रम में करीब 500 लोग मौजूद थे। वहीं किसी को भी मोबाइल फोन या फिर रिकॉर्डिंग डिवाइस ले जाने की इजाजत नहीं थी। इस कार्यक्रम में करीब 40 मिनट तक मुनीर अपने मुंह मियां मिट्ठू बनते रहे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने भारतीय विमान मार गिराए और मुंहतोड़ जवाब दिया।मुनीर ने कहा कि भारत केवल संवेदना के लिए खुद को आतंकवाद का शिकार बताता है जबकि भारत खुद पाकिस्तान में सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है। मुनीर ने कहा कि भारत के पास ट्रंप के दखल और सीजफायर के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। यह पहली बार नहीं है जब मुनीर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दावे किए हैं। बीते दिनों वॉशिंगटन में भी मुनीर ने इस तरह की बयानबाजी की थी। अमेरिका में उन्होने यहां तक कहा था कि पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश है और अगर हम हारने लगे तो आधी दुनिया को साथ लेकर जाएंगे। भारत ने पाकिस्तान के दावों की पोल खोलते हुए कहा कि वह विदेशी सहयोग के लिए ही परेशान रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र का नामोनिशान नहीं है।

भारत ने यूएनएससी में उठाया हिन्दू महिलाओं के साथ यौन हिंसा का मामला, पाक हुआ शर्मसार

जेनेवा(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने एक बार फिर हिंदू महिलाओं के साथ पाकिस्तान में हो रही यौन हिंसा का मामला उठाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रभारी एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने इस दौरान पाकिस्तान में 1971 से लेकर अब तक अल्पसंख्यक (हिन्दू) महिलाओं के खिलाफ हो रही यौन हिंसा का मुद्दा उठाया। 'संघर्ष से जुड़ी यौन हिंसा' पर आयोजित ओपन डिबेट में कहा कि पाकिस्तान सेना ने 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में लाखों महिलाओं पर जो यौन अत्याचार किए, वह आज भी पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के खिलाफ जारी हैं।पुन्नूस ने यह भी कहा कि भारत घरेलू स्तर पर भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीति लागू कर चुका है, जिसे अन्य देश भी अपना सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने लगभग 1.2 अरब डॉलर का निर्भया फंड बनाया है, जो

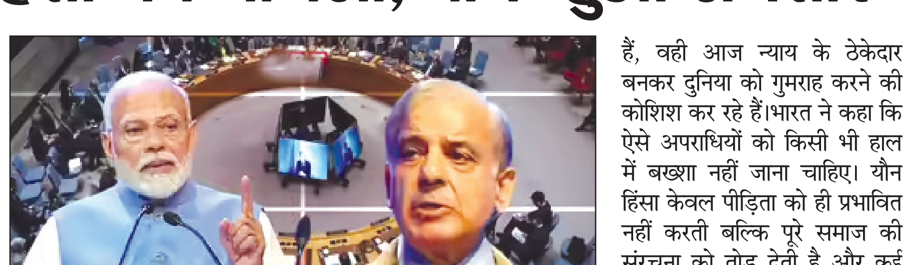

महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल, तेज न्याय और संकट सहायता सुनिश्चित करता है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरे देश में इमरजेंसी नंबर 112 की सुविधा दी गई है। प्रत्येक जिले में स्थापित सखी वन-स्टॉप सेंटर पीड़िताओं को पुलिस सहायता, चिकित्सा, कानूनी मदद और आश्रय जैसी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा तेज जांच और फास्ट-ट्रैक कोर्ट के ज़रिए दोषियों को सजा सुनिश्चित की जाती है।पुन्नूस ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि जिस तरह 1971 में पाकिस्तानी सेना ने यौन अपराध किए, उसी तरह आज भी वहां महिलाओं का अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन, बाल विवाह, यौन हिंसा और तस्करी जैसी घटनाएं अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की न्यायपालिका भी इन जघन्य अपराधों को मान्यता देती है, जिससे अपराधियों को संरक्षण मिलता है। उन्होंने कहा कि जो लोग इन अपराधों में शामिल हैं, वही आज न्याय के ठेकेदार बनकर दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।भारत ने कहा कि ऐसे अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। यौन हिंसा केवल पीड़िता को ही प्रभावित नहीं करती बल्कि पूरे समाज की संरचना को तोड़ देती है और कई पीढ़ियों तक इसके गहरे निशान छोड़ती है। पुन्नूस ने जोर देकर कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें अपराधियों को सजा दिलाना, पीड़िताओं को न्याय, सुरक्षित आश्रय, स्वास्थ्य सेवाएं, मनोवैज्ञानिक सहयोग और पुनर्वास शामिल हों। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के ट्रस्ट फंड में शुरुआती योगदान देकर इस मुद्दे पर अपनी गंभीरता दिखाई। पुन्नूस ने कहा कि भारत ने 2017 में महासचिव के साथ स्वैच्छिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, ताकि शांति अभियानों में यौन शोषण और हिंसा को खत्म किया जा सके।

चीन में 75 वर्षीय बुज़ुर्ग को चैटबॉट से हो गया प्यार, फिर क्या पत्नी को तलाक देने को तैयार

बीजिंग (ईएमएस)। पिछले कुछ महीनों से दुनियाभर में एआई का हल्ला मचा हुआ है। घर से लेकर कंपनियों तक में एआई का असर महसूस कर रही है। अब यह तकनीक लोगों की पर्सनल लाइफ में भी अपनी जगह बना रही है। चीन में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग को एक एआई चैटबॉट से प्यार हो गया और वह इसके लिए अपनी पत्नी को तलाक देना चाहता है। यह सुनकर उसके घर वाले भी परेशान हुए और उन्होंने बड़ी मुश्किल से बुजुर्ग को मनाया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक 75 वर्षीय बुजुर्ग का नाम जियांग है और वहां रोजाना घंटो चैटबॉट से बातें करते हैं। चैटबॉट ने प्रश्नों के उत्तर में जियांग की खूब तारीफ की और इसकारण उन्हें उससे प्यार हो गया। जियांग को घंटों फोन पर लगा देखकर एक दिन उनकी पत्नी ने उनसे इस बारे में सवाल किया। जियांग ने इसका ऐसा जवाब दिया कि उनके घर के सब लोग हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि वह अपने ऑनलाइन पार्टनर के साथ प्यार में हैं और अपनी पत्नी को तलाक देना चाहते हैं। यह सुनकर उनकी पत्नी और बच्चे परेशान हो गए।जियांग की चैटबॉट से चैटिंग की लत से घर वाले परेशान हो गए। बात जब तलाक तक पहुंच गई, तब उनके बड़े बेटों को बीच-बचाव करना पड़ा। उन्होंने बड़ी मुश्किल से जियांग को समझाया। उन्होंने बताया कि वहां फोन पर जिससे बात करते हैं, वह कोई इंसान नहीं बल्कि प्रोग्राम किया गया चैटबॉट है। इसके बाद जियांग को यह बात समझ आई और वे तलाक की बात से पीछे हटे।

ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में 16 देशों की 280 टीमें ले रही भाग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में दुनिया भर के 16 देशों से आई 280 टीमें और 500 से ज्यादा रोबोट्स हिस्सा ले रहे हैं। इन खेलों में बास्केटबॉल, फुटबॉल, रेसिंग और किक बॉक्सिंग जैसे 26 खेल शामिल हैं। आयोजन की शुरुआत 1500 मीटर की रेस से हुई, जिसमें चीन की मशहूर कंपनी यूनिट्री रोबोटिक्स का रोबोट विजेता बना। यूनिट्री रोबोटिक्स के एच1 मॉडल ने रेस में पहला और तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि बीजिंग की कंपनी एक्स-ह्यूमनॉइड का टिएन कुंग अल्ट्रा रोबोट दूसरे स्थान पर रहा। एच 1 रोबोट की कीमत लगभग 6.5 लाख युआन (करीब 80 लाख रुपये) बताई जा रही है।यही रोबोट इस साल चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में डांसर्स के साथ पारंपरिक नृत्य कर चुका है। खेलों में रोबोट्स का प्रदर्शन दर्शकों के लिए रोमांचक रहा। फुटबॉल मैच में कई रोबोट्स ने गेंद पर किक मारने की कोशिश की, लेकिन कुछ संतुलन खोकर गिर गए, जिन्हें इंसानों की मदद से मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। किक बॉक्सिंग में रोबोट्स ने ग्लव्स पहनकर मुकाबला किया, जो काफी दिलचस्प रहा। इसके अलावा, पॉप म्यूजिक पर रोबोट्स का डांस परफॉर्मेंस भी दर्शकों को खूब पसंद आया। इस प्रतियोगिता में केवल बड़ी कंपनियां ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों के छात्र भी शामिल हुए। शेडोंग जियाओटोंग यूनिवर्सिटी की एक टीम ने मात्र 50,000 युआन के बजट में अपना रोबोट तैयार किया, जिसने बास्केटबॉल इवेंट में हिस्सा लिया। हालांकि, तकनीकी खामियां भी देखने को मिलीं। कई रोबोट्स शुरुआत में ही दौड़ पूरी नहीं कर पाए, कुछ स्टार्टिंग लाइन से आगे नहीं बढ़े। शेडोंग की योबोटिक्स कंपनी का जिंगझे ताइशान रोबोट गिरने के बाद उसका हाथ टूट गया, लेकिन उसने दौड़ पूरी कर सबका दिल जीत लिया। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन रोबोट्स की क्षमताओं को परखने और उनकी सीमाओं को समझने का एक बड़ा मंच है।

वैज्ञानिकों ने की सिजोफ्रेनिया की बीमारी से जुड़े जीन की खोज

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने सिजोफ्रेनिया की बीमारी से जुड़े आठ नए जीन की खोज की है, जिससे भविष्य में इसके उपचार और समझ को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों ने इस महत्वपूर्ण अध्ययन में प्रोटीन-कोडिंग जीन में दुर्लभ और उच्च-प्रभाव वाले उत्परिवर्तनों (म्यूटेशन) पर ध्यान केंद्रित किया। ये म्यूटेशन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित मरीजों में सामान्य पाए गए। शोध में दो प्रमुख जीन स्टेज1 और जीएनएफ 136 की पहचान की गई, जिनके बारे में मजबूत आनुवंशिक सबूत मिले हैं। इसके अलावा छह अन्य जीन एसएलसी6ए1, केएलसी1, पीसीएलओ, झेडएमवायएनडी11, बीएचसीएल2 और सीजीआरआरएफ से भी अपेक्षाकृत मध्यम स्तर का संबंध पाया गया। इनमें से एसएलसी6ए1 और केएलसीज1 पहले ऐसे जीन हैं, जो केवल मिसेंस वेरिएंट के जरिए सिजोफ्रेनिया से जुड़े पाए गए।यह एक विशेष प्रकार का म्यूटेशन है, जिसमें प्रोटीन के अमीनो-एसिड अनुक्रम में बदलाव आ जाता है। कार्डिफ विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट की छात्रा सोफी चिक ने कहा कि ये निष्कर्ष बेहद अहम हैं, क्योंकि ये दिखाते हैं कि सिजोफ्रेनिया कोशिकाओं के डीएनए संगठन में बदलाव और मस्तिष्क कोशिकाओं द्वारा जीएबीए (जीएबीए) नामक रसायन का उपयोग करके संचार करने के तरीके में व्यवधान से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने बताया कि ये परिणाम सिजोफ्रेनिया के जटिल तंत्रिका जीव विज्ञान की समझ को और गहरा करते हैं तथा दवा खोज और बेहतर उपचार की दिशा में नई उम्मीद जगाते हैं। इस अध्ययन में 28,898 सिजोफ्रेनिया मरीजों, 1,03,041 स्वस्थ व्यक्तियों और इस बीमारी से प्रभावित 3,444 परिवारों के आनुवंशिक डेटा का गहन विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन विशिष्ट जीन्स की पहचान करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह सफलता सिजोफ्रेनिया और अन्य तंत्रिका-विकास संबंधी (न्यूरोडेवलपमेंटल) बीमारियों के बीच साझा आनुवंशिक जड़ों को और मजबूत सबूत प्रदान करती है। मुख्य लेखक और कार्डिफ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. इलियट रीस का कहना है कि हालांकि इन आनुवंशिक खोजों को व्यावहारिक उपचार में बदलने में समय लगेगा, लेकिन ये परिणाम भविष्य में दवा विकास और लक्षित उपचारों के लिए नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं।

एशिया कप : रिंकू सहित इन चार खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में जगह मिलने की संभावना नहीं

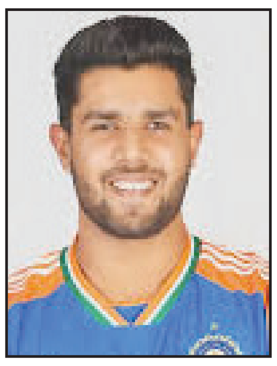

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशिया कप के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा हुई है। 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें टीम में जगह तो मिल गयी है पर अंतिम ग्यारह में जगह मिलना संभव नहीं दिखता। ये हैं रिंकू सिंह, हर्षित राणा और संजू सैसमसन।

रिंकू सिंह और शिवम पांडेः रिंक एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं पर उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाना इसलिए कठिन है क्योंकि टीम संयोजन इससे बिखर जाएगा। टीम के पास पहले से ही हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल जैसे फिनिशर हैं। ऐसे में रिंकू और शिवम को तभी जगह मिली सकती है जब कोई खिलाड़ी फिटनेस कारणों से बाहर हो जाये। वहीं हार्दिक जैसे ऑलराउंडर के होते शिवम को किसी भी प्रकार से जगह मिलना संभव नहीं है।

हर्षित राणाः तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह अंतिम ग्यारह में पक्की है। ऐसे में हर्षित को शायद ही जगह मिले क्योंकि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभा सकते।

बैक अप्सः संजू सैमसन, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, हर्षित राणा

एशिया कप के लिए भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव

एशिया कप से सिराज को बाहर रखना गलत : हरभजन

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज मोहम्म सिराज को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने पर निराशा जतायी है। हरभजन ही नहीं कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी सिराज को बाहर रखे जाने पर नाराजगी जतायी है। एशिया कप का यह संस्करण टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। सिराज ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत के लिए आखिरी बार टी20 मैच खेला था। इसके बाद से वह टी20 के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि सिराज का नाम भी शामिल होने चाहिए। सिराज ने हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त हुई सीरीज में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने इंग्लैंड में काफी गेंदबाजी की भी पिछले कुछ दिनों में उन्हें आराम भी मिल गया है। इसलिए उन्हें रखा जा सकता है। अगर वह टीम में होते, तो टीम मजबूत दिखती। गेंदबाजी ईकाई बहुत मजबूत दिखती। मुझे लगता है कि सिराज जो एक्स फैक्टर लेकर आते हैं, वो कहीं दिख नहीं रहा। इससे पहले चयन समिति मुंबई ने टीम की घोषणा में सिराज को आराम दिये जाने की बात कही। वह इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट मैच खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे और उन्होंने सीरीज में कुल 185.3 ओवर गेंदबाजी की। उन्हें इस साल चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी

सात बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ यूएई जाएगी भारतीय टीम

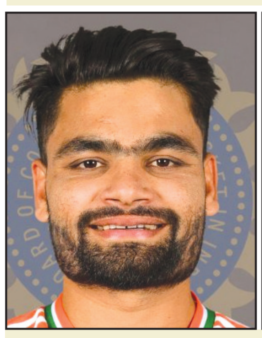

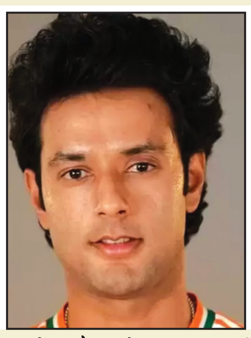

मुम्बई (ईएमएस)। 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए घोषित 15 सदस्यीय भारतीय स्क्वॉड काफी अच्छी नजर आती है। इसमें सात बाएं हाथ के खिलाड़ियों को भी 15 सदस्यीय दल में रखा गया है। चयन समिति ने छह-छह लेफ्ट हैंडर्स के साथ-साथ तीन धाकड़ यूएई की धीमी पिच से स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए तीन विश्व स्तर के स्पिनर भी टीम में शामिल हैं। टीम के पास हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे बेहतरीन ऑलराउंडर भी हैं। यूएई की पिच काफी धीमी मानी जाती है। ऐस में यहां स्पिनरों को काफी टर्न मिलता है और बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होता। ऐसे में बांए हाथ वाले बल्लेबाज अहम भूमिका निभाते हैं क्योंकि स्पिनर्स की लय खराब करना उन्हें अच्छी तरह से आता है। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

एशिया कप हॉकी में भाग नहीं लेगी पाकिस्तान टीम : एशियाई महासंघ

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने कहा है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरु होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंटे में भाग नहीं लेगी। हॉकी महासंघ के अनुसार पाक हॉकी महासंघ ने सुरक्षा कारणों से टीम भेजने से इंकार कर दिया है। की पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और एशियाई हॉकी महासंघ को इसकी जानकारी दे दी थी। उसका कहना है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए भारत में टीम भेजना संभव नहीं है। राजगीर में 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाले एशिया कप में अब पाकिस्तान की जगह बंगलादेश को शामिल किया गया है। एशिया कप 2025 की चैंपियन टीम को नीदरलैंड और बेल्जियम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले 2026 एफआईएच हॉकी विश्वकप के लिए भी सीधा प्रवेश मिलेगा। पाकिस्तान को इसमें भाग नहीं लेने से अब विश्वकप के लिए सीधे प्रवेश नहीं मिलेगा। हैं।

यूक्रेनी एथलीट बेख रोमानुक को टेस्टटोस्टेरॉन के लिए पॉजिटिव पाये जाने के बाद चार साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।

शुभमन को उपकप्तान बनाने का कारण सामने आया

सूर्यकुमार के उत्तराधिकारी के लिए तैयार कर रहा बोर्ड

मुम्बई (ईएमएस)। अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के लिए बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने से साफ हो गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति उन्हें भविष्य में कप्तानी संभालने के लिए तैयार करना चाहती है। इसी कारण यशस्वी जायसवाल की जगह उन्हें टीम में शामिल किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को चयनकर्ताओं ने यशस्वी के मुकाबले अधिक वरीयता दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार 25 साल के शुभमन ने भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए 700 से ज्यादा रन बनाये थे। भारतीय टीम ने सीरीज में भी वापसी करते हुए उसे 2-2 पर रोक दिया था। इसी को देखते हुए गंभीर और चयनकर्ता उन्हें अब टी20 में भावी कप्तान के रूप में तैयार करना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्हें अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान बनाया गया है।

सूर्यकुमार अब 35 साल के होने के करीब हैं। जिसको देखते हुए भी शुभमन को उनके साथ उप-कप्तान के रूप में शामिल करने किया गया है। जिससे वह भविष्य में इस प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकें। गौरतलब है कि शुभमन ने अब तक 21 टी20 मैच खेले हैं।

उन्होंने पिछले साल हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों में भारत की कप्तानी की थी और उनमें से चार में जीत हासिल की थी। वहीं सूर्यकुमार ने अब तक 23 टी20 अंतरराष्ट्री मैचों में भारत की कप्तानी करते हुए 18 मुकाबले जीते है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम केवल 4 मैच ही हारी है।

पृथ्वी ने बुची बाबू टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की ओर पहले ही मैच में शतक लगाया

चेन्नई (ईएमएस)। लंबे समय से खराब फार्म से परेशान पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए बुची बाबू इनविटेशनल टूर्नामेंट में शतक लगाया है। पृथ्वी ने कुछ दिन पहले ही मुंबई टीम को छोड़ा था। पृथ्वी की शानदार बल्लेबाजी से महाराष्ट्र की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ 200 रन ही पार कर पाई। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंद में 111 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया। इससे महाराष्ट्र ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 217 रन बनाए। वहीं छत्तीसगढ़ की पहली पारी में 252 रन बना पायी थी।

पृथ्वी ने सचिन धास के साथ पहले विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की पर इसके बाद चार विकेट जल्दी-जल्दी खो दिये। ऋतुराज गायकवाड़ और अंकित बावने के जल्दी आउट होने के बाद पृथ्वी ने पांचवें विकेट के लिए सिद्धार्थ म्हात्रे के साथ 57 रन बनाये।

शतकीय पारी खेलते के बाद पृथ्वी शॉ ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी की सहानुभूति नहीं चाहते हैं। पृथ्वी के लिए पिछला समय अच्छा नहीं रहा है। इस क्रिकेटर ने कहा , मुझे फिर से शुरूआत करने में कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं। मैं एक बहुत ही आत्मविश्वासी इंसान हूं, मुझे अपने पर, अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसा है। मुझे उम्मीद है कि यह सत्र मेरे और मेरी टीम के लिए वाकई अच्छा रहेगा।

बुमराह के समर्थन में उतरे चेतन शर्मा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और चयन समिति के प्रमुख रहे चेतन शर्मा ने कहा है कि कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड दौरे में केवल तीन मैच ही खेलने के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की आलोचना करना ठीक नहीं है। चेतन ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि उनका फैसला सही था।

जब फिजियो ने उन्हें सावधानी रखने को कहा है तो उसकी बात माननी चाहिये क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझ सकते हैं। बुमराह पांच मैच की एंडरसन-तेंदुलरकर ट्रॉफी के दौरान पहले, तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले थे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये किसी मरीज के डॉक्टर की सलाह मानने की तरह है। साथ ही कहा कहा, ''अगर मेडिकल टीम सलाह देती है, अगर डॉक्टर मुझे कहता है कि मुझे एंटीबायोटिक खाने होंगे तो मुझे ऐसा करना होगा , इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, ''यदि हमारे फिजियो किसी खिलाड़ी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं।''तेज गेंदबाज रहे चेतन ने कहा कि इंग्लैंड में टेस्ट टीम के प्रदर्शन को देखकर उन्हें भरोसा हो गया है कि टीम अगले महीने यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप 2025 को भी जीतेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि जो भी चुना जाएगा वह देश के लिए सर्वश्रेष्ठ ही होगा। मुझे भारत के इंग्लैंड में प्रदर्शन पर बेहद गर्व है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम एशिया कप जरूर जीतेंगे।''

ऑस्ट्रेलिया को है स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की तलाश

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था।

इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए।

हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है। उसके पास हेनरिक क्लासेन की जगह मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज है, जो टी20 में धाक जमान के बाद वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करेगा।

ला लिगा लीग : एमबाप्पे के गोल से रियाल मैड्रिड ने ओसासुना को हराया

मैड्रिड (ईएमएस)। स्टार फुटबॉलर काइलियन एमबाप्पे के शानदार गोल से रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले ही मैच को जीत लिया है। एमबाप्पे ने अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी के जरिये ये गोल दागा। इससे उनकी टीम ने ला लिगा लीग के अपने पहले मैच में ओसासुना क्लब को 1-0 से पराजित किया। एमबाप्पे पिछले सत्र में ही रियाल में आये हैं। एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। । एमबाप्पे ने पिछले सत्र में भी अपनपे क्लब की तरफ से सबसे अधिक गोल किये थे और ये ही प्रदर्शन उन्होंने बनाये रखा। रियाल मैड्रिड ने इस प्रकार नए सत्र की जीत से शुरुआत की है। वहीं एक अन्य मुकाबले में बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का को 3-0 हराया। गत सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। वहीं ओसासुना नौवें स्थान पर रहीं थी।

रोहित ही रहें 2027 एकदिवसीय विश्वकप तक कप्तान : रायुडू

हैदराबाद (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि एकदिवसीय विश्व कप 2027 के लिए रोहित शर्मा को ही भारतीय टीम का कप्तान रहना चाहिये। रायुडू ने कहा है कि वह साल 2027 तक खेलने के लिए फिट नजर आते हैं। रायुडू के अनुसार विश्व कप जिताने की क्षमता रोहित में है। वह काफी अनुभवी हैं और विश्व कप के लिए ऐसे ही खिलाड़ी की जरुरत है। रायुडू ने कहा, "आपको देखना होगा कि कौन आपको विश्व कप जिता सकता है। अगर रोहित की कप्तानी ऐसा कर सकती है, तो उन्हें 2027 तक कप्तानी जारी रखनी चाहिए। साथ ही कहा कि एकदिवसीय में अब भी रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता, उनकी कप्तानी, उनकी बल्लेबाजी और उनका आत्मविश्वास बेहद अहम हैं। इसलिए मेरे अनुसर 2027 के विश्व कप में रोहित को ही कप्तान होना चाहिए।"

रोहित ने अब तक भारतीय टीम को दो बार आईसीसी ट्रॉफी में जीत दिलायी है। 2024 का टी20 वर्ल्ड कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी कप्तानी में भारत जीता है। हालांकि, 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम हारी थी पर टी20 विश्वकप ओर चैम्पियंस ट्रॉफी जीतना भी बड़ी उपलब्धि है। रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि वह 2027 विश्व कप तक अपनी फिटनेस कैसे बनाये रख पायेंगे क्योंकि तब तक उनकी उम्र भी 39 साल के करीब हो जाएगी।

श्रेयस और यशस्वी को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी बाहर करना दुखद : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने एशिया कप के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। अश्विन ने कहा कि श्रेयस को शामिल नहीं किया जाना दुखद है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। अश्विन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी बाहर रखे जाने पर भी सवाल उठाया है और कहा है कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन के बाद भी जगह नहीं मिलना समझ से परे है।

अश्विन ने कहा, 'चयन ऐसा काम है जिसमें कोई तो बाहर रहेगा ही। जब आप उनसे बात करते हैं तो उनके चेहरों की निराशा और दुख को महसूस कर सकते हैं। उम्मीद है कि किसी ने श्रेयस और जायसवाल से बात की होगी।'

अश्विन ने कहा, 'जब आपके पास तीसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी है तो भी आप शुभमन गिल को लेकर आए। मैं शुभमन के लिए खुश हूं पर श्रेयस और यशस्वी के लिए दुखी हूं। दोनों के साथ अच्छा नहीं हुआ।'

उन्होंने कहा, 'श्रेयसा ने टीम से बाहर होने के बाद भी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। अगर श्रेयस को बाहर किये जाने का जवाब यह है कि शुभमन शानदार फॉर्म में है तो श्रेयस भी है। इसलिए उसे भी जगह मिलनी चाहिये थी। यशस्वी इंग्लैंड में अंतिम मैच में कठिन पिच पर शानदार पारी खेली थी इसके बाद भी उसे बाहर कर दिया गया। 'अश्विन ने कहा, 'श्रेयस की क्या गलती है। उसने केकेआर को आईपीएल जिताया. उसे नीलामी में भेज दिया गया. उसके बाद वह 2014 के बाद पहली बार पंजाब को फाइनल तक ले गया। उसने शॉर्टगेंद की अपनी कमजोरी भी दूर कर ली। इसलिए मैं उसे और यशस्वी को शामिल नहीं किये जाने से निराश हूं। '

वहीं पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने भी चयनकर्ताओं के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह संकेत है कि अब टी20 क्रिकेट में श्रेयस के लिए काफी कम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'श्रेयस 20 सदस्यीय टीम में क्यो नहीं हैं। इससे साफ है कि वह भविष्य की योजनाओं को हिस्सा अब नहीं रहा।

पिछले टी20 विश्वकप के बाद से ही टीम में आये कई बदलाव

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है। अब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें काफी अंतर नजर आया है। टीम में रोहित शर्मा , विराट कोहली से सहित कई खिलाड़ी इस बार नहीं हैं। । भारतीय टीम टीम का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने यूएई में नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, इसके बावजूद कई बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। भारतीय टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व खिताब जीता था। रोहित की कप्तानी में भारतीयस टीम ने 17 साल बाद ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि चैंपियन बनने के साथ ही रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारतीय टीम टी20 प्रारूप में बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी, ऐसे में दोनों टीमों की तुलना की जाए तो कई खिलाड़ी भारतीय दल में जगह नहीं बना पाए हैं।टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में रोहित शर्मा कप्तान थे, जबकि हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया था पर करीब एक साल बाद एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव कप्तान हैं और शुभमन गिल उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें शुभमन पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में थे। पिछले टी20 विश्व कप और एशिया कप दल की तुलना की जाए, तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया है। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी स्क्वॉड में शामिल नहीं है। ऋषभ चोट के कारण टीम से बाहर हैं। जबकि सिराज को आराम दिया गया है। वहीं चहल को हटाया गया हैं, जबकि जायसवाल स्टैंबाय की सूची में हैं।टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने कुल पांच टी20 सीरीज खेली है, जिसमें चार में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की है।

बीएसएल के स्वर्ण जयंती स्मारक के नवीकृत स्वरुप का लोकार्पण

बोकारो नगरवासियों को समर्पित, बोकारो एयरपोर्ट के सामने स्थित "स्वर्ण जयंती स्मारक" के नवीकृत स्वरुप का लोकार्पण 20 अगस्त को बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) श्री कुंदन कुमार सहित वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

"स्वर्ण जयंती स्मारक" एवं इसके परिसर को आकर्षक रूप में विकसित किया गया है। इसमें बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था, पाथवे, हरित पेड़-पौधों और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह स्थान नगरवासियों को एक शांत, प्रेरणादायी एवं स्वास्थ्यप्रद वातावरण प्रदान करेगा।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र न केवल देश की औद्योगिक प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि नगर के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन को सशक्त बनाने में भी लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि "स्वर्ण जयंती स्मारक" आने वाले समय में बोकारो नगर के निवासियों के लिए स्वास्थ्य एवं सामुदायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार क्रांति के जनक थे स्व. राजीव गांधी : कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह

धनबाद, जोड़ापोखर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के आवासीय कार्यालय में श्रमिति अनुपमा सिंह के निर्देशानुसार भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी कि 81 वीं जयंती सद्भावना दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प लेकर मनाई।

स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा 18 वर्षीय युवाओं को दिए गए मताधिकार के अधिकार पर किए जा रहे वोट चोरी को रोकने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर संगोष्ठी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

उपस्थित लोगों ने स्व० राजीव गांधी के तैल्य चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेत्री श्रमिति अनुपमा सिंह बयान जारी करते हुए कहा कि राजीव गांधी सादगी, सरलता, एवं सौम्यता कि प्रतिमूर्ति थे। देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। सूचना एवं संचार क्रांति के जनक थे। युवा होने के नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मो और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय साम्राज्य और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना था। वे एक दूरदर्शी आदर्शवादी नेता थे। जिन्होंने भारत की विविध आबादी के बीच राष्ट्रीय एकीकरण शांति एवं सार्वजनिक सद्भाव के लिए कई प्रयास किये। मात्र 5 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने भारत की शिक्षा और अर्थव्यवस्था को उन्नत करने के उद्देश्य उद्देश्य से कई योजनाओं को लागू किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा योजनाओं में सुधार और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की स्थापना की।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रणाली जो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए निःशुल्क आवासीय कक्षा 6 से लेकर 12वीं तक निःशुल्क प्रदान करती है आज मिल का पत्थर साबित हो रहा है। दूरसंचार विकास उनके प्रयास के परिणाम स्वरुप 1986 में एमटीएनएल महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की स्थापना की और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन का विस्तार करने के लिए सार्वजनिक काल कार्यालय पी सी ओ बनवाए गए। कांग्रेस नेता मुख्तार खान ने कहा युवा सशक्तिकरण युवाओं की भागीदारी मतदान में सुनिश्चित करने के लिए 21 वर्ष को घटकर 18 वर्ष की तथा युवाओं के रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए जवाहर रोजगार योजना जैसी कई योजनाओं को लागू किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम गोपाल भुवानिया, प्रदेश आमंत्रित सदस्य धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मुख्तार खान, जिला उपाध्यक्ष अक्षयवर प्रसाद, बंमभोली सिंह ,सतपाल सिंह ब्रोका, जिला महामंत्री किशोर कुमार ,फैयाज अहमद अब्दुल अजीज तपन सरकार , इंद्रजीत सिंह रौनक सिन्हा, इंटक नेता संतोष कुमार सिंह, अनूप पासवान जयप्रकाश चौहान नयन चक्रवर्ती, राजू सिंह हरेंद्र ,जितेंद्र राकेश अरुण रवानी पप्पू कुमार महेंद्र कुमार आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

7 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस की तैयारी हेतु इप्टा की बैठक संपन्न

धनबाद, जमशेदपुर, भारतीय गैर सरकारी शिक्षक संघ सह समाज सेवी संस्था इप्टा की बैठक डॉक्टर शशी शेखर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आगामी 7 सितंबर 2025 दिन रविवार को 221 शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु बैठक की गई। जिसमें मुख्य रूप से मोतीलाल पब्लिक स्कूल, साकची में कार्यक्रम स्थल तय किया गया है। बैठक में, डॉक्टर परमानंद मोदी, रंजीत श्रीवास्तव, डॉक्टर नथुनी सिंह, एस डी प्रसाद, डीपी शुक्ला, एस एस मिश्रा, डॉक्टर शशी शेखर, आर बी निराला, प्रेम दीक्षित,गीता कुमारी, मनोज ठाकुर, ताहिर हुसैन, बबीता देवी, उमर खान, विशाल कुमार आदि उपस्थित थे।

थाना के समीप चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

गिरिडीह ।गिरिडीह मुफ्फसिल थाना के समीप आज बुधवार को यातायात पुलिस की ओर से सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान डीएसपी टू कौशर अली के नेतृत्व में शुरू किया गया, जिसमें ट्रैफिक इंस्पेक्टर दुग्गन टोपनो समेत कई पुलिस जवान शामिल रहे। जांच के दौरान विशेष रूप से दोपहिया वाहनों के चालकों का हेलमेट, लाइसेंस और कागजात की जांच की गई, वहीं चारपहिया वाहनों के चालकों की सीट बेल्ट की जांच की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों का चालान भी काटा गया। इस दौरान डीएसपी टू कौशर अली ने बताया कि गिरिडीह में आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दोपहिया चालकों के लिए हेलमेट और चारपहिया चालकों के लिए सीट बेल्ट जीवन की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। यदि लोग इन नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में होने वाली जानमाल की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगामी दिनों में ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें।

धनबाद, पारसनाथ रेलखंड में चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद, धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को धनबाद मंडल के धनबाद-पारसनाथ रेल खंड में सघन टिकट जांच की गई। ताकि कम दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सही टिकट लेकर यात्रा करने हेतु जागरूक किया जा सके। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 108 यात्रियों को पकड़ा गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे | इस दौरान उनसे 45,470 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई।

धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह दिया। साथ ही यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है, उसी श्रेणी में यात्रा करने की बात कही। उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार के ब्यूरो चीफ,आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबादएवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

एम पी एल कामगार यूनियन ने दी प्रबंधन को आर-पार की लड़ाई की दी चेतावनी

निरसा, (धनबाद), एम पी एल कामगार यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुदास भवन, पार्टी कार्यालय में महेश मंडल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में यूनियन के सदस्यों ने एम पी एल प्रबंधन के रवैये पर गहरा असंतोष व्यक्त किया और प्रबंधन को कड़ी चेतावनी दी।बैठक में चर्चा हुई कि बीते 2 अगस्त को यूनियन द्वारा 10 सूत्री मांगों के समर्थन में गेट जाम आंदोलन किया गया था। उस समय एम पी एल प्रबंधन ने लिखित रूप में आश्वासन दिया था कि तीन सप्ताह के भीतर बैठक आयोजित कर मांगों पर विचार किया जाएगा और उन्हें पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। हालांकि, तीन सप्ताह बीत जाने के बावजूद प्रबंधन ने कोई ठोस पहल नहीं की, जिससे कामगारों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।यूनियन के संगठन मंत्री प्रभु सिंह ने कहा कि प्रबंधन का यह उदासीन रवैया अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि अगले दो-तीन दिनों में प्रबंधन ने मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की, तो कामगार उग्रअनिश्चितकालीन गेट जाम और टूल डाउन आंदोलन किया जाएगा। महेश मंडल ने कहा, प्रबंधन की ओर से बार-बार आश्वासन तो दिए जाते हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होती।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना सं एस.जी.664–11– टेली 2025 26

भारत के राष्ट्रपति की और से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं.:– 1, विविरण:– कार्य का नाम:–** KRLR - SKTN सेक्शन में रिंग प्रोटेक्शन के लिए 6-Quad और OFC का प्रावधान करने, जिसमें DHN डिवीजन पर CPU सेक्शन के Quad केबल का पुनर्वास शामिल है।, **2. कार्य का आकलित मुल्य:– ₹** 2,89,65,542.75, **3. कार्य का अग्रधन राशि:– ₹** 2,94,800.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:–** 11–07–2025 (12:00 बजे)।, **5.** ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक / कुरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।, द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करे।

वरीय मंण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल धनबाद

पीआर/0788/डीएचएन/एस&टी/टी/25–26/40

कार्यालय, नगर परिषद, मिहिजाम
e-mail - nagarpanchayatmihijam@yahoo.in

कार्यालय आदेश

कार्यालय पत्रांक–484, दिनांक–22.07.2025 के आलोक में मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत संचालित किये जाने वाले अर्बन हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर हेतु मानवबल से संबंधित प्रकाशित आम सूचना (PR 350848 Urban Development and Housing (25-26) D) को अपरिहार्य कारणो से तत्तकाल रद्द किया जाता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद मिहिजाम

PR 359921 (Urban Development and Housing) 25-26 (D)

पारसनाथ जंगल में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

गिरिडीह पुलिस व सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में विस्फोटक बरामद

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के पारसनाथ पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने नाकाम कर दिया। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए सघन तलाशी अभियान में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। सूचना मिलते ही गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार और सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट सुनीलदत्त त्रिपाठी के निर्देश पर संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई गई। अभियान का नेतृत्व द्वितीय कमान अधिकारी कुमार ओम प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) सुरजीत कुमार और सहायक कमांडेंट सी.एच. तोम्बा सिंह ने किया। संयुक्त टीम में खुखरा थाना की पुलिस, सीआरपीएफ एफ/154 बटालियन, बीडीडीएस टीम एवं डॉग स्क्वॉड को शामिल किया गया। यह टीम पारसनाथ के जोकाई नाला/चतरो कानाडीह इलाके में पहुंची, जहां गुप्त रूप से छिपाकर रखी गई संदिग्ध सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में शामिल हैं: कौर्डेक्स वायर – लगभग 300 मीटर विस्फोटक तरल रसायन – 13 लीटर (बम निर्माण में प्रयुक्त) बरामद विस्फोटक सामग्रियों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया है और आगे की विधिवत कानूनी कार्रवाई जारी है। सुरक्षा बलों की तत्परता और सजगता से एक संभावित बड़ी घटना को समय रहते टाल दिया गया है।संयुक्त अभियान में शामिल अधिकारी:सुरजीत कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), गिरिडीह, कुमार ओम प्रकाश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ, सी.एच. तोम्बा सिंह, सहायक कमांडेंट, सीआरपीएफ,ओम प्रकाश, खुखरा थाना ,पुलिस अधीक्षक ने टीम को सफल अभियान के लिए बधाई दी और कहा कि नक्सल उन्मूलन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र में सर्च अभियान आगे भी जारी रहेगा।

धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सद्भावना मार्च का किया गया आयोजन

धनबाद, पूर्व प्रधानमंत्री स्व० राजीव गांधी की 81 वी जयंती पर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में सद्भावना मार्च का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में कांग्रेस जनों द्वारा अंबेडकर चौक डीआरएम कार्यालय से रणधीर प्रसाद वर्मा चौक तक निकाला गया मार्च। राजीव गांधी अमर रहें, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के जोरदार नारे लगे।

इस मौके पर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने स्व० राजीव गांधी के चित्र पर फुल पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारीगण मौजूद थें।

निचितपुर कोलियरी में विश्कर्मा पूजा को लेकर की गई बैठक,नई कमिटी का गठन

निचितपुर कोलियरी प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह को बनाया गया विश्वकर्मा पूजा कमेटी के अध्यक्ष,

लोयाबाद। निचितपुर कोलियरी के वर्कशॉप के प्रांगण में बुधवार को विश्वकर्मा पूजा को सफल बनाने को लेकर एक बैठक हुई।बैठक में सर्वप्रथम पुरानी कमिटी को भंग कर नई पूजा कमिटी का गठन किया गया।जिसमे अध्यक्ष के रूप में निचितपुर कोलियरी खान प्रबंधक कमलेश कुमार सिंह, सचिव अरुण सिंह,सहसचिव गुड्डू प्रसाद,कैलाश राणा,राजेश चौहान,कोषाध्यक्ष बिरेन्द्र ठाकुर, ललन तिवारी, सह कोषाध्यक्ष करण नोनिया,राजकिशोर रॉय, कार्यकरणी सदस्य अम्बा सिंह, सुभाष भर,किशुन कोल अजित कुमार, सतेन्द्र चौहान, केदार दुसाद, दुलाल प्रमाणिक,कैलू कुम्हार, को बनाया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से इस वर्ष 17 सितंबर 2025 को धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया।जिसमें विधुत साजसज्जा भी विशेष रूप से किया जाएगा।इस अवसर पर माँ भगवती जागरण का भी आयोजन किया जाएगा।साथ ही महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इस मौके पर रोशन आलम,आर एन लालदेव, सुदर्शन कुमार चौहान, रणजीत नोनिया, दिलीप राम, अकबर अंसारी, सत्यनारायण चौहान, राजू सिंह,रविन्द्र चौहान, हेमराज दास,शशि सिंह, मनसूर मियां,रविन्द्र महतो, बिरेन्द्र सिंह, विजय महतो, उपेन्द्र चौहान, इमरान, वकील अहमद,भोलू अंसारी, रामलखन यादव, उदय राम,शकीला खातून,राजमुनि देवी,आदि थे।

झारखण्ड सरकार
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)
ई–निविदा प्रसंग सं० :– RCD/GIRIDIH/928/2025-26
दिनांक :– 20.08.2025

1.	कार्य का नाम	बेंगाबाद–चतरो पथ के कि0मी0 1, 2, 3, 4, 6, 8, 9, 11, 12, 13, 14, 15(अंश) (कुल 3.00 कि0मी0) का विशेष मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू0 85,00,000.00 (पचासी लाख रूपये मात्र)
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	3 (तीन) माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	11 .09 .2025 12:00 बजे दिन तक
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	22 .08 .2025 10:30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह।
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं०	06532 – 227054
8.	ई–प्रोक्योरमेट सेल का हेल्प लाईन नं०	0651 – 2401010

नोट :– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट पर देखें :– http://jharkhandtenders.gov.in

ह०/–
कार्यपालक अभियंता,
PR 359936 Road(25-26).D पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,गिरिडीह

झारखण्ड सरकार
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना, (प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

ई–निविदा प्रसंग सं०:– RCD/GIRIDIH/930/2025-26 दिनांक:– 20.08.2025

1.	कार्य का नाम	द्वारपहरी से करमाटंड़ पथ (कुल लम्बाई – 17.10 कि0मी0) के राईडिंग क्वालिटी में सुधार (IRQP) कार्य वर्ष 2025–26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू0 10,25,39,446.00 (दस करोड़ पच्चीस लाख उनतालीस हजार चार सौ छियालीस रूपये मात्र)
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	6 (छः) माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	18 .09 .2025 12:00 बजे दिन तक
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	28 .08 .2025 10:30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह।
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं०	06532 – 227054
8.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं०	0651 – 2401010

नोट :– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट पर देखें :– http://jharkhandtenders.gov.in

ह०/–
कार्यपालक अभियंता,
PR 359937 Road(25-26)#D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह

कार्यालय अनुमंडल कृषि सह जिला उद्यान पदाधिकारी, बोकारो
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय भवन, चास, पुरूलिया रोड, चास

किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

विभागीय राज्यादेश सं0 17 दिनांक 28.05.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में उद्यान विकास की योजनान्तर्गत उपयोजना प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना के तहत बोकारो जिला के आजिविका के स्थाई श्रोत का सृजन कराने के साथ ही रोजी–रोटी तथा भोजन के लिए पलायन को रोकने के उदेश्य से शहरी इलाकों एवं उससे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसर में खाली पड़े छोटे भूखण्ड सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrance Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फुलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग की योजना संचालित है। इस योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरुप शहरी परिवारों के भोजन में पौष्टिकता की वृद्धि होगी, प्रदुषण मुक्त एवं स्वच्छ वातावरण का विकास होगा, हरियाली में वृद्धि होगी एवं शहरी क्षेत्रों में ऑक्सीजन का स्तर सुधेरगा। इस योजना का कार्यान्वयन 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। इस योजना का लाभ लेने हेतु दिनांक 30.08.2025 तक जिला उद्यान कार्यालय, बोकारो में आवेदन जमा कर सकते हैं। कार्य विवरणी निम्न प्रकार है:–

नोट:–
1. ST, SC एवं सीमान्त कृशक एवं महिला समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. अपूर्ण आवेदन स्वत: रद्द समझा जायेगा।
3. आवेदन स्थानीय माननीय जनप्रतिनिधि / पंचायत प्रतिनिधि के द्वारा सत्यापित होना आवश्यक है।
4. योजना के संदर्भ मे विशेष जानकारी हेतु जिला उद्यान कार्यालय, बोकारो से संपर्क किया जा सकता है।
5. आवेदन पत्र हेतु Website-www.atmabokaro.org.in से Download कर सकते हैं।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
बोकारो

PR 359981 Agriculture(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–गै0यो0–02/2025–26

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 28.08.2025 तक (कार्यालय अवधि में)।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 29.08.2025 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 29.08.2025 को 3.30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान–
   1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं॰–2, धुर्वा, राँची–834004
   2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका।
   3. जामताड़ा थाना परिसर
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान
   1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं॰–2, धुर्वा, राँची–834004
   2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका।
   3. जामताड़ा थाना परिसर
7. कार्य की विवरणी :–

क्र०	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (रु० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Guard Wall (40m long, 2 metre high) at 2nd & 18th Km of Anguthia more -Babupur road for the year 2025-26	15.00 लाख	30,000.00	2500.00	03 महीना
2	Ordinary repair of Staff Quarter & IB Nala for the year 2025-26	15.00 लाख	30,000.00	2500.00	02 महीना
3	Installation of 1 Full and 1 half overhead Gantry between Anguthia more to Babupur road for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	45 दिन
4	Ordinary repair of Dhotla more to Nala road (Total Length - 19.950 Km) for the year 2025-26	50.00	1,00,000.00	5000.00	03 महीना
5	Construction of 5.5m x 2.1m half overhead gantry (Cantilever sign board 5.50m x 2.10m) and 150m drain, road safety work in Jamtara-Karmatarn-Laharjori road for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	02 महीना
6	Construction of Retaining Wall (160m length) of height 2m at 5th, 8th & 19th Km of Jamtara-Karmatarn-Lahariori road for the year 2025-26	45.00	90,000.00	5000.00	03 महीना

1. निविदा की शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती हैं।
1. बिना कारण बताए किसी एक या सभी निविदाओं को स्थगित या रद्द करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
2. निविदा की राशि घट –बढ़ सकती है।
3. झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहित की कंडिका–163(a) द्वारा कृत प्रावधान को अवक्रमित करते हुए 10 प्रतिशत की न्यूनतम अधिसीमा को समाप्त किया जाता है। सम्प्रति 10 प्रतिशत से नीचे की दर की निविदाएँ अनुमान्य होगी। 10 (दस) प्रतिशत से न्यून निविदाओं के लिए Additional Performane Secuirty के क्रम में परिमाण विपत्र की राशि से (i) 10 से 20 प्रतिशत below तक की राशि का 20% तथा (ii) 20 प्रतिशत से अधिक below की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा। यह झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के नियम 172(a) के रुप में समाहित होगा। पूर्व के संहिता / नियम / परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे।
6. वैध एवं समान दर की निविदाओं के मामले में निविदा निष्पादन के प्राधिकार द्वारा पारदर्शी तरीके से लाटरी (lottery) की पद्धति अपनायी जायेगी। यह प्रावधान, झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के कंडिका–163(e) के रुप में समाहित होगा तथा उक्त हद तक पूर्व के संहिता / नियम / परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे। उपरोक्त सभी झारखण्ड सरकार, पथ निर्माण विभाग, रॉची के संकल्प संख्या 2146(एस0) दिनांक 09.09.2020 से आच्छादित होगा।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

PR 359970 (Road) 25-26 (D)

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा

स्वास्थ्य केंद्रों में कम प्रसव होने पर व्यक्त की कड़ी नाराजगी

सभी सीएचसी में कैंटीन स्थापित करने का दिया निर्देश

तोपचांची में शुरू किया जाएगा ट्रॉमा सेंटर

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उन्होंने पाया कि बाघमारा, बलियापुर, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची व टुंडी के स्वास्थ्य केंद्रों में हर महीने बहुत कम प्रसव किए गए हैं। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्होंने सभी एमओआईसी को इस पर विशेष ध्यान केंद्रित कर प्रसव की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने एमओआईसी को सकारात्मक नजरिया रखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक सुधार करने और स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित कर प्रसव की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की सेवा करने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना की है। जिससे उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिल सके।

वहीं कुपोषण उपचार केंद्र, एमटीसी में आने वालों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक आहार प्रदान करने के लिए उपायुक्त ने जिले के सभी आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी में स्वयं सहायता समूह के सहयोग से कैंटीन लगाने का निर्देश दिया। वहीं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा में उपायुक्त ने इसका कड़ाई से पालन करने तथा स्कूल सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू, सिगरेट इत्यादि का सेवन न बिक्री करने वालों पर जुर्माना लगाने व कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने तपचांची में शीघ्र ट्रॉमा सेंटर शुरू करने, गोविंदपुर में सीएससी बनाने के लिए भूमि चिन्हित करने, सभी स्वास्थ्य केंद्रों में बाउंड्री वॉल बनाने, स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान भारत योजना में सिजेरियन डिलीवरी होने पर माता को न्यूट्रीशन किट तथा बच्चे को बेबी किट प्रदान करने, केंदुआडीह में पुराने पीएचसी को डिमोलिश कर नया पीएचसी बनाने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने परिवार नियोजन, एनीमिया मुक्त भारत, नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम, 15वें वित्त के अंतर्गत स्वास्थ्य भवनों की स्थिति, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना, सदर अस्पताल, आयुष्मान भारत सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, डॉ० सुनील कुमार, डॉ० मंजू कुमारी, डीपीएम श्रीमती प्रतिमा कुमारी, जिला परिषद के जिला अभियंता, संजीव कुमार दास, वीबीडी सलाहकार, रमेश कुमार सिंह, सभी प्रखंड के एमओआईसी, सदर अस्पताल व स्वास्थ्य विभाग के कर्मी मौजूद थे।

बीसीसीएल में राष्ट्रीय कर्मयोगी फेसिलिटेटर कार्यशाला का सफल समापन

धनबाद । तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन आयोजित हुआ प्रैक्टिस राउंड एवं मूल्यांकन सत्र। कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों और विभागों से ई-4, ई-5 एवं ई-6 स्तर के अधिकारी कर्मयोगी फेसिलिटेटर के रूप में हुए प्रशिक्षित।भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा कल्याण भवन एचआरडी सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय कर्मयोगी फेसिलिटेटर कार्यशाला का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 18 से 20 अगस्त तक चले इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों और विभागों से ई-4, ई-5 एवं ई-6 स्तर के 30 अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।तीन दिनों में विभाजित इस कार्यशाला को चरणबद्ध ढंग से आयोजित किया गया। प्रथम दिन प्रतिभागियों को 'हू इज़ अ राष्ट्रीय कर्मयोगी', 'एक्सपैंडिंग आवर विज़न ऑफ सक्सेस एंड फुलफिलमेंट', 'क्रिएटिंग कर्मयोगी मोमेंट्स' और 'द राष्ट्रीय कर्मयोगी ऐज़ अ नेशन बिल्डर' जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। समूह चर्चाओं और अभ्यासों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कर्मयोगी बनने का अर्थ केवल धनोपार्जन या आर्थिक प्रगति करना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना है। दूसरे दिन प्रतिभागियों को कार्यक्रम की संरचना और क्रियान्वयन रूपरेखा से अवगत कराया गया। इल्युमिन पेडगॉग प्लेटफॉर्म के प्रयोग, फेसिलिटेशन तकनीकों और 10 प्रमुख क्षमताओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। दिन का समापन प्रैक्टिस राउंड-1 और आकलन के साथ हुआ।तीसरे दिन प्रतिभागियों ने प्रैक्टिस राउंड-2 में भाग लिया, जिसमें लगभग चार घंटे तक फेसिलिटेशन के व्यावहारिक अभ्यास कराए गए। प्रत्येक प्रतिभागी को दो बार अभ्यास करने का अवसर मिला, जिसके दौरान उन्हें सक्सेस चेकलिस्ट और फीड-फॉरवर्ड चर्चाओं के आधार पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके उपरांत समापन और आकलन सत्र आयोजित हुआ, जिसमें उपलब्ध एनब्लर्स और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की गई। अंतिम मूल्यांकन (असेसमेंट) के आधार पर प्रतिभागियों की समझ और दक्षता का आकलन किया गया।यह कार्यशाला मिशन कर्मयोगी की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसका शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सितंबर 2020 में किया गया था। इस पहल का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की सोच और दृष्टिकोण को आधुनिक बनाना, उनके कौशल को उन्नत करना तथा उन्हें केवल 'कर्मचारी' नहीं बल्कि 'कर्मयोगी' के रूप में विकसित करना है, ताकि वे अपने कार्य को राष्ट्र निर्माण की दिशा से जोड़ सकें। कार्यशाला में बतौर लीड ट्रेनर श्री अतुल शर्मा (प्रबंधक, मानव संसाधन) और श्री अरिजीत चक्रवर्ती (उप प्रबंधक, जनसंपर्क) उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि दोनों प्रशिक्षकों की अनुशंसा कोयला मंत्रालय द्वारा उनके सीबीसी में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत की गई थी।

शत प्रतिशत दिव्यांग बच्चों को प्रदान करें सहायक उपकरण : उपायुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने जिले के सभी प्रखंड के 3 वर्ष से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंस कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंड स्तरीय जांच शिविर का आयोजन कर दिव्यांग बच्चों का प्रमाण पत्र निर्गत कर उनको आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में जिले का एक भी दिव्यांग बच्चा छुटना नहीं चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंड के 3 वर्ष से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों को अवश्यक सहायक उपकरण प्रदान कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एलिम्को, रांची तथा झारखंड शिक्षा परियोजना, धनबाद से संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न प्रखंडों में जांच व वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

25 अगस्त को पूर्वी टुंडी, 26 अगस्त को टुंडी, 28 अगस्त कलियासोल, 29 अगस्त एगारकुंड, 30 अगस्त धनबाद ग्रामीण एवं धनबाद शहरी, 1 सितंबर बलियापुर, 2 सितंबर झरिया, 8 सितंबर गोविंदपुर, 9 सितंबर निरसा, 10 सितंबर बाघमारा एवं 11 सितंबर 2025 को तोपचांची में जांच व वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में उपायुक्त, आदित्य रंजन, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक, आयुष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक

महीने के प्रति रविवार को भ्रूण हत्या रोकने से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाने का लिया गया निर्णय,

जितनी भी अल्ट्रासाउंड मशीन विगत 1 साल से ज्यादा से बंद पड़े हैं सभी को सिविल सर्जन कार्यालय में करें सरेंडर, उपायुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला समुचित प्राधिकारी, पीसी एंड पीएनडीटी, आदित्य रंजन की अध्यक्षता में पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक के दौरान अल्ट्रासाउंड क्लिनिको के निरीक्षण में सील किए गए केंद्रों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ हीं अल्ट्रासाउंड क्लिनिको केसाथ वर्कशॉप आयोजित करने, पीसी एंड पीएनडीटी अकाउंट में रजिस्ट्रेशन एवं रिन्यूअल की जमा राशि की उपयोगिता पर चर्चा की गई। इसके अलावा सभी अल्ट्रासाउंड क्लिनिको में सीसीटीवी लगाने, एक्ट से संबंधित प्रचार प्रसार करने एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों के रजिस्ट्रेशन एवं रिन्यूअल के लिए प्राप्त आवेदनों पर विस्तृत चर्चा समिति द्वारा की गई। उपायुक्त, आदित्य रंजन ने महीने के प्रति रविवार को भ्रूण हत्या रोकने से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कहा की जितनी भी अल्ट्रासाउंड मशीन विगत 1 साल से ज्यादा से बंद पड़े हैं जिनका प्रयोग नही किया जा रहा है, वैसे सभी मशीनों को संबंधित संस्थान मशीन डिस्पोज करें या सिविल सर्जन कार्यालय में सरेंडर करें। साथ हीं पुरानी मशीन जो प्रयोग लायक नही है और रजिस्ट्रेशन भी फेल है उन मशीनों को भी या तो कंपनी को वापस करें या सरेंडर करें।

इस दौरान अल्ट्रासाउंड क्लिनिकों के चिकित्सक का एचपीआरआईडी और आभा आई डी एवं कार्यरत कर्मियों का आभा आईडी बनाने को लेकर चर्चा की गई। उपायुक्त, आदित्य रंजन ने सभी संबंधित को 15 दिन के अंदर आभा आईडी एवं एचपीआरआईडी आईडी बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले क्लिनिको पर कार्रवाई करते हुए बंद करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी।

मौके पर सिविल सर्जन आलोक विश्वकर्मा, डॉक्टर सुनील वर्मा, डॉक्टर राज कुमार सिंह, डॉक्टर तबरेज आलम, डॉक्टर, नीतू सिन्हा, डॉक्टर गायत्री सिंह, श्रीमती नीता सिन्हा, श्रीमती पूजा रत्नाकर आदि मौजूद थे।

सोलर प्लांट निर्माण में बाधा दूर कर कार्य में लाएं प्रगति : उपायुक्त

धनबाद, पंचेत में सोलर प्लांट निर्माण को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने विधायक निरसा, दामोदर वैली कारपोरेशन, डीवीसी व नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन, एनटीपीसी के साथ बैठक की।

दरअसल, डीवीसी व एनटीपीसी के ज्वाइंट वेंचर से पंचेत जीरो प्वाइंट में सोलर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। बैठक में उपायुक्त को बताया गया कि इसमें विभिन्न तरह से बाधा उत्पन्न की जा रही है। वहीं डीवीसी ने उपायुक्त को बताया कि उनके कई क्वार्टरों में अतिक्रमण किया गया है।

उपायुक्त ने सोलर प्लांट के निर्माण में आने वाली सभी बाधा को दूर कर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही डीवीसी को अतिक्रमणकारियों को क्वार्टर खाली करने का आदेश पारित करने तथा जिला प्रशासन से दंडाधिकारी एवं पुलिस फोर्स की मांग करने का निर्देश दिया।मौके पर विधायक निरसा के अरूप चटर्जी, उपायुक्त, आदित्य रंजन, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, कलियासोल के अंचल अधिकारी, अशोक कुमार सिन्हा तथा डीवीसी व एनटीपीसी के पदाधिकारी मौजूद थे ।

धनबाद जिले में अवैध खाद-बीज प्रतिष्ठान को किया गया सील

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के निर्देश पर जिला कृषि पदाधिकारी, अभिषेक मिश्रा ने आज तोपचांची प्रखण्ड और राजगंज बाजार के सात खाद-बीज और कीटनाशक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान तोपचांची के एक अवैध खाद-बीज और कीटनाशक प्रतिष्ठान को सील किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद को निर्धारित मूल्य पर बेचने और गुणवत्ता पूर्ण कीटनाशकों की बिक्री के लिए खाद और कीटनाशक नमूने संग्रहित किए गए।

बायोमैट्रिक उपस्थिति नही बनाने पर 10 पंचायत सचिव का रोका गया वेतन

सभी पंचायत सचिव अपने अपने पंचायत सचिवालय में हीं बनाएं बायोमैट्रिक अन्यथा होगी कार्रवाई : उपायुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला के विभिन्न प्रखंडों के 10 पंचायत सचिवों के जुलाई माह का वेतन रोका गया है। साथ ही अग्रतर कार्रवाई हेतु भी अनुसंशा की गई है। उपायुक्त ने बताया की एग्यारकुंड प्रखंड अंतर्गत 06, बलियापुर प्रखंड अंतर्गत 01, धनबाद प्रखंड अंतर्गत 01, बाघमारा प्रखंड अंतर्गत 01 एवं गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत 01 पंचायत सचिव का वेतन रोका गया है। उन्होंने बताया की पंचायत सचिव पर यह कार्रवाई बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज नही करने तथा पंचायत सचिवालय के जगह प्रखंड कार्यालय से उपस्थिति बनाने पर की गई है। पूर्व में उपायुक्त, आदित्य रंजन द्वारा सभी कार्यालयों में यह निर्देश दिया गया था की सभी कर्मी अपने अपने कार्यालय में समयानुसार बायोमैट्रिक द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। जिसके उपरांत यह कार्रवाई की गई है। उपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रधान को यह सख्त निर्देश दिया है की बिना बायोमैट्रिक के किसी भी कर्मी का वेतन भुगतान नहीं करेंगे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

सेव द नेचर, मोबाइल फोटोग्राफी एंड रील्स प्रतियोगिता में चंदन पाल को मिला प्रथम पुरस्कार

धनबाद, दुमका फोटोग्राफी क्लब की ओर से सिद्धों कान्हू मुर्मू इनडोर स्टेडियम में फोटोग्राफी एवं रील्स प्रतियोगिता सह फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें धनबाद के चंदन स्टूडियो से चंदन पाल ने सबसे अधिक पुरस्कार जीतकर रिकॉर्ड दर्ज किया। चंदन पाल ने सेव द नेचर, मोबाइल फोटोग्राफी में प्रथम पुरस्कार सेव द नेचर, रील्स में प्रथम पुरस्कार एवं वेडिंग कैंडिड फोटोग्राफी में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया । इस बार कार्यक्रम का विषय रहा पर्यावरण बचाओ-जीवन बचाओ । जिसमें मुख्य अतिथि जिला नोडल पर्यटन पदाधिकारी तूफान पोद्दार एवं विशिष्ट अतिथि संजीव हांसदा ने फोटो गैलरी का उद्घाटन किया। उन्हने पुरस्कृत तस्वीरो की काफी सराहना की। ज्ञात हो की उक्त प्रदर्शनी में पूरे झारखंड राज्य के चुनिंदा फोटोग्राफरों द्वारा खींची गयी तस्वीरें प्रदर्शित की गयी। आयोजन को सफल बनाने में बालकिशोर टुडू, बलवंत सिंह, कमलेश मरांडी, केदारनाथ पाल, बेनिसन हांसदा, अनुज बेसरा, सन्नी सिंह, बरूण मुर्मू,लाउस सोरेन, सैम शैमुएल, निहाल रंजन आदि की सराहनीय भूमिका रही । क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि यह हम लोग तीसरा वर्ल्ड फोटोग्राफी डे मना रहे हैं इस आयोजन का उद्देश्य फोटोग्राफी के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण भी हम लोगों का उद्देश्य है . "पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ" जैसे विषयों के माध्यम से युवाओं को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया ।

विजेता फोटोग्राफर,मोबाइल फोटोग्राफी, पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ, प्रथम-चंदन पॉल, द्वितीय-अभिषेक कुमार, तृतीय -डेनियल हेंब्रम, डीएसएलआर फोटोग्राफी में प्रथम, सुखदेव हेंब्रम, द्वितीयःचंदन पॉल, तृतीय, पीटरसन बास्की रहा ।

राज सिन्हा ने दिल्ली में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री किशन रेड्डी से मुलाक़ात कर कोल कर्मियों से संबंधित मामलों को उठाया

धनबाद, झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद के विधायक राज सिन्हा आज दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, किशन रेड्डी से धनबाद विधानसभा के जनहित एवम कोलकर्मियों से संबंधित अतिमहत्वपूर्ण समस्याओं के अविलंब समाधान हेतु मुलाक़ात की । धनबाद विधायक श्री सिन्हा ने उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा ।

विधायक श्री सिन्हा ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री को भारत कोकिंग कोल इंडिया लिमिटेड, सी आई एल में पूर्व की भांति रोगी श्रमिकों को मेडिकल अनफिट कर कर्मी के आश्रितों को कंपनी में नियोजन की व्यवस्था नहीं होने से श्रमिकों की समस्या को विस्तार पूर्वक बताया, एवं इसे लागू किए जाने की मांग की ।

विधायक श्री सिन्हा ने केंद्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण केंद्रीय सी जी आई टी में विगत दो वर्षों से जज का पद रिक्त रहने की बात बताई, दोनों न्यायधिकरण में हजारो श्रमिको के समाधान हेतु दोनों सेंट्रल गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल में जजों की नियुक्ति सुनिश्चित किए जाने की भी माँग की।

केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर धनबाद को सुपर स्पेशलिस्ट का दर्जा दिए जाने की बात पर सकारात्मक बातचित हुई ।

बीसीसीएल में चल रहे आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत श्रमिकों को एचपीसी भुगतान के अंश से काटे राशि का सीएमपीएफ में जमा कराना सुनिश्चित किया जाने तथा सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत चिकित्सा एवं आवास मुहैया कराए जाने की मांग की ।

अवकाश प्राप्त कर्मियों के पेंशन रिव्यू किये जाने तथा कैशलेस उपचार हेतु स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराई जाने के संबंध मे भी सकारात्मक वार्ता विधायक श्री सिन्हा एवं केंद्रीय कोयला मंत्री के बीच हुई ।

आउटसोर्सिंग कार्य के दौरान ब्लास्टिंग से ग्रामीण, स्थानीय निवासी एवं रैयतों को जो नुकसान हुआ है उनको आर आर पॉलिसी के तहत उनको विस्थापित किया जाए एवं अन्य ग्रामीणों को भी लाभ दिए जाने की मांग विधायक श्री सिन्हा ने की ।

सभी मांगों पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी.कृष्ण रेड्डी ने अपनी सहमति जताई ।

खेल महोत्सव में आएंगे कोल इंडिया के चेयरमैन

धनबाद, अम्बेडकर स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स के अध्यक्ष सह मुख्य प्रशिक्षक अनिल बाँसफोर ने कोलकाता स्थित कोल इंडिया के मुख्यालय जाकर कोल इंडिया के अध्यक्ष पी.एम. प्रसाद से मिलकर अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ मार्शल आर्टस द्वारा आयोजित होने वाले मार्शल आर्ट्स खेल महोत्सव एवं सामाजिक कार्य महोत्सव की जानकारी दी। इस अवसर पर बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी, योजना व परियोजना, मनोज कुमार अग्रवाल के साथ-साथ संस्था के टेक्निकल डायरेक्टर अदनान मुस्तफा क़ुदूषी उपस्थित थे। वहीं अनिल बाँसफोर ने संस्था के तरफ से समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में 2 सितंबर 2025 को आने हेतु पी.एम. प्रसाद को निमंत्रण पत्र सौंपा । जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए अपना आशीर्वाद अम्बेडकर स्कूल ऑफ़ मार्शल आर्ट्स के खिलाड़ियों को दिया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।